11

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 | अकं : 201 पटना (बिहार) शुक्रवार, 23 मई 2025 | पेज - 12 | मूल्य: 1 | R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

एक नजर

कटिहार में शौचालय की टंकी खोलने के दौरान हादसा, दो मजदूरों की दम घुटने से मौत

क्राइम संवाददाता द्वारा

कटिहार: जिले के रोतारा थाना क्षेत्र के रमेली गांव में गुरुवार को शौचालय की सेफ्टी टंकी का सेंटरिंग खोलते समय दर्दनाक हादसा हो गया। दम घुटने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य मजदूरों की हालत बिगड़ गई। उनमें से दो को गंभीर स्थिति में पूर्णिया सदर अस्पताल रेफर किया गया है, जबकि दो का इलाज गांव में ही चल रहा है।

मृतकों की पहचान रमेली गांव के घर मालिक मनोज महतो (उम्र 45 वर्ष) और मजदूर रणजीत सिंह (उम्र 35 वर्ष) के रूप में हुई है, जो बिशनपुर पंचायत के मवेया गांव के निवासी थे। घटना उस वक्त घटी जब निमार्णाधीन शौचालय की सेफ्टी टैंक का सेंटरिंग खोलने का काम चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टैंक में जहरीली गैस होने की आशंका है, जिससे दम घुटने के कारण ये हादसा हुआ। जैसे ही पहले व्यक्ति की हालत बिगड़ी, अन्य लोग बचाने के लिए भीतर उतरे, लेकिन एक-एक कर सभी बेहोश हो गए। बहरखाल पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि विजय सिंह कुशवाहा ने घटनास्थल पर पहुंचकर बताया कि

यह हादसा सेफ्टी टंकी की सफाई या देखभाल के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त उपाय न होने के कारण हुआ। मुखिया ने बताया कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूरों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। स्थानीय प्रशासन को घटना की सूचना दे दी गई है। मौके पर पुलिस पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। ग्रामीणों में घटना को लेकर शोक और आक्रोश दोनों देखा जा रहा है। लोगों ने निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों के पालन की मांग की है। ध्यान रहे कि हादसे के बाद परिजनों के घर कोहराम मचा हुआ है। बिना किसी सेफ्टी के सेंटरिंग को खोलना खतरनाक साबित हुआ है।

बिहार को मिली दो अमृत भारत रेलवे स्टेशनों की सौगात

बिशेष संवाददाता द्वारा

पटना: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार के दो रेलवे स्टेशनों गोपालगंज जिले का थावे जंक्शन और भागलपुर जिले का पीरपैंती स्टेशन का उद्घाटन किया। यह लोकार्पण बीकानेर, राजस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुआ, जहां पीएम मोदी ने देशभर के 103 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का एक साथ उद्घाटन किया। पीरपैंती स्टेशन का हुआ नवनिर्माण :पीरपैंती रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा विधायक ललन कुमार मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में कहलगांव के विधायक पवन यादव और मालदा डिवीजन के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता ने भी शिरकत की। ललन कुमार ने बताया कि नया स्टेशन यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इसमें ऊंचे-चौड़े

प्रवेश द्वार, बेहतर सुविधाएं और आरामदायक माहौल तैयार किया गया है। पीरपैंती स्टेशन का नया भवन करीब 19 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इस स्टेशन पर आधुनिक पैसेंजर लाउंज, सुंदर पोर्टिको, विस्तृत सरकुलेटिंग एरिया, गार्डन और उन्नत लाइटिंग व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज भी बनाया जा रहा है, जो जल्द ही चालू हो जाएगा। स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट की भी व्यवस्था की जा रही है। थावे जंक्शन की भी नई पहचान:थावे जंक्शन पर भी लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें कई जनप्रतिनिधि और रेलवे अधिकारी शामिल हुए। यह स्टेशन उत्तर बिहार के यात्रियों के लिए एक अहम कड़ी है। यहां की आधुनिक सुविधाएं लोगों की यात्रा को सहज बनाएंगी। पीरपैंती रेलवे स्टेशन का विकास :पीरपैंती स्टेशन न केवल एक यात्री केंद्र है, बल्कि यह भागलपुर क्षेत्र के लिए एक प्रमुख व्यापारिक हब भी है। झारखंड से सटे इलाकों के लोग भी इसी स्टेशन से यात्रा करते हैं, जिससे इसकी महत्ता और बढ़ जाती है। स्टेशन का आधुनिकीकरण स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति देगा, नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। रेलवे स्टेशनों के इस व्यापक विकास कार्य को केंद्र सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अंजाम दिया जा रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य देशभर के रेलवे स्टेशनों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करना है। स्टेशनों पर वाई-फाई, बेहतर प्रतीक्षालय, स्वच्छता और डिजिटल सेवाओं जैसी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं, जिससे यात्रियों को एक सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव मिले।

शराब पार्टी पर छापामारी करने गई पुलिस टीम पर हमला, दो पुलिसकर्मी घायल

क्राइम संवाददाता द्वारा

बेगूसराय :बेगूसराय जिले के चकिया थाना क्षेत्र के मल्हीपुर बिन्द टोली गांव में शराबबंदी कानून के तहत छापामारी करने गई पुलिस टीम पर हमला किया गया। घटना के दौरान पुलिस पर पत्थरबाजी और रोड़ेबाजी की गई तथा शराब पीने के आरोपी को पुलिस की गिरफ्त से छुड़ा लिया गया। इस मामले में अब पुलिस ने चार महिलाओं सहित नौ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, 20 मई की रात चकिया थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि मल्हीपुर बिन्द टोली गांव में मंजीत महतो के घर शराब पार्टी चल रही है। इसी सूचना पर पुलिस टीम छापामारी के लिए वहां पहुंची थी। पुलिस जब मंजीत महतो को पकड़कर ले जा रही थी, तभी उसके परिजनों और आसपास के ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर अचानक पथराव शुरू कर दिया। इस हमले में दो पुलिसकर्मी को चोटें आईं और आरोपी मंजीत को भीड़ की मदद से छुड़ा लिया गया। पुलिस स्थिति नियंत्रित न पाकर वापस लौटने को मजबूर हो गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन कर जांच तेज की। इसके बाद रविवार को हुई कार्रवाई में मल्हीपुर बिन्द टोली गांव से नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में मुकेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, बबलू कुमार, शिव कुमार, भदय निषाद, पिंकी देवी, सोना देवी, ललिता देवी

बेगूसराय :बेगूसराय जिले के चकिया थाना क्षेत्र के मल्हीपुर बिन्द टोली गांव में शराबबंदी कानून के तहत छापामारी करने गई पुलिस टीम पर हमला किया गया। घटना के दौरान पुलिस पर पत्थरबाजी और रोड़ेबाजी की गई तथा शराब पीने के आरोपी को पुलिस की गिरफ्त से छुड़ा लिया गया। इस मामले में अब पुलिस ने चार महिलाओं सहित नौ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

और नुनुवती देवी शामिल हैं। सभी आरोपियों को पहले सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया, फिर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बेगूसराय एसपी मनीष ने इस घटना को लेकर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पुलिस टीम पर हमला और सरकारी कार्य में बाधा गंभीर अपराध है। उन्होंने बताया कि हमले में शामिल सभी लोगों की पहचान कर ली गई है और आगे की गिरफ्तारियां भी जल्द होंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों और पुलिस पर हमला करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार आरोपी भदय निषाद ने मीडिया के सामने कहा कि गांव में शादी समारोह चल रहा था और पुलिस जब छापामारी करने आई, तो माहौल तनावपूर्ण हो गया। उन्होंने दावा किया कि कई बेकसूर लोग भी गिरफ्त में आ गए हैं, जो मंजीत महतो के पड़ोसी मात्र थे।

आरिफ मोहम्मद खान के इस्तीफा देने वाली घटना को अचानक क्यों याद करने लगे गिरिराज सिंह

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना: बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के तत्वावधान में राजधानी पटना के ऊर्जा स्टेडियम में तृतीय दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन किया गया. इस अवसर पर पूरे बिहार से पशु चिकित्सा, मत्स्य पालन और डेयरी विज्ञान के छात्रों ने हिस्सा लिया. समारोह में बिहार के राज्यपाल सह कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी शिरकत की. राज्यपाल ने किया छात्रों का उत्साहवर्धन: राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए छात्रों को डिग्री और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए. उन्होंने छात्रों से कहा, सतत अध्ययन ही जीवन में तरक्की का मार्ग प्रशस्त करता है. शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि इसका सकारात्मक उपयोग कर समाज, देश और मानवता की सेवा करना है. उन्होंने पशु चिकित्सा, मत्स्य पालन और डेयरी के छात्रों को सम्मानित करते हुए कहा कि ज्ञान अर्जन का कार्य कभी रुकना नहीं चाहिए.उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज के विकास के लिए करें और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान दें. ₹आपके ज्ञान पर सिर्फ आपका नहीं, बल्कि समाज का भी अधिकार है. ये महत्वपूर्ण है कि आप खुद ऊंचा उठने के बाद दूसरों को भी ऊपर उठाएं₹.- आरिफ मोहम्मद खान, राज्यपाल, बिहार केंद्रीय मंत्री ने शाह बानो मामले का किया जिक्र: केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राज्यपाल खान की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका नाम इतिहास में दर्ज है. उन्होंने 1986 के शाह बानो मामले का जिक्र करते हुए कहा कि, जब सुप्रीम कोर्ट के महिला भरण-पोषण के फैसले को केंद्र सरकार ने संविधान संशोधन कर पलट दिया था, तब तत्कालीन मंत्री आरिफ मोहम्मद खान ने राजीव गांधी सरकार से इस्तीफा दे दिया था. 'जॉब सीकर के बजाय जॉब प्रोवाइडर बनिए': छात्रों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, आप देश की तरक्की में अपनी भूमिका निभाएं. विशेष रूप से बेटियों ने शानदार प्रदर्शन कर बाजी मारी है. उन्होंने छात्रों से जॉब सीकर के बजाय जॉब प्रोवाइडर बनने का भी आह्वान किया और कहा, गांव की तरक्की तभी संभव है जब किसानों की तरक्की होगी. कुशल पेशेवर तैयार करता है बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय: बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (इअरव) पटना में स्थित एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है, जो पशु चिकित्सा, मत्स्य पालन और डेयरी विज्ञान में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देता है. 2016 में स्थापित, ये विश्वविद्यालय पशु स्वास्थ्य, उत्पादन और प्रबंधन के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्रदान करता है. बीएएसयू का उद्देश्य ग्रामीण विकास और किसानों की प्रगति के लिए कुशल पेशेवर तैयार करना है.

पूर्णिया विश्वविद्यालय में 4 घंटे कुलपति और पदाधिकारी बंधक, केस दर्ज

बिशेष संवाददाता द्वारा

पूर्णिया: पूर्णिया विश्वविद्यालय में छात्र नेता राजा कुमार और उसके साथियों ने कुलपति और अन्य अधिकारियों को उनके कार्यालय में बंधक बना लिया. राजा कुमार ने कुलपति के कक्ष में जबरन प्रवेश किया और अभद्र व्यवहार किया. छात्रों ने कुलपति और अन्य अधिकारियों को चार घंटे तक बंधक बनाए रखा. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. वहीं छात्रों ने कहा कि आरोप गलत है. उन्हें फंसाया जा रहा है. पूर्णिया विश्वविद्यालय में हंगामा: विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर विवेकानंद सिंह ने बताया कि कुलपति के कक्ष में महत्वपूर्ण बैठक चल रही थी. उसी समय अचानक राजा कुमार नाम का छात्र कुलपति के गार्ड को धक्का देते हुए उनके चैंबर में प्रवेश कर गया. जब उससे मोबाइल बाहर रख कर आने को कहा गया तो वह अभद्रता से पेश आया और और जोर-जोर से बोलने लगा. वहां उपस्थित एक शिक्षक द्वारा उसे धीमी आवाज में बात करने को कहा गया तो इस पर वह उत्तेजित हो गया और शिक्षक के साथ धक्का और कुलपति से भी अभद्रता करने लगा. 4 घंटे तक बनाया बंधक: इस घटना के बाद शाम के समय राजा और उसके सहयोगी विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश कर संबंधित शिक्षक को खोजने लगे और उसके बाद कुलपति के चेंबर के बाहर जोर-जोर से नारा लगाने लगे. साथ ही शिक्षक को विभिन्न प्रकार की धमकियां देने लगे. कुलपति पति और वरीय पदाधिकारी को उन लोगों ने चार घंटे तक बंधक बनाकर रखा और पुलिस प्रशासन के आने के बाद उन सभी को उन लोगों से मुक्त कराया गया. इस घटना को लेकर थाना में लिखित आवेदन दिया गया है. ₹मैं अपने चेंबर में कर्मियों के साथ मीटिंग कर रहा था. उसी समय राजा अपने कुछ सहयोगी छात्रों के साथ मिलकर चेंबर के दरवाजे के पास आकर स्टाफ के साथ धक्का मुक्की करने लगा. चैंबर के दरवाजे को बाहर से पूरी तरह ब्लॉक कर

दिया. हम सभी स्टाफ कुछ घंटे तक चेंबर के अंदर ही बंधक बने रहे. इसके बाद उनके द्वारा स्थानीय थाने को फोन से जानकारी दी गई और फिर एक लिखित आवेदन भी दिया गया.₹ - विवेकानंद सिंह, वाइस चांसलर छात्रों ने आरोप को गलत बताया: बता दें कि पिछले दो दिन पूर्व छात्र नेता राजा एवं उसके सहयोगी विश्वविद्यालय वाइस चांसलर से कुछ मांगों को लेकर मिलने गए थे. इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उन लोगों पर स्थानीय थाने में वाइस चांसलर एवं कर्मियों को बंधक बनाने का मामला दर्ज करवाया. छात्रों ने कहा कि उन पर लगाया गया आरोप गलत है. उन्हें फंसाया जा रहा है. इस तरह का कोई भी मामला नहीं है. अपनी मांगों को लेकर वाइस चांसलर से गए थे. मिलने विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा स्थानीय थाना में लिखित कुछ छात्रों के खिलाफ आवेदन दिया गया. ₹पूर्णिया विवि प्रशासन की ओर से लगाया आरोप गलत है. हम लोगों को फंसाया जा रहा है. इस तरह का कोई भी मामला नहीं है. अपनी मांगों को लेकर वाइस चांसलर से गए थे.₹ - राजा कुमार, छात्र 187 सफल छात्र को कर दिया फेल: पूर्व छात्र नेता राजा ने विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर से छात्रों की कुछ मांग को लेकर मिलने गए थे. मामला पीएचडी एडमिशन टेस्ट 2013 रिजल्ट को लेकर था. जहां पहले जारी परिणाम जारी किया था लेकिन विवि प्रशासन ने नया रिजल्ट जारी कर दिया. इसमें पहले सफल घोषित छात्र को असफल किया गया. ऐसे कई मामले विश्वविद्यालय में है 10 में को नया रिजल्ट जारी किया गया इसमें 187 छात्र सफल घोषित किए गए

बीजेपी विधायक को भेजा गया जेल, 6 साल पुराना है मामला

क्राइम संवाददाता द्वारा

दरभंगा : दरभंगा के अलीनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव को एमपी एमएलए विशेष न्यायालय के आदेश पर आज जेल भेज दिया गया. मामला 2019 का है. दरभंगा के रैयाम थाना क्षेत्र के समैला गांव में मारपीट का आरोप मिश्रीलाल यादव और उनके समर्थकों पर लगा था. मिश्रीलाल यादव को सजा : दरअसल, 3 महीने पहले एमपी एमएलए कोर्ट ने मारपीट मामले में मिश्रीलाल यादव को दोषी करार देते हुए 3 महीने की सजा एवं 500 का जुमार्ना लगाया था. इसी मामले में वह आज कोर्ट से सजा माफ याचिका दायर करने पहुंचे थे. 24 घंटे की जेल कस्टडी : इसी बीच व्यवहार न्यायालय के एमपी एमएलए अऊख 3 सुमन कुमार दिवाकर के कोर्ट ने पुराने मारपीट के मामले में तीन महीने की सजा सुनाई थी. इस मामले में शुक्रवार यानी कल 23 मई को सजा की बिंदु पर सुनवाई के बाद फैसला आने वाला है. इसी मामले को लेकर तारीख पर अपील करने आये थे. उसी मामले में विधायक

को 24 घंटे की कस्टडी में मंडल कारा दरभंगा भेज दिया गया है. एमपी एमएलए कोर्ट ने सुनवाई : बता दें कि, दरभंगा के एमपी एमएलए कोर्ट ने रैयाम थानाकांड सं 04/19 से बने विचारण वाद सं. 884/23 पूरी बहस के बाद भाजपा विधायक मिश्री लाल यादव एवं गोसाईं टोल पचाढ़ी निवासी सुरेश यादव को दोषी करार देने के बाद भादवि की धारा 323 में तीन माह का कारावास और 500 रुपया अर्थदंड की सजा सुनाई है. "कोर्ट ने मुझे तीन महीने की सजा सुनाई थी. हालांकि इसकी जानकारी मुझे नहीं थी. इसी मामले को लेकर अपील करने कोर्ट आया था. लेकिन न्यायालय ने मुझे 24 घंटे के लिए कस्टडी में भेज दिया है."- मिश्री लाल यादव, भाजपा विधायक, अलीनगर जनवरी 2019 में मामला दर्ज : भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव एवं सुरेश यादव के विरुद्ध समैला निवासी उमेश मिश्र ने 29 जनवरी 2019 की आपराधिक घटना को लेकर 30 जनवरी को प्राथमिकी सं. 4/19 दर्ज कराया. उमेश मिश्रा का आरोप था कि 29 जनवरी 19 को सुबह 6 बजे मॉर्निंग वाक के लिए घर से निकले थे. जब वह गोसाईं टोल पहुंचे तो मिश्रीलाल यादव, सुरेश यादव एवं अन्य 20-25 व्यक्तियों ने हथियार से लैश होकर कदमचौक पर घेर कर गाली गलौज करने लगे. उमेश मिश्रा का आरोप था कि जब उसने विरोध किया तो मिश्रीलाल यादव ने उसके सिर पर फरसा से प्रहार किया. जिसमें वह बुरी तरीके से घायल हो गया और किसी तरीके से जान बचाकर भागा. सुरेश यादव ने रॉड और लाठी से मारकर पॉकेट से 2300 रुपये निकाल लिया. जख्मी का इलाज पहले केवटी पीएचसी और तत्पश्चात डीएमसीएच में हुआ. अनुसंधानक ने 12 अक्टूबर 2019 को आरोप पत्र समर्पित किया. कोर्ट ने 17 अप्रैल 2020 को संज्ञान लिया. अभियोजन पक्ष से साक्षियों के बहस के बाद शुक्रवार को एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश करुणा निधि प्रसाद आर्या की अदालत ने विधायक मिश्रीलाल यादव और सुरेश यादव को सजा सुनाई थी. इस आदेश के आलोक में विधायक मिश्रीलाल यादव आज अऊख 3 सुमन कुमार दिवाकर की अदालत में अपील के लिए गए थे. जहां से उन्हें 24 घंटा के लिए हिरासत में लेकर दरभंगा मंडल कारा भेज दिया गया है

बिहार में बड़े पैमाने पर पुलिस उपाधीक्षकों का तबादला, गृह विभाग ने जारी की अधिसूचना

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटना :बिहार में बड़े पैमाने पर पुलिस उपाधीक्षकों का तबादला हुआ है। एक साथ 28 डीएसपी का तबादला किया गया है। जिन डीएसपी का तबादला हुआ है, उनकी सूची जारी कर दी गई है। गृह विभाग ने भी इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। समस्तीपुर जिले में पदस्थापित पटना जिला के विकास केशव को आर्थिक अपराध इकाई की जिम्मेदारी दी गई है। बेगूसराय में पदस्थापित भोजपुर जिले की रॉली कुमारी को सासाराम का बि0वि0स0पु0 (महिला) कीई जिम्यामेदारी मिली है। गया में पदस्थापित मोतिहारी जिला के सदानंद कुमार को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में भेजा गया है। मुजफ्फरपुर में पदस्थापित जमुई निवासी अभिजीत अलकेश को आर्थिक अपराध इकाई भेजा गया है। सिवान में पदस्थापित पटना जिले के निशांत गौरव को खगड़िया जिले में साइबर क्राइम में स्थानांतरित किया गया है। पटना में पदस्थापित समस्तीपुर जिले के मिथिलेश कुमार को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की जिम्मेदारी दी गई है। नालंदा में पदस्थापित पटना जिला के दीपक कुमार को भागलपुर के पुलिस उपमहानिरीक्षक कार्यालय में पदस्थापित किया गया है। समस्तीपुर में पदस्थापित पटना जिले की रिशिता स्नेह को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की जिम्मेदारी दी गई है। पूर्णिया में पदस्थापित मोतिहारी जिले के अविनाश कुमार कश्यप को साइबर क्राइम में बक्सर भेजा गया है। मधुबनी में पदस्थापित समस्तीपुर जिले के गौरव गुप्ता को साइबर क्राइम सुपौल की जिम्मेदारी दी गई

है। बेगूसराय में पदस्थापित वैशाली जिले के सुमित शेखर को पटना विशेष कार्य बल विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। भोजपुर में पदस्थापित पश्चिम चंपारण की अपूर्वा को बाल्मीकि नगर बगहा मैं बिहार स्वाभिमान विशेष सशस्त्र पुलिस बल की जिम्मेदारी दी गई है। मोतिहारी में पदस्थापित उत्तर प्रदेश बिजनौर की रहने वाली शिप्रा राजपूत को तकनीकी सेवाएं एवं वितंतू में जिम्मेदारी दी गई है। गोपालगंज में पदस्थापित पटना जिले के संदीप कुमार को विशेष शाखा, पटना भेजा गया है। खगड़िया जिले में पदस्थापित गया जिले के विनय कुमार को सीतामढ़ी की जिम्मेदारी दी गई है। मधेपुरा में पदस्थापित सुपौल जिले की स्नेह सेतू को भोजपुर जिले में साइबर क्राइम विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। जहानाबाद में पदस्थापित सीतामढ़ी जिले के ओमप्रकाश को सहरसा यातायात की जिम्मेदारी मिली है। नवादा जिले में पदस्थापित पश्चिमी चंपारण के संतोष कुमार पासवान को सारण जिले का यातायात पुलिस उपाधीक्षक बनाया गया है। नवगछिया में पदस्थापित कैमूर जिले के मोहम्मद इस्तखार अहमद अंसारी को बेगूसराय मुख्यालय भेजा गया है। रोहतास जिले में पदस्थापित पटना जिले की कंचन राज को पटना रेल में पुलिस उपाधीक्षक की जिम्मेदारी मिली है। कटिहार जिले में पदस्थापित श्वेता कुमारी को रोहतास जिले की जिम्मेदारी मिली है। बेतिया में पदस्थापित जहानाबाद जिले के सुनील सक्सेना को शाहाबाद क्षेत्र डेहरी ऑन सोन में पुलिस उपमहानिरीक्षक कार्यालय में प्रशासन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। दरभंगा जिले में पदस्थापित रोहतास जिला के अभिषेक कुमार को डुमरांव बीएनपी 4 की जिम्मेदारी मिली है।

मुंगेर में पदस्थापित नालंदा जिले के अभिषेक कुमार को नवगछिया में साइबर क्राइम के साथ-साथ यातायात पुलिस उपाध्यक्ष की अतिरिक्त जिम्मेदारी रहेगी। वैशाली में पदस्थापित गया जिले की बबली कुमारी को सासाराम भेजा गया है। सुपौल जिले में पदस्थापित गया जिले की नीतू सिंह को पटना में मद्य निषेध अपराध अनुसंधान विभाग की जिम्मेदारी मिली है। सीतामढ़ी में पदस्थापित नालंदा जिले के रवि रंजन कुमार को दरभंगा के पुलिस उपमहानिरीक्षक कार्यालय में पदस्थापित किया गया है। भागलपुर में पदस्थापित सिवान की रीता कुमारी को बालवीर बाल्मीकि नगर बगहा में पुलिस स्वाभिमान विशेष सशस्त्र पुलिस बल की जिम्मेदारी मिली है

'डॉक्टर डेथ' की कहानी : किडनी निकालकर कत्ल अपहरण के बाद लूटे वाहन और फिर मार डाला

> अमित संग मिलकर 1998 से यह धंधा शुरू किया। इसके लिए कार चालकों की हत्या कर उनकी किडनी निकालने के साथ-साथ राजस्थान, हरियाणा व दिल्ली के रेलवे स्टेशन, बस अड्डों से मजदूर वर्ग के लोगों को लालच देकर उनकी किडनी निकालने का भी काम किया। हालांकि 2004 में देवेंद्र पकड़ा गया। मगर 2008 में मुरादाबाद कांड में उसका नाम शामिल नहीं हो पाया था। डाक्टर की गवाही पर बरला थाना क्षेत्र के गांव दिलालपुर निवासी श्यौराज को भी एक टैक्सी चालक की अपहरण के बाद हत्या करने के मामले में उम्र कैद की सजा हो गई थी। उस समय अमर उजाला ने इसे मुद्दा बनाया गया। मामला सुर्खियों में आया तो सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल हुई, इस पर सुनवाई में श्यौराज बेगुनाह साबित हुए और उनकी रिहाई हुई थी। लगभग 13 साल पहले हरियाणा पलवल के एक टैक्सी चालक की अपहरण के बाद हत्या के मामले में श्यौराज को उम्र कैद की सजा सुनाई गई थी। इस मामले में देवेंद्र भी आरोपी था। उसने पुलिस से कहा था कि हत्या के समय श्यौराज दिलालपुर भी उसके साथ था और कोर्ट में भी यही बयान दोहराया। जिसके बाद उसे सजा हो गई थी। श्यौराज की पत्नी ने कहा था कि किसी और को बचाने के लिए देवेंद्र ने श्यौराज को फंसाया है। अलीगढ़ और हरियाणा पुलिस को साक्ष्य दिए गए। इसके बाद सीओ की जांच रिपोर्ट आई, जिसे आधार बनाकर सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल की गई।

शाहरुख खान

अलीगढ़ : कुख्यात डॉ. देवेंद्र शर्मा उर्फ डाक्टर डेथ को लेकर रोजाना नए-नए खुलासे हो रहे हैं। छर्रा इलाके के गांव पुरैनी का यह दुर्दांत अपराधी गिरफ्तारी के बाद एक बार फिर से सुर्खियों में आ गया है। पुलिस के क्राइम रिकॉर्ड से इतर अगर इसकी जरायम हिस्ट्री पर ध्यान दें तो डॉक्टर डेथ ने छर्रा-बरला क्षेत्र के ईंट भट्ठों में भी 50 लाशें फुंकवा दीं थीं। इनमें से कुछ का अपहरण कर उनके वाहन लूटे गए तो कुछ की किडनी निकालकर हत्या की गई। मुरादाबाद के बहुचर्चित किडनी कांड के मुख्य आरोपी डॉ. अमित से भी इसका नाम जुड़ा, तब यह खासा सुर्खियों व पुलिस की नजर में आया।

1998 में किडनी रैकेट बनाया : बेशक मुरादाबाद का किडनी कांड 2008 में सुर्खियों में आया। तब डा.अमित के पीछे मुरादाबाद पुलिस लगी। उसके गुरुग्राम सेंटर पर छापा मारकर कई लोग पकड़े। मगर अमित भाग गया था। मगर खुद देवेंद्र ने स्वीकारा कि अमित की व उसकी पुरानी मुलाकात थी। अमित ने उससे ट्रांसप्लाट के लिए किडनी दिलवाने को कहा। तब उसने अमित संग मिलकर 1998 से यह धंधा शुरू किया। इसके लिए कार चालकों की हत्या कर उनकी किडनी निकालने के साथ-साथ राजस्थान, हरियाणा व दिल्ली के रेलवे स्टेशन, बस अड्डों से मजदूर वर्ग के लोगों को लालच देकर उनकी किडनी निकालने का भी काम किया। हालांकि 2004 में देवेंद्र पकड़ा गया। मगर 2008 में मुरादाबाद कांड में उसका नाम शामिल नहीं हो पाया था।

डॉक्टर की झूठी गवाही पर हुई थी श्यौराज को उम्र कैद : डाक्टर की गवाही पर बरला थाना क्षेत्र के गांव दिलालपुर निवासी श्यौराज को भी एक टैक्सी चालक की अपहरण के बाद हत्या करने के मामले में उम्र कैद की सजा हो गई थी। उस समय अमर उजाला ने इसे मुद्दा बनाया गया। मामला सुर्खियों में आया तो सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल हुई, इस पर सुनवाई में श्यौराज बेगुनाह साबित हुए और उनकी रिहाई हुई थी। लगभग 13 साल पहले हरियाणा पलवल के एक टैक्सी चालक की अपहरण के बाद हत्या के मामले में श्यौराज को उम्र कैद की सजा सुनाई गई थी। इस मामले में देवेंद्र भी आरोपी था। उसने पुलिस से कहा था कि हत्या के समय श्यौराज दिलालपुर भी उसके साथ था और कोर्ट में भी यही बयान दोहराया। जिसके बाद उसे सजा हो गई थी। श्यौराज की पत्नी ने कहा था कि किसी और को बचाने के लिए देवेंद्र ने श्यौराज को फंसाया है। अलीगढ़ और हरियाणा पुलिस को साक्ष्य दिए गए। इसके बाद सीओ की जांच रिपोर्ट आई, जिसे आधार बनाकर सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दाखिल की गई। फैसला उसके हक में आया और छह साल तक जेल में सजा काटने के बाद उसे बरी किया गया।

टावर लगाने के नाम पर की थी धोखाधड़ी : अलीगढ़ में डॉक्टर देवेंद्र पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया था। उसकी हिस्ट्रीशीट खोल दी गई थी। इसके बाद वह राजस्थान चला गया और दौसा में जनता क्लीनिक खोल दिया। वहां इसने टॉवर लगाने के नाम पर लोगों से 11 लाख रुपये ठग लिए थे।

पैरोल पर रिहा होने के बाद कराया था बैनामा : दिल्ली से पैरोल पर रिहा होने के बाद उसने छर्रा थाने में 20 दिन तक हाजिरी लगाई थी। यह बात छर्रा थाने के रिकार्ड में भी दर्ज है। इसी बीच इसने गांव की अपने हिस्से की सात बीघा जमीन का बैनामा किया था।

कासगंज के रेलवे अफसर की बेटी से हुआ था विवाह : ग्रामीणों का कहना है कि देवेंद्र के पिता देवकीनंदन सिवान में एक दवा कंपनी में नौकरी करते थे। पढ़ा लिखा परिवार था, देवेंद्र ने बिहार में पटना विवि से बीएएमएस किया था। उसकी शादी भी उस समय कासगंज में रेलवे में तैनात रहे एक अफसर की बेटी से हुई थी। फिलहाल देवेंद्र का परिवार कहां है, इसकी जानकारी गांव में किसी को नहीं है। अलीगढ़ में डॉक्टर डेथ यानी देवेंद्र शर्मा मूलरूप से छर्रा क्षेत्र के गांव पुरैनी का रहने वाला है। 33 साल पहले वह गांव छोड़कर राजस्थान चला गया था। इसके बाद वह गांव नहीं लौटा, इस दौरान पुलिस उसकी तलाश में जरूर आती-जाती रही। पुरैनी निवासी देवकीनंदन शर्मा के पुत्र देवेंद्र शर्मा की गिरफ्तारी से गांव वालों को अचरज नहीं हुआ। उसकी करतूतों की जानकारी ग्रामीणों को पहले से रही है। उसका एक भाई सुरेंद्र शर्मा सीआईएसएफ में दरोगा है और कासिमपुर पॉवर हाउस में तैनात है। पिता की 18 साल पहले और माता की करीब 55 साल पहले मौत हो गई थी। तहेरे भाई रामवीर शर्मा बताते हैं कि उसने बुलंदशहर में अपनी बहन के यहां रहकर इंटर की पढ़ाई की और उसके बाद पटना से बीएएमएस किया था। ग्रामीणों ने बताया कि उसने छर्रा में गैस की एजेंसी खोली थी। लेकिन वह चली नहीं लिहाजा साल 1992 में वह 500-500 रुपये में सिलिंडर बेचकर राजस्थान चला गया था। उसके बाद से वह गांव नहीं आया। परिवार के लोगों से भी कभी संपर्क नहीं किया। बीच-बीच में पुलिस जरूर उसकी तलाश में गांव आई। सात बीघा पुश्तैनी जमीन है, जिसकी देखरेख के लिए उसका भाई सुरेंद्र गांव में आता-जाता रहता है। गांव का मकान इनका खंडहर हो गया है। गांव वालों ने कहना है कि सुरेंद्र के परिवार के बाकी सभी लोग अच्छे हैं। उन लोगों ने भी इससे अपने सारे रिश्ते तोड़ लिए थे।

राजस्थान में एक कद्दावर नेता से थे रिश्ते : राजस्थान जाने के बाद देवेंद्र शर्मा के रिश्ते उस दौर के एक बड़े कांग्रेस नेता के साथ भी थे। वहां उसने जनता क्लीनिक भी खोला। इसकी आड़ में वह किड़नी रैकेट से जुड़ गया था।

क्रेडिट की होड़ में ट्रंप: 'भारत-पाकिस्तान तनाव ट्रेड डील से घटाया', अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर बार दोहराई बात

वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने को लेकर एक बार फिर अपना दावा दोहराया है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य तनाव को व्यापार समझौते (ट्रेड डील) के जरिए सुलझाया है। उन्होंने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा से व्हाइट हाउस में मुलाकात के दौरान कहा कि अगर आप देखेंगे कि हमने अभी पाकिस्तान और भारत के साथ क्या किया, हमने पूरा मामला सुलझाया। ट्रंप ने ये भी कहा कि मेरा मानना है कि ये पूरा मामला ट्रेड के जरिए सुलझा है।

ट्रंप ने दोहराया अपना दावा : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैंने दोनों नेताओं से बात की। पीएम मोदी मेरे दोस्त हैं। पाकिस्तान के पास भी अच्छे लोग और नेता हैं। किसी को तो आखिर में गोली चलानी बंद करनी थी। इस पर दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति ने कहा कि पीएम मोदी, हमारे साझा मित्र हैं।

श्रेय लेने की होड़ में दिख रहे अमेरिकी राष्ट्रपति : बता दें कि ये पहली बार नहीं है कि ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम कराने को लेकर श्रेय लिया हो। इससे पहले तनाव के बीच उन्होंने भारत-पाकिस्तान के आधिकारिक घोषणा से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर दावा किया था कि उन्होंने भारत-पाक तनाव को शांति से सुलझाने में अहम भूमिका निभाई है।

ट्रंप के दावे पर पूर्व अमेरिकी ठरअ ने कसा तंज : इससे पहले अमेरिका के पूर्व एनएसए ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावे पर तंज कसा। बोल्टन ने कहा कि ट्रंप को श्रेय लेने की आदत है। यह भारत के लिए व्यक्तिगत नहीं है। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप हर चीज का श्रेय लेते हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बातचीत की थी। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि यह ठीक वैसा जैसा होगा, जैसे अन्य देश भी यह देखने के लिए कॉल कर रहे हैं कि वे क्या कर सकते हैं। ट्रंप की खासियत है, वह हर किसी के श्रेय लेने से पहले ही कूद पड़ते हैं। यह परेशान करने वाला हो सकता है। लेकिन यह भारत के खिलाफ कुछ नहीं है। यह सिर्फ ट्रंप का ट्रंप होना है।

भारत-पाकिस्तान तनाव, एक नजर
गौरतलब है कि भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हमला किया। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहुलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसका भारत ने करारा जवाब दिया। दोनों देशों के बीच चार दिन तक ड्रोन और मिसाइल हमले हुए। अंततः 10 मई को भारत और पाकिस्तान ने पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम पर सहमति जताई। उसी दिन ट्रंप ने एलान किया कि अमेरिका की मध्यस्थता से दोनों देशों के बीच यह समझौता हुआ।

गांव से निकली मां-बेटी की जोड़ी कान के रेड कार्पेट पर पहुंची, जानें बांस-बरगद से क्या है कनेक्शन

आराध्य त्रिपाठी

दुनिया के प्रतिष्ठित कान फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें दुनियाभर के तमाम सेलेब्स हिस्सा ले रहे हैं और अपने फैशन व लुक से जलवा बिखेर रहे हैं। इस बीच कान में एक मां-बेटी की जोड़ी चर्चा का विषय बन गई है। सबसे बड़ी बात कि ये जोड़ी किन्हीं फिल्मी सितारों की जोड़ी नहीं हैं, फिर भी कान की रेड कार्पेट पर उतरते ही मां-बेटी की ये जोड़ी वायरल है और हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है।

उद्यमी है मां-बेटी की जोड़ी : यह जोड़ी है असम की रहने वालीं उर्मिमाला बरुआ और उनकी बेटी स्निग्धा बरुआ की। उर्मिमाला एक एंटरप्रेन्योर हैं और उनकी बेटी स्निग्धा बरुआ अपनी मां की कंपनी की को-फाउंडर हैं। मां-बेटी की यह जोड़ी असम के गांव से निकलकर अब कान के मंच पर पहुंची है। जहां इस जोड़ी ने अपने लुक से खासी चर्चा बटोरी है। मां-बेटी की इस जोड़ी ने कान में भी असम के कल्चर और अपनी संस्कृति को दिखाया है।

बरगद और बांस के पेड़ों से प्रेरित है मां-बेटी की ड्रेस : इस जोड़ी ने अपनी ड्रेस के जरिए असमिया संस्कृति का ख्याल रखा है। उर्मिमाला बरुआ की ड्रेस सबसे प्राचीन माने जाने वाले पेड़ बरगद को दिखाती है। इस ड्रेस की प्रेरणा वहीं से ली गई है। जो कनेक्शन, ताकत और मानवता की जड़ों का प्रतीक है। जबकि स्निग्धा की ड्रेस की प्रेरणा बांस के पेड़ से ली गई है। जो असमिया संस्कृति को दिखाती है। बांस के पंखों से तैयार यह ड्रेस असम की संस्कृति और विरासत की सुंदरता को एक ट्रिब्यूट है।

देश में कई जगह भारी बारिश, घरों में पानी... सड़कें बंद, महाराष्ट्र-कर्नाटक में तबाही, दहलीज पर मानसून

ज्योति भास्कर

भीषण गर्मी के बीच अचानक बदले मौसम और बारिश के कारण लोगों को बढ़ते तापमान से राहत तो मिली, लेकिन बारिश का कहर भी दिखा। घरों में पानी घुसने और सड़कें बंद होने की तस्वीरें हालात बयां कर रही हैं। दिल्ली-ठउफ समेत कई राज्यों में बिजली के खंभे और पेड़ गिरने से जानमाल का नुकसान हुआ है। कई जगहों पर दिन में रात जैसा नजारा दिखा। मौसम विभाग के मुताबिक अगले हफ्ते दस्तक देने जा रहा मानसून दहलीज पर खड़ा है।

आंधी तूफान के साथ भारी बारिश का दौर जारी : अगले चार से पांच दिनों के दौरान केरल में मानसून के दस्तक देने की संभावना है। लेकिन मानसून के पहुंचने से पहले पश्चिमी घाट के कुछ हिस्सों, कर्नाटक से लेकर महाराष्ट्र के कई इलाकों में आंधी तूफान के साथ भारी बारिश का दौर जारी है। पालघर जिले के नाला सोपारा में भारी बारिश के कारण एक घर का छज्जा गिर गया, जिसमें दो लोगों को बचा लिया गया। पश्चिमी हिमालयी राज्य हिमाचल प्रदेश में सुबह धूप खिली तो दोपहर के बाद भारी बारिश और ओलावृष्टि के चलते अंधेरा छा गया। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर, पश्चिम और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई।

जलभराव के कारण सड़कें बंद, बिजली भी गुल : भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि कर्नाटक और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में मानसून से पहले की बारिश हो रही है। पुणे और बंगलूरू जैसे प्रमुख शहरों में भारी बारिश में जलभराव के कारण सड़कें बंद हो गई हैं। कई घरों में अब भी बारिश का पानी घुसा हुआ है। कई जगह पेड़ गिरने से रास्ते बंद हैं तो बिजली भी गुल है।

वज्रपात और भारी वर्षा का पूर्वानुमान : कर्नाटक के तटीय और घाटी क्षेत्रों में 204.5 मिमी से अधिक वर्षा की संभावना जताई गई है। असम, मेघालय, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र और उत्तरी कर्नाटक के कुछ क्षेत्रों में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, साथ ही वज्रपात और भारी वर्षा भी संभावित है और 204.4 मिमी तक बारिश हो सकती है।

इन राज्यों में बिगड़ेगा मौसम : आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंड, मराठवाड़ा, नगालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कई हिस्सों में भी गरज-चमक के साथ 64.5 से 115.5 मिमी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार समुद्र तल से औसतन 1.5 किमी ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है और एक पश्चिम पूर्व ट्रफ लाइन मध्य पाकिस्तान से शुरू होकर राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल होते हुए उत्तरी बांग्लादेश तक फैली हुई है।

आंधी-तूफान और ओलावृष्टि की भी आशंका : इस ट्रफ के प्रभाव से 21 से 26 मई के बीच पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 30-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं, बिजली चमकने और हल्की बारिश की संभावना है। उत्तराखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान और ओलावृष्टि की भी आशंका जताई गई है।

उत्तर-पश्चिम व मध्य भारत में गर्मी का सितम : जहां दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत में मानसून की हलचल दिख रही है, वहीं उत्तर पश्चिम तथा मध्य भारत के एक बड़े हिस्से में भीषण गर्मी और लू से लोग परेशान हैं। मौसम विभाग ने चेताया है कि अगले दो से तीन दिनों तक पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दक्षिण हरियाणा, पंजाब, पूर्वी महाराष्ट्र और राजस्थान के कई क्षेत्रों में लू का प्रकोप बना रहेगा। राजस्थान और ओडिशा के कुछ हिस्सों में रात के समय भी गर्म हवाएं चलने से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

6 दिन पहले दस्तक दे सकता है मानसून, 16 साल बाद होगा ऐसा : मौसम विभाग के अनुसार केरल में आमतौर पर मानसून 1 जून को आता है, लेकिन इस साल 26 मई के आसपास आने की संभावना है, जो सामान्य तारीख से करीब छह दिन पहले है। यह 2009 के बाद पहला मौका हो सकता है जब मानसून इतनी जल्दी केरल में दस्तक देगा।

अब इन राज्यों की तरफ बढ़ेगा मानसून : इस बीच 22 मई से दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण अरब सागर के कुछ और हिस्सों, मालदीव और कोमोरिन क्षेत्र के बाकी इलाकों, लक्षद्वीप, केरल, तमिलनाडु के कुछ हिस्सों, दक्षिण और मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

डीसी ने सांसद निधि, विधायक निधि योजना की प्रगति के कार्यों की समीक्षा की

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सांसद निधि योजना एवं विधायक निधि योजना में लंबित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा लंबित डी.सी विपत्र पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि उक्त सभी फंड विकास कार्यों के क्रियान्वयन से जुड़ी हैं जिसमें कार्यों के गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखें तथा जो कार्य अपूर्ण है उनमें कार्य कराते हुए ससमय कार्य पूर्ण करायें। विधायक निधि एवं सांसद निधि अंतर्गत पूर्ण हुए कार्यों की डीसी बिल एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र को जल्द से जल्द जमा करने का निर्देश दिया गया। बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए, जिला पंचायत राज पदाधिकारी एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

अजहर ने सुनी ग्रामीणों की समस्या कई गंभीर समस्याओं का हुआ ऑन द स्पॉट समाधान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ बुधवार को सदर प्रखंड अंतर्गत चाच्की पंचायत संग्रामपुर पंचायत, अब्दुल कलाम आजाद चौक, कालिकापुर समेत कई गांवों से बड़ी संख्या में लोग पूर्व एनडीए प्रत्याशी सह समाजसेवी अजहर इस्लाम के आवास पर पहुंचे। लोगों ने बिजली, सड़क, पानी और राशन जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं।अजहर इस्लाम ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही कई मामलों का समाधान करवाया। वहीं, शेष मुद्दों को संबंधित विभागों तक पहुंचाने और जल्द हल कराने का भरोसा दिलाया।उन्होंने कहा, ह्लजनता की उम्मीदों पर खरा उतरना मेरा फर्ज है। हम मिलकर हर समस्या का हल निकालेंगे। आपके सहयोग और विश्वास के लिए धन्यवाद।लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों का इस तरह आम लोगों के बीच जाकर संवाद करना सराहनीय है। इससे न सिर्फ जनता को भरोसा मिलता है, बल्कि प्रशासन भी सक्रिय होता है।अजहर इस्लाम ने यह भी स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में वह क्षेत्र के अन्य पंचायतों का दौरा कर जमीनी हालात की समीक्षा करेंगे और समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल कराने की दिशा में काम करेंगे।

नगर परिषद क्षेत्र में चलाया गया अतिक्रमण मुक्त अभियान

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत कार्यपालक पदाधिकारी के निदेर्शानुसार नगर में फूटपाथ पर अतिक्रमण कर अवैध रूप से फल और सब्जी बेचने वालों एवं अन्य दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है, यह अभियान शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने एवं आम नागरिकों को हो रही असुविधा को दूर करने के उद्देश्य से अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी के नेतृत्व में एन्फोर्समेंट टीम ने बुधवार को शहर के मुख्य बाजार, टिंनबांग्ला, हॉटपाड़ा और रेलवे स्टेशन क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान सड़क किनारे और फूटपाथ पर अवैध रूप से लगाए गए ठेले, टेबल और दुकानें हटाई गईं, एवं ऑन द स्पॉट नियमों का उल्लंघन करने वालों से 100 रुपए से 200 रुपए तक का जुमार्ना वसूला गया। अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी दी गई कि यदि वे दोबारा फूटपाथ पर दुकानदारी करते पाए गए, तो उनके खिलाफ जुमार्ना वसूलते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया, ₹पैदल चलने वालों के लिए फूटपाथ बनाए गए हैं, ना कि व्यापार करने के लिए। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यह अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।₹ स्थानीय लोगों ने नगर परिषद की इस कार्रवाई का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि इससे शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार होगी.

आंधी बारिश ने मचायी तबाही, घर के एसबेस्टस उड़े, अंचलाधिकारी को दिया आवेदन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

मोहनपुरः बुधवार का दिन प्रकृति के कहर बरपाने का दिन रहा, जिले के सभी क्षेत्र में आंधी बारिश जमकर तबाही मचायी है। क्षेत्र में कई मकान व झोपड़ियां गिर गयी है। तेज आंधी वह बारिश से मोरने पंचायत के लतासारे गांव में बीना देवी का घर का पूरा एसलबेस्ट हवा में उड़ा ले गया। जिससे वह सहित पूरा परिवार बेघर हो गए हैं। गरीब के सक्षम रहने का ठिकाना भी नहीं बचा है। इसको लेकर गुरुवार को मोहनपुर अंचलाधिकारी को आवेदन देकर घर की जांच पड़ताल करते हुए उचित मुआवजा देने की मांग की है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में साप्ताहिक (गुरुवार) जनता दरबार का किया गया आयोजन

जनता दरबार के माध्यम से उपायुक्त ने किया ऑन द स्पॉट कई समस्याओं का समाधान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

जिलावासियों के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर द्वारा उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, अनुकम्पा, मुख्यमंत्री मंईंया सम्मान योजना, जाति व दिव्यांग प्रमाण पत्र, जमीन विवाद, घर विवाद, नियुक्ति से संबंधित, नगर निगम, भू-राजस्व, पेंशन, अतिक्रमण, रसीद व लगान से संबंधित मामले को उपायुक्त के समक्ष रखा। साथ ही उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान कुल 38 लोगों के आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त श्री विशाल सागर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े शब्दों में निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित

कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

उपायुक्त ने ऑन द स्पॉट विभिन्न मामलों का किया निराकरण.

जनता दरबार के दौरान उपायुक्त ने करौं प्रखण्ड के पथरौल थाना क्षेत्र से जुड़े मामले में आवेदक के आवेदन पर कार्रवाई करने का निदेश संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को दिया। साथ ही अनुकम्पा से नौकरी लेने के पश्चात परिवार का भरण पोषण न करने से जुड़े मामले को संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारी को आवश्यक जांच करते हुए जांच करने का निर्देश दिया। इसके अलावे भूमि व घर विवाद से जुड़े मामले में उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी देवघर को जांच करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का निदेश दिया। साथ ही नियुक्ति से संबंधित पुराने मामले में उपायुक्त ने अपर समाहर्ता देवघर को आवश्यक जांच करते हुए प्रतिवेदन उपायुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराने का निदेश दिया। आगे उपायुक्त ने पारिश्रमिक भुगतान से संबंधित मामले को संज्ञान में लेते हुए संबंधित एजेंसी को नियमानुसार पारिश्रमिक भुगतान करने का निदेश दिया। साथ ही उपायुक्त ने नगर निगम क्षेत्र अन्तर्गत जून पोखर के सफाई को लेकर नगर आयुक्त को आवश्यक निदेश दिया। वहीं सारठ प्रखण्ड के किडनी बीमारी से ग्रसित व्यक्ति को मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना से जोड़ने का निदेश सिविल सर्जन को दिया। आगे मुख्यमंत्री मंईंया सम्मान योजना के लाभ से वंचित महिलाओं को ऑन द स्पॉट योजना से जोड़ा गया। *इस दौरान उपरोक्त के अलावे* जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, कार्यपालक दण्डाधिकारी ओम प्रियदर्शी, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, डीएमएफटी की टीम आदि उपस्थित थे

उद्यमिता पंजीकरण सह जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ उद्योग विभाग, झारखंड सरकार एवं झारखंड औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम द्वारा एमएसएमई के प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विश्व बैंक समर्थित रैंप कार्यक्रम के तहत आज गुरूवार को जिला उद्योग कार्यालय पाकुड़ परिसर में उद्यमिता पंजीकरण सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य एमएसएमई को औपचारिक रूप देना, उद्यमिता पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाना और उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी देना था। शिविर के दौरान 10 उद्यमियों ने ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन करवाया, जिससे जिले में औपचारिक एमएसएमई इकाइयों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र पाकुड़ रविंद्र दास ने कहा कि शिविर का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के पंजीकरण को बढ़ावा देना और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना। इस अवसर पर ईओडीबी मैनेजर, डीआईसी सहिबगंज चंद्रशेखर शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। गौरतलब है कि एमएसएमई मंत्रालय द्वारा राज्य को रैंप कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 19 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनमें से दो परियोजनाओं एमएसएमई औपचारिककरण और सुविधा केंद्रों की स्थापना को राज्य रैंप समिति ने मंजूरी दी थी। ईओडीबी मैनेजर को इन परियोजनाओं के जिला स्तरीय क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पायुक्त ने राष्ट्रीय पथ निर्माण परियोजना NH 333A में जमीन अधिग्रहण वाले रैयतों को मुआवजा भुगतान को लेकर बैठक की

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला भू अर्जन कार्यालय अंतर्गत राष्ट्रीय सड़क निर्माण परियोजना में जमीन अधिग्रहण वाले रैयतों को लंबित मुआवजा भुगतान हेतु समीक्षा की गई। बैठक में ठल्र 333अ अंतर्गत शिमलोंग धरमपुर मोड़ पथ 06 जून तक 3 मौजा का 3ऊप्रकाशित करने तथा शेष 4 मौजा का 3ऊ घोषणा हेतु ठल्र डिवीजन देवघर को भेजने का निर्देश दिया गया। जिला भू अर्जन पदाधिकारी को 9.5 करोड़ भुगतान हेतु राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल देवघर को वाउचर भेजने का निर्देश दिया गया। अंचल हिरणपुर अंतर्गत देवपुर एवं हिरणपुर खास का तथा अंचल लिट्टीपाड़ा के करियोडीह तथा रोडगो का बैठक कर रैयतों का समस्या समाधान करने का निर्देश दिया गया। शहरकोल प्यादापुर बायपास पथ के 4 मौजों का नोटिस निर्गत करने तथा अधिक से अधिक रैयतों का भुगतान करने का निर्देश दिया गया। इसी प्रकार से छोटा मोहनपुर, टेसो हटिया रामपुर एवं ठल्र 333अ अंतर्गत संबंधित मौजों के संबंधित अंचलाधिकारी को यथाशीघ्र खेसरा सत्यापन कर भू अर्जन कार्यालय को सौंपने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, पाकुड़ अंचलाधिकारी भागीरथ महतो एवं संबंधित अंचल के अंचल निरीक्षक, कार्यालय कर्मी देवेंद्र प्रसाद सिंह, जगजीत कुमार भद्र, मिथुन कुमार आदि उपस्थित थे।

सब जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में जिले के तीन खिलाड़ी होंगे शामिल

साहेबगंज के ऋषि, सोनू और सत्यम चंडीगढ़ के लिए हुए रवाना

साहिबगंजः भारतीय कुश्ती संघ एवं चंडीगढ़ कुश्ती संघ के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 25 से 27 मई तक चंडीगढ़ के पलवल शहर में आयोजित अंडर-17 सब जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में जिले के तीन होनहार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। फूलो-झानो इनडोर स्टेडियम, साहेबगंज में संचालित खेलो इंडिया कुश्ती प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षु ऋषि चौधरी (फ्री स्टाइल 45 किलो वर्ग), सोनू कुमार (फ्री स्टाइल 60 किलो वर्ग) एवं सत्यम चौधरी (ग्रीको-रोमन 65 किलो वर्ग) का चयन झारखंड टीम में किया गया है। तीनों खिलाड़ी चंडीगढ़ के पलवल शहर के लिए रवाना हो चुके हैं।इस अवसर पर जिला खेल कार्यालय में जिला खेल पदाधिकारी पंकज कुमार झा ने तीनों खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।जिले से चयनित तीनों कुश्ती खिलाड़ियों को जे.ओ.ए सदस्य राजेश यादव, कल्याण श्रीवास्तव, माधव चंद्र घोष, संतोष उर्फ टिंकू, कोच योगेश यादव, अशोक साहनी, जिला कुश्ती संघ की सचिव नमिता कुमारी, खेलो इंडिया कुश्ती कोच प्रकाश सिंह बादल, खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी, गौतम झा, गौरव झा समेत जिलेवासियों ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

समाज सेवी मोहम्मद खालिद को कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का राँची जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मांडर प्रखंड के लोयो निवासी समाजसेवी मोहम्मद खालिद को कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का रांची जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है पूर्व मंत्री बंधु तिर्की कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रदेश अध्यक्ष मंजूर अंसारी के हाथों मनोनयन पत्र देकर मोहम्मद खालिद को जिला उपाध्यक्ष का पद से नवाजा गया उपाध्यक्ष पद की जिम्मेवारी मिलने के बाद मोहम्मद खालिद ने केंद्रीय नेतृत्व के साथ प्रदेश नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश प्रदेश अल्पसंख्यक अध्यक्ष मंजूर अंसारी मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की पूर्व मंत्री बंधु तिर्की जिला अध्यक्ष समीम अंसारी के साथ संगठन के सभी पदाधिकारी का हृदय से आभार प्रकट किया और कहा कि जो जिम्मेदारी जिस विश्वास के साथ कांग्रेस नेतृत्व ने मुझे सौपा है हमारा प्रयास होगा के संगठन के मजबूती के लिए हर संभव कार्य किया जा सके!

ब्रह्मर्षि सेवा अभियान द्वारा राष्ट्रवादी किसान संगठन के सुप्रीमो ब्रह्मेश्वर मुखिया की मनाई जाएगी जयंती

गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए।

अरवल जिला अंतर्गत ग्राम चौरम मे राष्ट्रीय ब्रम्हर्षि सेवा अभियान के सानिध्य मे एक बैठक आहूत हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रदेस अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने किया ' इस बैठक में सेवा अभियान के सचिव महेश शर्मा,कोषाध्यक्ष संजय कुमार ,गया जिला अध्यक्ष अजय शर्मा,मीडिया प्रभारी नंद शर्मा,शंभू शर्मा,पिंटू शर्मा, मंटु शर्मा,सत्येंद्र शर्मा,धर्मा शर्मा,अरुण शर्मा,ललन शर्मा, ब्रजेश शर्मा,धनंजय शर्मा,एवं काफी संख्या में अन्य ग्रामीण लोगों कि सहभागिता रहीं ' इस आयोजन की प्रासंगिकता के बारे में पूछे जाने पर नंद शर्मा ने बताया कि पूरे देश दुनिया के किसी भी शहर या गाँव में रहने वाले सभी भूमिहार ब्रह्मेश्वर मुखिया जी के प्रति काफी प्रेम आदर सम्मान की भाव रखते थे और मुखिया जी जैसा वीर योद्धा पर गर्व करते थे क्योंकि मुखिया जी का जो भी दुःख दर्द था वो भूमिहार समाज की भावनाओं का दर्द था। आज कोई भी भूमिहार हो वो उस राह के मात्र परछाई भर है,जो राह पूरे भूमिहार को एकजुट करके मुखिया जी ने बनाया था। ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के जिला अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि आगामी एक जून को वीर ब्रम्हहेस्वर मुखिया जी की बृहत रूप से शहादत दिवस मनाया जाए इस पर सर्व सम्मति से बैठक में निर्णय लिया गया। जिसमें सभी अतिथियों के लिए ब्रम्हर्षि भोजन की व्यवस्था की गई है ' अतः सभी ब्रम्हर्षि परिवार से आग्रह है कि सुबह नौ बजे चौरम कार्यक्रम स्थल पर अवश्य पधारें एवं मुखिया जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करें। ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के राष्ट्रीय सचिव महेश शर्मा,बेलागंज ने भी लोगों से इस कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया है ताकि इस कार्यक्रम की भव्यता में चार चांद लगाया जा सके।

झारखंड में जल आयोग के गठन का निर्णय स्वागत योग्यः संजय भारद्वाज

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघरःराजद प्रदेश सचिव शाह पूर्व प्रत्याशी मधुपुर विधानसभा संजय भारद्वाज ने झारखंड में जल आयोग के गठन की मंजूरी का स्वागत किया है।गुरुवार को झारखंड कैबिनेट द्वारा कल 10 प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट के सम्मुख राज्य के समेकित विकास हेतु रिवर बेसिनों में जल की उपलब्धता, विकास, बहुआयामी उपयोग सुनिश्चित करने और जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन के उद्देश्य से प्रथम झारखंड राज्य जल आयोग गठित किए जाने का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया था जिसे स्वीकृति प्रदान की गई है । राजद नेता ने कहा कि राज्य में भूमिगत जल की लेयर काफी नीचे चली गई है। भीषण गर्मी और एल के थपेड़ों के बीच आमजन पानी के लिए परेशान है। राज्य लगातार सूखे की समस्या के कारण मरुस्थलीकरण का शिकार हो रहा है। इन समस्याओं को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा सुबह के दूरगामी हित में लिया गया यह निर्णय स्वागत योग्य है। भारद्वाज ने इस महत्वपूर्ण और दूरगामी निर्णय के लिए महागठबंधन सरकार विशेष कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

गुप्ता धाम को धार्मिक एवं इको टूरिज्म के रूप में विकसित किया जाए-डॉ सुरेश पासवान

रिपोर्ट -प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद / रोहतास बिहार सरकार के पूर्व पर्यटन मंत्री एवं प्रदेश उपाध्यक्ष राष्ट्रीय जनता दल डॉक्टर सुरेश पासवान ने बिगत दिनों गुप्ता धाम की यात्रा किया और महसूस किया कि रोहतास जिला अंतर्गत पौराणिक गुप्ता धाम को पर्यटन के मानचित्र में शामिल करते हुए धार्मिक एवं ईको टूरिज्म के प्लान से विकसित किया जाना चाहिए । क्योंकि यह स्थल चारों तरफ से वनों ,पहाड़ों एवं झरनो के बीचों-बीच स्थित है जहाँ प्राकृतिक सौंदर्य की मनोरम दृश्य देखते ही बनता है । वास्तव में इस स्थल को विकसित किया जाए तो शिमला एवं कश्मीर की वादियों जैसा आकर्षक बन जाएगा और सैलानियों का सालो भर ताँता लगा रहेगा जिससे राज्य के राजस्व में भी भारी इजाफा होगा ।जो भी बिहार में सैलानियों का आगमन होगा वे एक बार जरूर गुप्ता धाम की वादियों में जाकर ईको पर्यटन और धार्मिक स्थलों का दर्शन करना न भूलेंगे। डॉक्टर पासवान ने कहा है कि कर्मचट डैम से गुप्ता धाम तक अच्छी सड़क का निर्माण ,सुरक्षा व्यवस्था,बिजली व्यवस्था तथा जगह जगह पर मार्गीय सुविधा जैसे कैफेटेरिया,सार्वजनिक शौचालय इत्यादि का निर्माण मात्र से ही सैलानियों का ताँता लगा रहेगा इसके लिए बन एवं पर्यावरण विभाग के साथ कोऑर्डिनेशन बनाकर के इको-टूरिज्म.और धार्मिक टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा सकता है।

एनडीपीएस कोर्ट ने मादक पदार्थ तस्कर को दोषी करार दिया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- व्यवहार न्यायालय में जिला जज प्रथम सह विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस कोर्ट इसरार अहमद ने बारूण थाना कांड संख्या -117/22, जी. आर-13/22 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए एक मात्र काराधिन अभियुक्त को मादक पदार्थ तस्करी में दोषी ठहराया है, स्पेशल पीपी परवेज अख्तर ने बताया कि अभियुक्त बलजीत सिंह पावरझांगी गुरदासपुर पंजाब को एनडीपीएस एक्ट के विभिन्न धाराओं में आज दोषी करार दिया है और सजा के बिन्दु पर सुनवाई के तिथि -31/05/25 निर्धारित किया गया है, अभियुक्त घटना के समय से ही जेल में बंद हैं उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय से जमानत नहीं मिली है, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि बारूण थाना को गुप्त सूचना मिली थी कि जोगीया एन एच टु पर खालसा लाइन होटल संचालक बलजीत सिंह मादक पदार्थ बेचता है, सूचना के सत्यता जांच के लिए बारूण थाना के टीम द्वारा होटल पर 25/03/22 को छापेमारी किया गया, तलाशी के दौरान 29 किलो डोडा चूरा,पोश्ता,सुखा,टिकीया, कैप्सूल के साथ बलजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया था, अभियोजन के पक्ष में 08 गवाही हुई थी,

पृथ्वीराज चौहान जयंती समारोह पर एक जून को विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय की महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक ब्लॉक मोड स्थित पृथ्वीराज चौहान स्मृति स्थल के प्रांगण में आयोजित की गई। ट्रस्ट अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह के अध्यक्षता में आयोजित बैठक का संचालन सचिव स्वर्णजीत कुमार सिंह द्वारा किया गया ।मासिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सचिव ने गत बैठक की संपुष्टि की और आगामी 1 जून को वीर शिरोमणि,सनातन संस्कृति के रक्षक पृथ्वीराज चौहान जयंती समारोह धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह द्वारा मासिक आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया ।जयंती समारोह धूमधाम से मनाने वास्ते उपाध्यक्ष डॉ संजीव रंजन के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया गया ।जयंती समारोह के मौके पर विचार गोष्ठी,विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया ।साथ ही साथ जयंती आयोजन के पूर्व उप समिति के बैठक में अन्य कार्यक्रमों की भी रूपरेखा तय की जाएगी मौके पर वरीय सदस्य जगदीश सिंह,रामप्रवेश सिंह,पूर्व मुखिया सत्येंद्र नारायण सिंह,शिक्षक संघ के नेता रामभजन सिंह,संजय कुमार सिंह,रंजीत कुमार सिंह,शैलेंद्र सिंह,सरपंच संघ के प्रांतीय पदाधिकारी रविंद्र कुमार सिंह,भीम कुमार सिंह,मनोज कुमार सिंह,जयंत प्रकाश,सुरेश विद्यार्थी सहित अन्य उपस्थित थे।

गोह पुलिस ने 30 लीटर महुआ शराब किया बरामद

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद) गोह थानाक्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। थानाक्षेत्र के पहाड़ीपुर से फतेहपुर जाने वाली सड़क पर स्थित पुल के पास से पुलिस ने तीस लीटर महुआ शराब बरामद किया है।

इस मामले में गोह थाना कांड संख्या 174/24 के तहत एफआईआर दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ छापेमारी जारी रहेगी और किसी भी हाल में उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि प्रशासन इस तरह की कार्रवाई लगातार करता रहेगा।

प्रधानमंत्री ने देशभर में 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का वर्चुअली उद्घाटन किया

हयबरगाँव रेलवे स्टेशन बना पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे का पहला अमृत स्टेशन

मालीगांव,

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान में आयोजित एक केंद्रीय कार्यक्रम के दौरान देश भर में 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशनों का उद्घाटन किया। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भारतीय रेलवे के परिवर्तन में एक महत्वपूर्ण कदम है। 103 स्टेशनों में से असम का हयबरगाँव रेलवे स्टेशन, पू. सी. रेलवे जोन का पहला और एकमात्र स्टेशन है, जो इस ऐतिहासिक उद्घाटन समारोह का हिस्सा बना। यह महत्वपूर्ण बुनियादी संरचना के आधुनिकीकरण और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाया जाना विकसित भारत के निर्माण के प्रति भारत सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हयबरगाँव स्टेशन का उद्घाटन, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 26,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करने के एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का हिस्सा था, जो भारत के तेजी से बढ़ते बुनियादी ढांचे के विकास को दशार्ता है। पिछले 11 वर्षों के परिवर्तन पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री ने आज भारतीय रेलवे की तेज प्रगति पर प्रकाश डाला, जिसमें वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेनें शामिल हैं और लगभग 70 वंदे भारत मार्ग देश भर में कनेक्टिविटी को बढ़ाते हैं। राजस्थान में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव भी उपस्थित थे। 34,000 किलोमीटर से अधिक नई रेल पटरियाँ बिछाई गई हैं, ब्रॉड गेज लाइनों पर मानव रहित लेवल क्रॉसिंग को समाप्त कर

दिया गया है और 100% विद्युतीकरण का काम चल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1,300 से अधिक स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिनमें से 100 से अधिक का निर्माण क्षेत्रीय विरासत को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ एकीकृत करते हुए पूरा हुआ है। पुनर्विकसित हयबरगाँव स्टेशन को न केवल एक पारगमन बिंदु के रूप में, बल्कि एक जीवंत शहर के केंद्र के रूप में सेवा देने के उद्धेश्य से डिजाइन किया गया है। यह स्टेशन दिव्यांगजनों के अनुकूल सुविधाओं सहित विश्व स्तरीय यात्री सुविधाओं की एक श्रृंखला से सुसज्जित है। स्टेशन का वास्तुशिल्प डिजाइन ह्लविरासत भी विकास भीह्व के सिद्धांत को दशार्ता है, जिसमें आधुनिक उपयोगिता को स्थानीय असमिया संस्कृति और विरासत के सार के साथ मिश्रित किया गया है। इस उद्घाटन समारोह में असम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य; असम के राजस्व, आपदा प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान, तकनीकी और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केशव महंत और केंद्रीय विदेश मामले एवं कपड़ा राज्य मंत्री श्री पबित्रा मार्गेरिटा की गरिमामयी उपस्थिति थी। हयबरगाँव में आयोजित इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में जाने-माने गणमान्य व्यक्तियों के साथ पू. सी. रेलवे के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। स्थानीय सांसद और विधायक ने भी इस उल्लेखनीय कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उनलोगों की भागीदारी ने असम राज्य और पूरे पू. सी. रेलवे क्षेत्र के लिए इस विकास के रणनीतिक महत्व की प्रामाणिकता पेश की। प्रधानमंत्री के परिवर्तनकारी विजन और नेतृत्व के लिए पू. सी. रेलवे उनका हार्दिक आभार प्रकट करता है, जो भारतीय रेलवे को बुनियादी ढांचे और यात्री सेवा परिवर्तन में वैश्विक बेंचमार्क बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हयबरगाँव अमृत स्टेशन का सफल पुनर्विकास आधुनिक, सुलभ और समावेशी रेल सेवाएं प्रदान करने के प्रति पू. सी. रेलवे के समर्पण का प्रमाण है, जो नए भारत की आकांक्षाओं के अनुरूप है।

रेल से जुड़े विभिन्न समस्याओं को लेकर करणी सेना की ओर से रेलमंत्री को सौंपा जाएगा ज्ञापन

दिव्य दिनकर जिला संवाददाता काजल गुप्ता

मुंगेर। भारत सरकार के रेल मंत्री मुंगेर जिला के जमालपुर में आगमन पर श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना की ओर से रेलमंत्री के समक्ष जमालपुर एवं मुंगेर के रेल यात्रियों से जुड़े विभिन्न समस्याओं को रखा जाएगा। करणी सेना के जिला अध्यक्ष रमन कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रदेश उपाध्यक्ष रामकुमार सिंह, जिला महासचिव टप्पू सिंह, स्वाति सिंह, रणधीर सिंह, संतोष सिंह एवं पवन सिंह सभी मिलकर रेल मंत्री को ज्ञापन देंगे। करणी सेना के नेताओं ने कहा कि मुंगेर रेलवे स्टेशन से सुबह 5:00 बजे पटना के लिए एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाए जो सुबह 9:00 बजे तक पटना पहुंच सके। मुंगेर स्टेशन से जमालपुर और किऊल होते हुए दिल्ली के लिए जनसाधारण ट्रेन प्रति दिन मुंगेर से चलाई जानी चाहिए। जिससे खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, लखीसराय के यात्रियों को दिल्ली जाने के लिए सुलभ व्यवस्था हो जाएगी। करणी सेवा के प्रदेश उपाध्यक्ष रामकुमार सिंह ने कहा कि जमालपुर में आगमन के बाद केंद्रीय रेल मंत्री को बताना चाहिए कि जमालपुर में रेलवे विश्वविद्यालय कब खुलेगा। इसकी निश्चित तिथि रेलवे द्वारा जारी होनी चाहिए। रेल मंत्री को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि वाकई रेलवे मंत्रालय जमालपुर में रेलवे विश्वविद्यालय की स्थापना को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण रखना है अथवा यह केवल चुनावी जुमला बनकर रह जाएगा। जमालपुर में प्लेटफार्म की संख्या में कमी होने के कारण ट्रेनों के परिचालन में हो रही परेशानी को दूर करने की दिशा में जमालपुर स्टेशन पर चार अतिरिक्त प्लेटफॉर्म की व्यवस्था कराई जानी चाहिए तथा वाई लेग पर न्यू जमालपुर रेलवे स्टेशन की स्थापना कर वहां से सभी पैसेंजर ट्रेन खोला जाए। मुंगेर रेलवे स्टेशन पर वाटर एटीएम लगाई जाए। वहीं, कल्याणपुर रेलवे स्टेशन पर रिजर्वेशन काउंटर की व्यवस्था हो। मुंगेर रेलवे स्टेशन का राजस्व बढ़ाने के लिए पार्सल बुकिंग की व्यवस्था। ऐतिहासिक रेल इंजन कारखाना जमालपुर को निर्माण कारखाना का दर्जा देकर रेलवे से जुड़े सभी उच्च स्तरीय उपक्रमों के निर्माण के साथ-साथ रेलवे में उपयोग में ले जाने वाले छोटे कल पुर्जे का भी निर्माण कराने की व्यवस्था की जाए। रेल मंत्री के सम्मान में समस्त करणी सेना को आशा और विश्वास है कि रेलमंत्री मुंगेर की जनता को उचित सम्मान देकर सभी मांगों को पूरा करेगी।

बीआरबीसीएल में बालिका सशक्तिकरण अभियान 2025 का शुभारंभ

40 बालिकाओं का पंजीकरण किया गया।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सुप्रसिद्ध विद्युत पावर प्लांट बीआरबीसीएल ने अपनी सीएसआर फ्लैगशिप परियोजना 'बालिका सशक्तिकरण अभियान 2025' का शुभारंभ 22 मई 2025 को आयोजित पंजीकरण कार्यक्रम के साथ किया। इस वर्ष के अभियान के लिए कुल 40 उत्साही बालिकाओं का पंजीकरण किया गया। यह कार्यक्रम एक ऐसे परिवर्तनकारी सफर की शुरूआत है, जिसका उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, कौशल और नेतृत्व विकास के माध्यम से सशक्त बनाना है। यह पहल जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने और एक समावेशी एवं समान भविष्य के निर्माण में बीआरबीसीएल की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

राजनीति का अखाड़ा बना मध्य विद्यालय कोईलवा

शिक्षकों के निलंबन पर भड़के छात्र–ताला जड़कर की नारेबाजी

बीडीओ प्रदीप कुमार चौधरी की पहल पर शांत हुआ मामला, जांच प्रक्रिया पर उठे सवाल।

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)। हसपुरा प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय कोईलवा इन दिनों शिक्षा का मंदिर कम, राजनीति का अखाड़ा अधिक बन गया है। यहां शिक्षकों के दो गुटों के बीच खींचतान और आरोप-प्रत्यारोप के चलते विद्यालय का शैक्षणिक माहौल पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। इसी क्रम में गुरुवार को उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया जब छात्रों को जानकारी मिली कि विद्यालय के चार शिक्षकों पर विभागीय कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया गया है। आक्रोशित छात्रों ने विद्यालय में ताला जड़ दिया और जमकर नारेबाजी की। छात्रों का आरोपः ह्लजो पढ़ाते हैं, उन्हीं पर गिरी गाज

निलंबित शिक्षकों में पुष्पांजलि, बैकुंठ कुमार, शशिकांत कुमार और योगेंद्र प्रसाद शामिल हैं। छात्रों में सुधा कुमारी, गीताजली कुमारी, छाया कुमारी, सोनाली कुमारी सलोनी कुमारी, का कहना है कि यही शिक्षक उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देते थे और बिना सही जांच के इन्हें निलंबित कर दिया गया है। उनका आरोप है कि अन्य शिक्षकों द्वारा गुटबाजी कर षड्यंत्र के तहत इन चारों को फंसाया गया है। छात्रों ने कार्रवाई को वापस लेने की मांग की। आरोप-प्रत्यारोप का दौर, शिक्षकों में बढ़ी दरार बताया जाता है कि एक शिक्षक द्वारा मोबाइल चलाने और सोने की शिकायत औरंगाबाद स्थापना शाखा में कुछ तस्वीरों के साथ की गई थी। शिकायत के आधार पर जांच के बाद चारों शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया। वहीं कुछ ग्रामीणों का आरोप है कि यह शिकायत शिक्षक कुमकुम कुमारी द्वारा की गई थी। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट तौर पर इन आरोपों से इनकार करते हुए इसे बदनाम करने की साजिश करार दिया है।

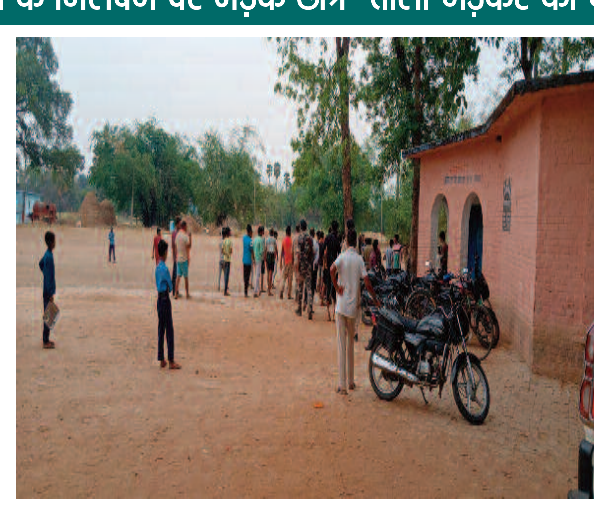

प्रशासन की पहल से थमा विवाद

सूचना मिलते ही हसपुरा थाना के एसआई पवन कुमार, बीईओ और बीडीओ प्रदीप कुमार चौधरी विद्यालय पहुंचे और छात्रों को समझा-बुझाकर शांत कराया। बीडीओ श्री चौधरी ने बताया कि संबंधित शिक्षकों से समय पर स्पष्टीकरण नहीं मिलने के कारण उन्हें निलंबित किया गया है।

शिक्षकों की सफाई: स्पष्टीकरण देने में नहीं हुई देरी

निलंबित शिक्षकों का कहना है कि वे समय पर स्पष्टीकरण देने पहुंचे थे लेकिन विभागीय कार्यालय में उन्हें बार-बार टाल दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना उचित जांच के कार्रवाई की गई और जो शिक्षक वास्तव में लापरवाह हैं, वे कार्रवाई से बच गए।

शिक्षा या सियासत?

मध्य विद्यालय कोईलवा में जिस तरह से शिक्षक गुटबाजी और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति में उलझे हैं, उससे सबसे बड़ा नुकसान बच्चों की शिक्षा को हो रहा है। इस मामले ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या अब गांवों के विद्यालय भी राजनीतिक अखाड़ा बनते जा रहे हैं?

मारपीट के आरोप में बंदेया पुलिस ने दरोगा को किया गिरफ्तार

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)बंदेया पुलिस ने मारपीट के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि झिकटिया गांव निवासी महेंद्र बिंद के पुत्र दरोगा कुमार उर्फ हलेन्द्र कुमार को बंदेया थाना कांड संख्या 50/25 के तहत दर्ज मारपीट के मामले में उसके घर से गिरफ्तार किया गया है। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया जा रहा है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरंतर कार्रवाई जारी है।

औरंगाबाद अंचल मे व्याप्त अराजकता के खिलाफ सदर विधायक आनंद शंकर सिंह ने सीओ पर भड़के

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर विधायक विधायक आनंद शंकर सिंह उस वक्त उग्र हो गए जब दर्जनों की संख्या में स्थानीय लोग अंचल से संबंधित समस्या लेकर विधायक के द्वारा आवास पर आयोजित जनता दरबार में रखी गई फरियादियों की बातें सुनकर सदर विधायक आनंद शंकर जी ने औरंगाबाद के सदर अंचलाधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया तो उनसे संपर्क नहीं हो पाई ! और कई अधिकारियों को फोन करने के बावजूद फरियादियों की समस्या का निराकरण न होता देख सदर विधायक उग्र होगा और उन्होंने इस वक्त फरियादियों के साथ औरंगाबाद के आंचल पर पहुंचकर उपस्थित पदाधिकारी के साथ समस्या का निराकरण करने के लिए सभी पदाधिकारी को अंचल कार्यालय से बाहर धूप में बैठ कर फरियादियों का काम करवाना शुरू कर दिया विधायक की सक्रियता को देखकर वहां पर उपस्थित सभी फरियादी विधायक के पास आ गए और लगभग तीन दर्जन से ज्यादा फरियादियों की समस्याओं के निवारण के लिए आरो और संबंधित अधिकारी को बताया गया विधायक जी के अंचल कार्यालय पर पहुंचते हैं जिले के उपसंहारता एवं एलआरडीसी औरंगाबाद आंचल पहुंचे एवं सभी अधिकारियों को अभिलंब फरियादियों का आवेदन लेने और 20 दिन के अंदर उनके निराकरण करने की बात कह कर सदर विधायक आनंद शंकर जी को सभी आवेदनों के संदर्भ में रिपोर्ट करने की बात कही । औरंगाबाद विधानसभा अंतर्गत दर्जनों ऐसे कार्य योजना है जिनका अनापत्ति प्रमाण पत्र न मिलने के कारण आगे के विकास कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है विधायक ने उन सभी फाइलों को भी अभिलंब ठीक करने के लिए संबंधित पदाधिकारी को कहा गय। सदर विधायक आनंद शंकर सिंह ने कहा कि अगर ब्लॉक अपनी कार्यशैली में बदलाव नहीं लेगी तो मुझे मजबूरन हर सप्ताह में एक दिन औरंगाबाद और देव के अंचल कार्यालय में जनता दरबार लगाना पड़ेगा घूसखोरी बिचौलिए का प्रवेश अंचल कार्यालय में बंद होना चाहिए और आंचल के पदाधिकारी को आम किसान ,जनता के हित में काम करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत एक दिवसीय शिविर का आयोजन बानापीड़ी पंचायत भवन (रातू प्रखंड अंतर्गत) में किया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

रातू - राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु एक दिवसीय शिविर का आयोजन 22 मई को बानापीड़ी पंचायत भवन में किया गया है ,इस में शिविर में राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु 90 वरिष्ट नागरिकों का जांच एवं पंजीकरण किया गया है। इस शिविर में व्हील चेयर,कमोड व्हील चेयर,वॉकिंग स्टीक, कान की मशीन, वॉकर, कमर बेल्ट, घुटना बेल्ट, इत्यादि सहायक उपकरण जांच एवं पंजीकरण के बाद निशुल्क वितरण किया जाएगा, शिविर आयोजनकर्ता सोनी भगत (मुखिया बानापीड़ी पंचायत), गीता देवी (पंचायत समिति सदस्य, बानापीड़ी),अफरोज अंसारी (दिव्यांग समाजसेवी) , सबिहा खातून के द्वारा शिविर आयोजन किया गया है,इस शिविर में दीप्ति आसरा रांची से जाहिद अंसारी, इस शिविर को सफल बनाने में रब्बानी अंसारी ,शमशाद अंसारी, सरवर अंसारी, बिपुल तिवारी,कैलाश बैठा का महत्वपूर्ण सहयोग रहा साथ ही बहुत सारे समाज सेवी उपस्थित थे!

जिला परिषद की समस्याओं को लेकर डिप्टी सीएम से मिली जिप अध्यक्ष

समस्याओं से डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को कराया अवगत, मिला निदान का भरोसा

दिव्य दिनकर सवाददाता

मुंगेरः मुंगेर जिला परिषद की विभिन्न समस्याओं को लेकर साधना देवी तथा मुंगेर सदर प्रखंड के जिला परिषद क्षेत्र संख्या 02 के सदस्य सह जिला परिषद शिक्षा समिति के अध्यक्ष निवास मंडल ने गुरुवार को बिहार सरकार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी से पटना में मुलाकात की. अध्यक्ष साधना देवी तथा निवास मडल सयुंक्त रुप से डिप्टी सीएम को बारीकियां के साथ जिला परिषद की विभिन्न समस्याओं के अलावे जिला परिषद सदस्यों की समस्याओं को भी डिप्टी सीएम श्री चौधरी के समक्ष रखा. सारी समस्याओं को सुनने के बाद श्री चौधरी ने समस्या समाधान का भरोसा दिया.

वोटर आई कार्ड शहरी दस्तावेज का सबसे श्रेठ प्रमाण : अब्दुल्लाह बोखारी

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर। हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं। जिसमें हर नागरिक को वोट देने का पूरा अधिकार है। जिसके लिए वोटर लिस्ट में नाम होना अति आवश्यक है। ये बातें जमीअत उल्मा मुंगेर के सदर अब्दुल्लाह बुखारी साहब ने कही। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में नए नामों को सम्मिलित करने का कार्य शुरू हो चुका है। जिसके लिए भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा 30 मई 2025 तक अंतिम तिथि रखी गई है। मौलाना बुखारी अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि सभी लोग अपने बच्चे एवं बच्चियों, जिनकी उम्र 18 साल हो चुकी है, उनके नामों को वोटर लिस्ट में अवश्य ही सम्मिलित करावें। और 17 साल से ज्यादा उम्र के नौजवान वोटर लिस्ट में नाम दर्ज कराने के लिए अग्रिम आवेदन दे सकते हैं। जिसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन लिया जा रहा है। निर्वाचन आयोग ने रजिस्ट्रेशन फार्म को आम नागरिकों के लिए आसान बनाया है। जिसकी सुविधा से हमें लाभ उठाना चाहिए। ज्ञात हो कि वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने की कोई भी दरख्वास्त अस्वीकर नहीं की जाएगी। आप अपने बीएलओ के द्वारा भी आवेदन कर सकते हे। आप सभी की कोशिश हो कि कोई भी पात्र व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट में सम्मिलित होने से बच न जाय। ये हमारे देश का सर्वश्रेष्ठ नागरिकता का दस्तावेज है। जमीअत उल्मा मुंगेर आपसे अपील करती है कि हर गंभीर व्यक्ति इसके लिए कोशिश करे क्योंकि वोट की ताकत इस प्यारे देश को सजाने, अच्छे नेता को चुनने, न्याय और निष्पक्षता एवं शांती को बहाल करने में सहायक है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के बीकानेर में 26,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण किया

पिछले 11 वर्षों में आधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए अभूतपूर्व गति से काम किया गया हैः प्रधानमंत्री

बीकानेर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज राजस्थान के बीकानेर में 26,000 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास करने के साथ-साथ इन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत किया और ऑनलाइन शामिल हुए 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों की महत्वपूर्ण भागीदारी के प्रति भी आभार प्रकट किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों और अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति का उल्लेख करते हुए देश भर से जुड़े सभी सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों और नागरिकों को अपनी शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने कहा कि वे करणी माता का आशीर्वाद लेकर इस कार्यक्रम में आए हैं। उन्होंने कहा कि ये आशीर्वाद विकसित भारत के निर्माण के राष्ट्र के संकल्प को और मजबूत करते हैं। 26,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का उल्लेख करते हुए उन्होंने देश के विकास को आगे बढ़ाने में इनके महत्व को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने इन परिवर्तनकारी पहलों के लिए नागरिकों को बधाई दी। भारत के बुनियादी ढांचे में हो रहे बदलावों का उल्लेख करते हुए, आधुनिकीकरण के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री ने पिछले 11 वर्षों में सड़कों, हवाई अड्डों, रेलवे और रेलवे स्टेशनों में हुई तीव्र प्रगति की चर्चा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब पिछले वर्षों की तुलना में बुनियादी ढांचे के विकास में छह गुना अधिक निवेश कर रहा है, एक ऐसी प्रगति जिसने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने देश भर में प्रतिष्ठित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की चर्चा करते हुए उत्तर में उल्लेखनीय चिनाब ब्रिज, अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग और पूर्व में असम में बोगीबील ब्रिज का उदाहरण दिया। उन्होंने पश्चिमी भारत में, मुंबई में अटल सेतु का उल्लेख किया जबकि दक्षिण में, उन्होंने भारत के अपनी तरह के पहले पंबन ब्रिज की चर्चा की। अपने रेलवे नेटवर्क को आधुनिक बनाने के भारत के निरंतर प्रयासों पर बल देते हुए श्री मोदी ने देश की नई गति और प्रगति के प्रतीक के रूप में वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रेलों के शुरूआत का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अब लगभग 70 मार्गों पर वंदे भारत रेल चल रही हैं और इनसे दूरदराज के क्षेत्रों में आधुनिक रेल संपर्क स्थापित हो रहा हैं। उन्होंने पिछले 11 वर्षों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की प्रगति की ओर भी ध्यान दिलाया, जिसमें सैकड़ों सड़क ओवरब्रिज और अंडरब्रिज के निर्माण के साथ ही 34,000 किलोमीटर से अधिक नई रेलवे पटरियां बिछाना शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रॉड गेज लाइनों पर मानव रहित लेवल क्रॉसिंग को समाप्त कर दिया गया है, जिससे सुरक्षा में वृद्धि हुई है। श्री मोदी ने कार्गो परिवहन को सुव्यवस्थित करने के लिए समर्पित माल गलियारों के तेजी से विकास और भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना के वर्तमान में जारी निर्माण का भी उल्लेख किया। इन प्रयासों के साथ-साथ, यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आधुनिक रेलवे स्टेशनों का नाम अमृत भारत स्टेशन रखा गया है और ऐसे 100 से अधिक स्टेशनों का निर्माण पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया उपयोगकताओं ने इन स्टेशनों के अद्भुत परिवर्तन को देखा है, जो स्थानीय कला और इतिहास के प्रदर्शन के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने राजस्थान के मंडलगढ़ स्टेशन सहित महत्वपूर्ण उदाहरणों पर चर्चा की जो राजपूत परंपराओं की भव्यता को दशार्ता के साथ-साथ बिहार का थावे स्टेशन, मधुबनी कलाकृति के साथ माँ थावेवाली की पवित्र उपस्थिति को दशार्ता है। मध्य प्रदेश का ओरछा रेलवे स्टेशन भगवान राम के दिव्य सार को दशार्ता है, जबकि श्रीरंगम स्टेशन का डिजाइन श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर से प्रेरणा लेता है। गुजरात का डाकोर स्टेशन रणछोड़राय जी को श्रद्धांजलि देता है, तिरुवन्नामलाई स्टेशन द्रविड़ वास्तुकला सिद्धांतों का पालन करता है और बेगमपेट स्टेशन काकतीय राजवंश की वास्तुकला विरासत का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये अमृत भारत स्टेशन न केवल भारत की हजारों वर्ष पुरानी विरासत को संरक्षित करते हैं, बल्कि राज्यों में पर्यटन विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में भी कार्य करते हैं, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों का सृजन होता है। उन्होंने लोगों से स्टेशनों की स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया क्योंकि वे ही इन बुनियादी ढांचे के असली मालिक हैं। बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश न केवल विकास को गति देता है बल्कि रोजगार के अवसरों का सृजन भी करता है और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देता हैं, इस बिंदु पर चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि खर्च

किए जा रहे हजारों करोड़ रुपये सीधे तौर पर श्रमिकों, दुकानदारों, कारखाने के कर्मचारियों और ट्रक एवं टेम्पो ऑपरेटरों जैसे परिवहन क्षेत्रों से जुड़े लोगों को लाभ पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक बार बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पूरी हो जाने के बाद, लाभ कई गुना बढ़ जाते हैं। किसान अपनी उपज को कम लागत पर बाजारों तक पहुंचा सकते हैं, जिससे बबार्दी कम होती है। अच्छी तरह से विकसित सड़कें और विस्तारित रेलवे नेटवर्क नए उद्योगों को आकर्षित करते हैं और पर्यटन को काफी बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे पर खर्च से अंततः हर घर को लाभ होता है, जिसमें युवा लोग उभरते आर्थिक अवसरों से सबसे अधिक लाभान्वित होते हैं। श्री मोदी ने राजस्थान में जारी बुनियादी ढांचे के विकास से होने वाले लाभों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि गांवों और यहां तक कि सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उच्च गुणवत्तायुक्त सड़कें बनाई जा रही हैं। पिछले 11 वर्षों में, अकेले राजस्थान के सड़क बुनियादी ढांचे में लगभग 70,000 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस वर्ष राज्य में रेलवे विकास पर लगभग 10,000 करोड़ रुपए खर्च करने वाली है, जो 2014 से पहले के स्तर की तुलना में 15 गुना वृद्धि को दशार्ता है। उन्होंने बीकानेर को मुंबई से जोड़ने वाली एक नई ट्रेन को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि इससे कनेक्टिविटी और बेहतर होगी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कई क्षेत्रों में विभिन्न स्वास्थ्य, जल और बिजली परियोजनाओं के शुभारंभ और शिलान्यास पर बल दिया। इन पहलों का उद्देश्य राजस्थान के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों की प्रगति में तेजी लाना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि युवाओं को अपने शहरों और कस्बों में ही आशाजनक रोजगार के अवसर मिलें। केंद्र और राज्य सरकारों के अंतर्गत राजस्थान में तेजी से हो रहे औद्योगिक विकास को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के प्रशासन ने विभिन्न क्षेत्रों में नई औद्योगिक नीतियों का शुभारंभ किया हैं, जिससे बीकानेर जैसे क्षेत्रों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि बीकानेरी भुजिया और बीकानेरी रसगुल्ले अपनी वैश्विक पहचान का विस्तार करेंगे, जिससे राज्य के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को और मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान की रिफाइनरी परियोजना अपने अंतिम चरण में है, जिससे राज्य पेट्रोलियम आधारित उद्योगों के लिए एक प्रमुख केंद्र बन जाएगा। उन्होंने अमृतसर से जामनगर तक छह लेन के आर्थिक गलियारे के महत्व को भी रेखांकित किया, जो श्री गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर और जालौर से होकर गुजरता है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने राजस्थान में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के लगभग पूरा होने की जानकारी देते हुए कहा कि ये कनेक्टिविटी परियोजनाएं राज्य के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी। श्री मोदी ने राजस्थान में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना की त्वरित प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में 40,000 से ज्यादा लोग इस पहल से लाभान्वित हो चुके हैं, जिससे उनके बिजली बिल खत्म हो गए हैं और उन्हें सौर ऊर्जा के माध्यम से आय अर्जित करने का अवसर मिला है। उन्होंने बिजली से जुड़ी कई परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास पर चर्चा करते हुए कहा कि इन विकास कार्यों से राजस्थान की बिजली आपूर्ति में और वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि राज्य में बिजली उत्पादन में वृद्धि औद्योगिक विकास को गति देने में अहम भूमिका निभा रही है। राजस्थान की भूमि के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने रेगिस्तानी इलाकों को उपजाऊ परिदृश्य में बदलने में महाराजा गंगा सिंह के दूरदर्शी प्रयासों को स्मरण किया। उन्होंने क्षेत्र के लिए जल के अत्यधिक महत्व और बीकानेर, श्री गंगानगर, हनुमानगढ़ एवं पश्चिमी राजस्थान जैसे क्षेत्रों के विकास को आगे बढ़ाने में इसकी भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने के साथ-साथ नदियों को जोड़ने की पहल को लागू करने पर सक्रिय रूप से काम कर रही है। उन्होंने पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के प्रभाव को रेखांकित किया, जिससे राजस्थान के कई जिलों को लाभ होगा, किसानों के लिए बेहतर कृषि संभावनाएं सुनिश्चित होंगी और क्षेत्र की स्थिरता बढ़ेगी। राजस्थान की अटूट भावना पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि देश और उसके लोगों से बड़ा कुछ नहीं है। प्रधानमंत्री ने 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की निंदा की, जिसमें हमलावरों ने अपनी आस्था के आधार पर निर्दोष लोगों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि पहलगाम में गोलियां चलाई गईं लेकिन उन्होंने 140 करोड़ भारतीयों के दिलों को घायल कर दिया, जिससे आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्र का संकल्प एकजुट हुआ। प्रधानमंत्री ने भारत के सशस्त्र बलों द्वारा की गई निर्णायक प्रतिक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें पूरी तरह से ऑपरेशनल स्वतंत्रता दी गई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि सावधानीपूर्वक निष्पादित ऑपरेशन में, तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान की सुरक्षा को ध्वस्त करने के लिए सहयोग किया, जिससे उन्हें झुकना पड़ा। प्रधानमंत्री ने बताया कि 22 अप्रैल के हमले के जवाब में, भारत ने 22 मिनट के भीतर ही जवाबी हमला किया जिसमें नौ प्रमुख आतंकवादी ठिकाने नष्ट कर दिए गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कार्रवाई ने यह सिद्ध करते हुए देश की शक्ति का प्रदर्शन किया कि जब पवित्र सिंदूर बारूद में बदल जाता है, तो परिणाम निश्चित होता है। उन्होंने एक महत्वपूर्ण संयोग भी बताया कि पांच वर्ष पहले, बालाकोट हवाई हमले के बाद, उनकी पहली सार्वजनिक रैली राजस्थान में हुई थी। इसी प्रकार, हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी उनकी पहली रैली पुनः राजस्थान के बीकानेर में हो रही है, जो इस भूमि की अदम्य वीरता और देशभक्ति की पुष्टि करती है। श्री मोदी ने चुरू में दिए अपने बयान को याद करते हुए राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराईः ₹इस मिट्टी की सौगंध, मैं देश को गिरने नहीं दूंगा, मैं देश को झुकने नहीं दूंगा।₹ उन्होंने राजस्थान से घोषणा की कि पवित्र सिंदूर को मिटाने का प्रयास करने वालों को धूल में मिला दिया गया है, और जिन्होंने भारत का खून बहाया है, उन्हें अब इसकी पूरी कीमत चुकानी पड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग मानते थे कि भारत चुप रहेगा, वे अब छिप गए हैं, जबकि जो लोग अपने हथियारों के बारे में शेखी बघारते थे, वे अब मलबे के नीचे दबे पड़े हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर बदले की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि न्याय का एक नया रूप था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह केवल आक्रोश की अभिव्यक्ति नहीं थी बल्कि भारत की अटूट शक्ति और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन था। उन्होंने कहा कि राष्ट्र ने एक साहसिक दृष्टिकोण अपनाया है और दुश्मन पर सटीक और निर्णायक हमला किया है। श्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद को कुचलना केवल एक रणनीति नहीं बल्कि एक सिद्धांत है, यह भारत है, यह नया भारत है। आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से स्थापित तीन प्रमुख सिद्धांतों को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने पहले सिद्धांत के बारे बताते हुए कहा कि अब भारत पर किसी भी आतंकवादी हमले का निर्णायक जवाब दिया जाएगा, जिसका समय, तरीका और शर्तें पूरी तरह से भारत के सशस्त्र बलों द्वारा निर्धारित की जाएंगी। दूसरा, उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत परमाणु खतरों से नहीं डरेगा। तीसरा, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अब आतंकवादी मास्टरमाइंड और उन्हें समर्थन देने वाली सरकारों के बीच अंतर नहीं करेगा। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के स्टेट और नॉन स्टेट के बीच के दावे के अंतर को खारिज कर दिया। आतंकवाद को बढ़ावा देने में पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करने के लिए वर्तमान में जारी वैश्विक प्रयासों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और विदेश नीति विशेषज्ञों से युक्त सात अलग-अलग समूह दुनिया के सामने पाकिस्तान का असली चेहरा पेश करने के लिए सक्रिय रूप से अपनी भूमिका निभा रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि पाकिस्तान कभी भी भारत के साथ सीधे टकराव में जीत नहीं सकता। उन्होंने अतीत में पाकिस्तान को बार-बार मिली असफलताओं का जिक्र करते हुए कहा कि खुली लड़ाई में सफल न होने के कारण पाकिस्तान ने लंबे समय से आतंकवाद को भारत के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है, हिंसा का सहारा लिया है और भय का माहौल बनाया है। उन्होंने घोषणा की कि पाकिस्तान ने भारत के संकल्प को कम करके आंका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके नेतृत्व में देश मजबूत और अडिग है। श्री मोदी ने कहा कि भारत पर किसी भी आतंकवादी हमले के गंभीर परिणाम होंगे, जिसकी भारी कीमत पाकिस्तान को चुकानी पड़ेगी और यह उसकी सेना और उसकी अर्थव्यवस्था को भी चुकानी पड़ेगी।

जिला स्तरीय शारदीय (खरीफ) महाभियान-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम 2025-26 का आयोजन किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- मुख्यालय स्थित ब्लॉक मोड़ के नजदीक संयुक्त कृषि भवन के प्रांगण जिला स्तरीय शारदीय (खरीफ) महाभियान-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम 2025-26 कामें जिला स्तरीय शारदीय (खरीफ) महाभियान-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम 2025-26 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उदघाटन अपर समाहर्ता (आपदा), औरंगाबाद, संयुक्त कृषि निदेशक (शष्य), मगध प्रमंडल, गया, जिला कृषि पदाधिकारी, औरंगाबाद, सहायक निदेशक, कृषि अभियंत्रण, औरंगाबाद, सहायक निदेशक, रसायन, औरंगाबाद, सहायक निदेशक, पौधा सरंक्षण, औरंगाबाद, उप परियोजना निदेशक, आत्मा, औरंगाबाद, सहायक निदेशक, (शष्य), भूमि संरक्षण, औरंगाबाद, सहायक निदेशक, पौधा संरक्षण, औरंगाबाद, अनुमण्डल कृषि पदाधिकारी, दाउदनगर, अनुमण्डल कृषि पदाधिकारी, औरंगाबाद एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, सिरीस के वरीय वैज्ञानिक-सह-प्रधान के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। शारदीय (खरीफ) महाभियान का मुख्य उदेश्य खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली फसलों की वैज्ञानिक खेती किसान भाई कैसे करें, ताकि फसलों की उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाई जा सके। जिला कृषि पदाधिकारी, औरंगाबाद के द्वारा बताया गया कि परम्परागत कृषि के अतिरिक्त नई तकनिक आधारित विशेष फसलों पर खेती करने की आवश्यकता है। इसके अलावा कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में दिये जाने वाले अनुदान एवं प्रत्यक्षण राशि के बारे में जिला कृषि पदाधिकारी, औरंगाबाद द्वारा विस्तार से बताया गया कि औरंगाबाद जिले को वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अन्तर्गत 100 क्विं० मक्का बीज का भौतिक लक्ष्य प्राप्त है, उक्त योजना अन्तर्गत खरीफ मौसम में मक्का के क्षेत्र में विस्तार एवं उत्पादन में वृद्धि हेतु 150 रू०/- किलोग्राम या बीज दर का 50

प्रतिशत जो न्यूनतम होगा सहायता दर दिया जायेगा। इसी तरह बेबी कॉर्न का भौतिक लक्ष्य 8 विवं० प्राप्त हुआ है. इस कार्यक्रम अन्तर्गत 750 रु / किलोग्राम अथवा 50 प्रतिशत जो कम हो सहायता दर दिया जायेगा साथ ही इस जिले को स्वीट कॉर्न का 3 क्विं० भौतिक लक्ष्य प्राप्त हुआ है, इस कार्यक्रम अन्तर्गत 2250 रू०/- किलोग्राम अथवा 75 प्रतिशत जो कम हो सहायता दर दिया जायेगा। इन योजनाओं के संचालन से औरंगाबाद जिले के किसानों को मक्का, बेबी कॉर्न एवं स्वीट कॉर्न के उत्पादन में सरकार द्वारा अनुदान राशि उपलब्ध कराये जाने से किसानों को इन फसलों के उत्पादन में वृद्धि करने में सहायता प्रदान करेगा। सहायक निदेशक पौधा संरक्षण द्वारा ड्रोन से कीटनाशी के छिड़काव के बारे में विस्तार से बतायें और सरकार के द्वारा दी जाने वाली अनुदान के बारे में भी बताये। सहायक निदेशक, उद्यान, औरंगाबाद द्वारा बताया गया कि अंजिर, ड्रैगन फुट्टा, केला एवं गेंदा का पौध 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराये जाने की योजना सरकार से प्राप्त है इस योजना का लाभ किसान बन्धु ऑनलाईन बिहार कृषि एप्प या horticulture.bihar.gov.in पर ऑनलाईन कर सकते हैं, ऑन लाईन करने की प्रक्रिया प्रारंभ है। सहायक निदेशक (रसायन), जिला मिट्टी जाँच प्रयोगशाला, औरंगाबाद द्वारा मिट्टी नमूना लेने की प्रक्रिया एवं लक्ष्य तथा प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डाला गया, इनके द्वारा प्राकृतिक खेती के बारे में बताया गया कि औरंगाबाद जिले के सभी प्रखण्ड अन्तर्गत 15 कलस्टर में कुल 750 हेक्टेयर भूमि में प्राकृतिक खेती किया जाना है जिसके लिये कलस्टर का चयन पुरा कर लिया गया है। संयुक्त कृषि निदेशक (शष्य), मगध प्रमंडल, गया के द्वारा फार्मर रजिस्ट्री में इस जिले का मगध प्रमडल में प्रथम स्थान होने के लिये कृषि विभाग, औरंगाबाद को धन्यवाद दिया एवं उनके द्वारा इसी तरह से अन्य योजनाओं के ससमय सम्पादित करने हेतु कृषि विभाग के सभी पदाधिकारीयों एवं कर्मियों को प्रेरित किया। विदित हो कि प्रखण्ड स्तरीय शारदीय (खरीफ) महाभियान-2025 का आयोजन विभिन्न प्रखण्डों में दिनांक 26.05.2025 से 06.06.2025 के बीच निर्धारित है। प्रशिक्षण के अंत में अपर अपर समाहर्ता (आपदा), औरंगाबाद के द्वारा कृषि विभाग के पदाधिकारीयों एवं कर्मियों को किसानों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर काम करने एवं सरकार की योजनाओं को कृक्षकों तक पहुंचाने हेतु प्रेरित किये। शारदीय (खरीफ) महाभियान में प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, कृषि समन्वयक, प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, किसान सलाहकार एवं प्रगतिशील कृषकों द्वारा भाग लिया गया।

आतंकवाद के खिलाफ एकता और भाजपा का पाखंड

>> **विचार**

> **"मर्यादाओं का जानना ज़रूरी है और उनका पालन करना भी। दुर्भाग्य से यह दोनों काम नहीं हो रहे। भाषा का सीधा रिश्ता व्यक्ति की सोच से है। जैसी आपकी सोच होगी, वैसे ही भाषा भी होगी। इसलिए जब हमारा कोई नेता घटिया भाषा बोलता है तो निश्चित रूप से उसकी सोच भी उतनी ही घटिया होती है। चिंता की बात तो यह है कि हमारे नेताओं को अपनी घटिया सोच की कोई चिंता नहीं दिखती। उन्हें यह लगता ही नहीं कि वह कुछ गलत कर रहे हैं। ऐसे में उनसे किसी प्रकार की लोकलाज की अपेक्षा ही कैसे की जा सकती है? अभी हाल में कांग्रेस के एक बड़े नेता प्रधानमंत्री के लिए तू-तड़ाक की भाषा में बात कर रहे थे।"**

राजेंद्र शर्मा

विदेश सेवा के अधिकारियों के मुकाबले, इन सांसदों/राजनीतिक नेताओं का वजन विदेशी मोर्चे पर भी इसीलिए अधिक माना जा रहा है कि वे अपनी राजनीतिक पार्टियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो भारतीय जनता की राय का प्रतिनिधित्व करती हैं। लेकिन, सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी की आंतरिक दिक्कतों का फायदा उठाने की कोशिश में, मोदी सरकार ने इन मिशनों के भेजे जाने के पूरे विचार में ही पलीता लगा दिया है। मैं यह देखकर प्रसन्न हूं कि कई दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल सोफिया कुरैशी की सराहना कर रहे हैं, लेकिन शायद उन्हें उतनी ही शिद्दत से यह मांग भी करनी चाहिए कि भीड़ हिंसा के शिकार, बिना कानूनी प्रक्रिया के मकानों पर बुलडोजर चलवाए जाने और भाजपा की नफरत की राजनीति के शिकार अन्य लोगों को भी, समान रूप से एक भारतीय नागरिक के रूप में न्याय और सुरक्षा दी जाए। दो महिला अफसरों का प्रेस कान्फ्रेंस करना दीखने में एक महत्वपूर्ण दृश्य हो सकता है, लेकिन जब तक यह नजारा जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव में तब्दील न हो, तब तक यह केवल एक 'दृश्य राजनीति' (ऑप्टिक्स) ही रहेगा - एक छलावा।' अशोका विश्वविद्यालय के इतिहास तथा राजनीति विभाग के प्रोफेसर तथा राजनीति विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो. अली खान महमूदाबाद की ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित अपेक्षाकृत लंबी फेसबुक पोस्ट की शायद यही पंक्तियां हैं, जिनके लिए न सिर्फ उनको हड़बड़ी में हरियाणा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है, उन्हें अन्य अनेक धाराओं के अलावा राजद्रोह के दो-दो आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। हजारों की संख्या में अकादमिकों और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने प्रोफेसर अली खान की गिरफ्तारी को सरासर अनुचित तथा मनमानी बताते हुए, इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन बताने के साथ ही, जिस तरह कुछ विस्तार से उनकी टिप्पणी में कुछ भी, किसी भी नजर से आपत्तिजनक होने मात्र का खंडन किया है, उससे पूरी तरह से सहमत होने के चलते, हम यहां उसे दोहराना आवश्यक नहीं समझते हैं। हम यहां सिर्फ इतना ध्यान दिलाना चाहेंगे कि प्रो. अली इस टिप्पणी में जिस छलावे या पाखंड से बचे जाने का ताकाजा कर रहे थे, उनकी गिरफ्तारी आतंकवाद के विरुद्ध राष्ट्र को एकजुट करने के इस चुनौतीपूर्ण समय में भी सत्ताधारी संघ-भाजपा के उसी पाखंड का सहारा लेने का, एक और सबूत पेश कर रही थी। प्रो. अली की गिरफ्तारी इस पाखंड को इसलिए और किसी उदाहरण से ज्यादा मुखरता से उजागर करती है कि ठीक इसी समय पर, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री, कुंवर विजय शाह के मामले में, उसी संघ-भाजपा की सरकार, इससे ठीक उल्टा ही आचरण प्रदर्शित कर रही थी। प्रो. अली के विपरीत, भाजपायी मंत्री के खिलाफ, किसी भी नजर से क्यों न देखा जाए, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सचेत रूप से भारतीय कार्रवाई का चेहरा बनायी गयी, कर्नल सोफिया कुरैशी के घनघोर अपमान का मामला बनता है। और शुद्ध सांप्रदायिक आधार पर यानी उनके मुसलमान होने के लिए ही, उनका ऐसा अपमान करने का मामला बनता है। इसके बावजूद, जैसा कि सभी जानते हैं, भाजपायी मंत्री के खिलाफ, न तो भाजपा की मध्य प्रदेश सरकार ने कोई कार्रवाई करने की जरूरत समझी है और न ही संघ-भाजपा परिवार ने। यहां तक कि इस मामले पर चारों ओर शोर मचने के बाद, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की जबलपुर बैंच ने स्वतः संज्ञान लेकर, मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बहुत ही सख्त आदेश भी जारी कर दिए। इसके बाद मजबूरी में आखिरी घंटे पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज तो की लेकिन, इतनी लचर एफआईआर कि हाई कोर्ट की बैंच को अगले दिन फिर से सरकार को सिर्फ फटकार ही नहीं लगानी पड़ी, यह आदेश भी जारी करना पड़ा कि आगे अदालत इस मामले की निगरानी करेगी। इसके बाद भी, भाजपायी राज्य सरकार ने साफ कर दिया है कि वह दोषी मंत्री की गिरफ्तारी नहीं करने जा रही है। और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा विजय शाह की गिरफ्तारी की किसी भी संभावना से इंकार ठीक उस समय किया जा रहा था, जब उसी संघ-भाजपा की हरियाणा सरकार, प्रो. अली खान की दिल्ली से गिरफ्तारी की तैयारी कर रही थी। बेशक, पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हत्याएं की थीं। और जैसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार की ओर से एक पत्रकार वार्ता में, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने रेखांकित भी किया था, इसके पीछे आतंकवादियों का मकसद देश में सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना था। उनका यह कहना भी बहुत हद तक सही था कि देश ने, आतंकवादियों के इन मंसूबों को विफल कर दिया था। पर बहुत हद तक ही। बेशक, आतंकवादियों की इस दरिंदगी के खिलाफ आम तौर पर पूरा देश एकजुट था। जम्मू-कश्मीर ने और देश के अल्पसंख्यकों ने खासतौर पर, इस दरिंदगी के लिए अपने नाम के इस्तेमाल को बलपूर्वक ठुकराया था। देश व जनता की इस व्यापक एकता की अभिव्यक्ति, सर्वदलीय बैठक के जरिए आतंकवाद और उसके प्रश्रयदाताओं के खिलाफ, पूरी तरह से एकजुट संदेश में भी हुई थी। लेकिन, इसके समानांतर एक क्षीण किंतु सत्तातंत्र का संरक्षण प्राप्त होने से उग्र धारा, विभाजन पैदा करने की भी थी। यह धारा, आतंकवादियों की करतूतों के बहाने से खासतौर पर कश्मीरी मुसलमानों को और आम तौर पर मुस्लिम अल्पसंख्यकों को हमलों का निशाना बनाए जाने की थी। जाहिर है कि भौतिक हमलों से कई गुना बड़ा था, वैचारिक-भावनात्मक हमलों का यह दायरा, और ये हमले सत्ता परिवार के आईटी सेल द्वारा संचालित ताने-बाने के जरिए किए जा रहे थे। बहरहाल, शासन की ओर से किसी रोक-टोक के अभाव में भौतिक हमलों का सिलसिला भी, आपरेशन सिंदूर के शुरू होने तक जारी ही था। एसोसिएशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (एपीसीआर) द्वारा 22 अप्रैल से 8 मई के बीच, देश के 20 राज्यों में 180 से ज्यादा सांप्रदायिक घटनाओं का जो विवरण एकत्रित किया गया है, उसके अनुसार इनमें 106 घटनाएं पहलगाम के आतंकवादी हमले से संबंधित थीं और इनकी चपेट में कम से कम 316 लोग आए थे। इनमें 39 हमले की, 19 तोड़-फोड़ की और 42 मुसलमानों को तंग किए जाने की घटनाएं थीं। यह दिखाता है कि जब देश को एकता की सबसे ज्यादा जरूरत थी, उस घड़ी में भी सत्ताधारी संघ-भाजपा तथा उनके शासन द्वारा संरक्षित हिंदुत्ववादी ताकतें, जनता की एकता की ही जड़ों को खोखला करने में लगी हुई थीं और शासन की एकता की गुहारों को पाखंड में तब्दील करने में लगी हुई थीं। आतंकवाद के विरुद्ध देश और देशवासियों की सहज-स्वाभाविक एकता के लिए, अपने विभाजनकारी व्यवहार से चुनौती खड़ी करने का मोदी सरकार का खेल 'आपरेशन सिंदूर' के नाम से पाकिस्तान के साथ चार दिन की सैन्य मुठभेड़ के बाद भी थमा नहीं है। बेशक, इस पूरे प्रकरण में भारत के विदेश नीति तंत्र का प्रदर्शन सत्यानाशी रहा है। इसका सबसे प्रत्यक्ष सबूत तब मिल गया, जबकि इन झड़पों के बीच, पाकिस्तान के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने, जिसमें अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी जगत का ही बोलबाला है, एक अरब डालर से ज्यादा के ऋण के लिए मंजूरी दे दी। आईएमएफ के कुल 25 से ज्यादा सदस्यों के बोर्ड में, भारत के सिवा एक भी देश नहीं था, जो इस ऋण की मंजूरी के खिलाफ होता। यहां तक कि अंततः भारत ने भी इस आधार पर इस फैसले का विरोध करने की जगह, निर्णय से खुद को अलग रखने का ही रास्ता अपनाया, कि उसके मत का जितना वजन था, उसके आधार पर विरोध करने का विकल्प ही नहीं था। यहां भारत ही एक प्रकार से पूरी तरह से अलग-थलग नजर आया। यह इसके ऊपर से था कि सैन्य टकराव के दौरान भी भारत, इसी तरह अलग-थलग नजर आया था। यह मोदी राज की ग्यारह साल की विदेश नीति का ही कुल हासिल है कि भारत ने चुनौती के इस समय में, खुद को दुनिया में अलग-थलग पाया है। यह विदेश नीति, स्वतंत्रता के बाद से भारत को जिन-जिन चीजों के लिए जाना गया था, उसकी कमजोर की पक्षधरता से लेकर जनतांत्रिकता, धर्मनिरपेक्षता तक की पहचान के पलटे जाने की ही विदेश नीति रही है, बहरहाल उस पर फिर कभी। विदेशी मोर्चे की इन सच्चाइयों के सामने, सर्वदलीय बैठकों में प्रधानमंत्री की वाचाल अनुपस्थिति के बाद भी और संसद का विशेष सत्र बुलाने से भी इंकार कर के, मोदी सरकार के देश में राजनीतिक राय की एकता को यथासंभव मुश्किल बनाने के बाद भी, सरकार ने जब आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखने के लिए और इस मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए, करीब तीन दर्जन राजधानियों में, सात बहुपक्षीय राजनीतिक-कूटनीतिक मिशन भेजने का फैसला लिया, विपक्ष ने बिना किसी खास अगर-मगर के इसका समर्थन किया। लेकिन, मोदी राज के विभाजन प्रेमी मिजाज ने, इसे भी क्षुद्र राजनीतिक तिकड़म का मैदान बना लिया। पहले राजनीतिक पार्टियों से इस मिशन में शामिल करने के लिए प्रतिनिधियों से नाम मांगे गए। लेकिन, सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी, कांग्रेस ने जब मांगे गए चार नाम दिए, मोदी सरकार ने इन चार नामों में से एक को छोड़कर, सभी नामों को नामंजूर कर दिया और अपनी मर्जी के कांग्रेस नेताओं के नाम प्रतिनिधिमंडलों में जोड़ दिए। इस तरह, इन प्रतिनिधिमंडलों के देश छोड़ने से पहले ही, सरकार ने खुद ही इसके दावों पर प्रश्न खड़े करा दिए कि इन मिशनों के जरिए, आतंकवाद और पाकिस्तान के मुद्दे पर पूरा भारत, एक स्वर से बोल रहा होगा। विपक्षी पार्टियों द्वारा भले ही इसे बहुत बड़ा मुद्दा न बनाया जा रहा हो, लेकिन इतना तय है कि अब सरकार द्वारा ही चुने गए प्रतिनिधि, अपनी पार्टियों से ज्यादा सरकार का ही प्रतिनिधित्व कर रहे होंगे और उसी हद तक देश की राजनीतिक राय की एकता का प्रतिनिधित्व करने में असमर्थ होंगे। शासक पार्टी की ओर से इस सिलसिले में और सबसे बढ़कर शशि थरूर के शामिल किए जाने के लिए, 'योग्यता' या 'उपयुक्तता' का जो तर्क उछाला गया है और भी बेढब है। इन प्रतिनिधिमंडलों में सबसे प्रमुखता से राजनीतिक नेताओं को जो शामिल किया जा रहा है, कम से कम विदेश सेवा के अधिकारियों के मुकाबले बेहतर भाषायी कौशल के लिए तो नहीं ही शामिल किया जा रहा है। विदेश सेवा के अधिकारियों के मुकाबले, इन सांसदों/राजनीतिक नेताओं का वजन विदेशी मोर्चे पर भी इसीलिए अधिक माना जा रहा है कि वे अपनी राजनीतिक पार्टियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो भारतीय जनता की राय का प्रतिनिधित्व करती हैं। लेकिन, सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी की आंतरिक दिक्कतों का फायदा उठाने की कोशिश में, मोदी सरकार ने इन मिशनों के भेजे जाने के पूरे विचार में ही पलीता लगा दिया है। सवा चतुराई यह है कि विपक्ष अगर ज्यादा विरोध करे तो क्षुद्र राजनीति के लिए राष्ट्रीय सर्वानुमति को तोड़ता नजर आए और अगर राष्ट्रीय सर्वानुमति का ख्याल कर चुप रह जाए, तो शासन को उसके फटे में टांग अड़ाने का मौका मिल जाए। इसलिए, बहुदलीय मिशनों का यह प्रयोग भी, जो कि मोदी राज के लिए बेशक नया है, लेकिन देश के लिए जाना-पहचाना है, प्रो. महमूदाबाद के शब्दों का प्रयोग करें तो, 'केवल एक 'दृश्य राजनीति' (ऑप्टिक्स) ही रहेगा - एक छलावा'।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और साप्ताहिक पत्रिका 'लोक लहर' के संपादक हैं।)

संपादकीय

2027 का विधानसभा चुनाव उसके लिए मायावती की लड़ाई

इरढ सुप्रीमो मायावती अपने फैसलों से सभी को चौंकाती रही हैं और भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का चीफ नैशनल कोऑर्डिनेटर बनाकर उन्होंने एक बार फिर यही किया है। हालांकि सियासी मजबूरी में लिए गए इस निर्णय से पार्टी के भीतर का असमंजस और संकट भी सामने आ गया है। समर्थकों में सवालः पिछले एक साल के भीतर आकाश दो बार पद गंवा चुके हैं और दो बार उनकी वापसी हो चुकी है। उनकी हर वापसी पहले से ज्यादा दमदार रही। इस बार तो उनके लिए मायावती ने नया पद ही बना दिया। आकाश आनंद को लेकर पहले जैसा घमासान मचा था और अब जिस तरह से उनकी वापसी हुई है, उससे इरढ समर्थकों के मन में कई सवाल जरूर होंगे। विकल्प का अभावः दलित राजनीति में मायावती आज भी बड़ा नाम हैं। लेकिन, यह भी सच्चाई है कि हर नेता का वक्त होता है और उसे समय रहते अपना उत्तराधिकारी तैयार करना पड़ता है। लगता है कि मायावती इसके लिए पूरी तरह से मन नहीं बना पा रही हैं। पार्टी का एकमात्र चेहरा वह खुद हैं। उनके बाद दूसरी कतार के ज्यादातर नेता पार्टी छोड़कर जा चुके हैं या निष्कासित कर दिए गए हैं। मायावती ने अपना कोई विकल्प कभी उभरने नहीं दिया। ऐसे में आकाश की वापसी के अलावा कोई रास्ता नहीं था। नई पीढ़ी से दूरीः मायावती पार्टी को अपनी विशिष्ट शैली में चलाती हैं, समर्थकों से संवाद करने का उनका अपना तरीका है। हालांकि सोशल मीडिया के दौर में वोटर्स की जो नई पीढ़ी आई है, वह उस पुराने तरीके से शायद इरढ से कनेक्ट नहीं कर पा रही। उसने बहुजन आंदोलन के संघर्ष को नहीं देखा है। चुनावों को छोड़कर, बाकी वक्त में पार्टी सक्रिय विपक्ष की भूमिका में नहीं दिखती - न उसने पिछले काफी समय से कोई बड़ा आंदोलन किया है। गिरता वोट शेयरः कन्फ्यूजन में घिरी इरढ चुनावों में उतरती तो है, लेकिन अब टक्कर देती हुई नहीं दिखती। पिछले एक दशक में उसका वोट शेयर लगातार नीचे आया है। 2019 आम चुनाव में पार्टी ने जब समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया था, तब उसका वोट शेयर 19.2% था और 10 सीटें मिली थीं। 2024 में अकेले चुनाव लड़ने उतरी इरढ का वोट शेयर केवल 9.3% रह गया और खाता भी नहीं खुला। इसी तरह, 2022 के विधानसभा चुनाव में 12.8% वोट मिले थे। अस्तित्व की लड़ाईः इरढ के वोटर पार्टी के प्रति समर्पित माने जाते हैं। लेकिन, आंकड़े बताते हैं कि यह कोर वोटबैंक भी मायावती से दूर जा रहा है और इसका फायदा मिल रहा है इखढ व समाजवादी पार्टी को। सदन से सड़क तक इरढ की मौजूदगी सिमटती गई है और 2027 का विधानसभा चुनाव उसके लिए अस्तित्व की लड़ाई है। इसके पहले उसे सारे कन्फ्यूजन दूर करने होंगे।

लोकलाज के बिना अधूरा ही है लोकराज

विश्वनाथ सचदेव

जनतंत्र का एक नाम लोकराज भी है। समाजवादी विचारक डॉक्टर राम मनोहर लोहिया कहा करते थे, 'लोकराज लोकलाज से चलता है। कुछ मर्यादा है जनतांत्रिक व्यवस्था की जिनका पालन उन सबको करना चाहिए जो इस व्यवस्था को जीते हैं। इन मर्यादाओं में एक महत्वपूर्ण स्थान उस भाषा का है जो हमारे राजनेता काम में लेते हैं। संसद से लेकर सड़क तक आज जो भाषा हमारी राजनीति को परिभाषित कर रही है, वह इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि हमारे राजनेता या तो ऐसी किसी मर्यादा को जानते नहीं हैं, या फिर उसे मानना नहीं चाहते। दोनों ही स्थितियां चिंताजनक हैं। मर्यादाओं का जानना ज़रूरी है और उनका पालन करना भी। दुर्भाग्य से यह दोनों काम नहीं हो रहे। भाषा का सीधा रिश्ता व्यक्ति की सोच से है। जैसी आपकी सोच होगी, वैसे ही भाषा भी होगी। इसलिए जब हमारा कोई नेता घटिया भाषा बोलता है तो निश्चित रूप से उसकी सोच भी उतनी ही घटिया होती है। चिंता की बात तो यह है कि हमारे नेताओं को अपनी घटिया सोच की कोई चिंता नहीं दिखती। उन्हें यह लगता ही नहीं कि वह कुछ गलत कर रहे हैं। ऐसे में उनसे किसी प्रकार की लोकलाज की अपेक्षा ही कैसे की जा सकती है? अभी हाल में कांग्रेस के एक बड़े नेता प्रधानमंत्री के लिए तू-तड़ाक की भाषा में बात कर रहे थे। प्रधानमंत्री के संदर्भ में वह कहना चाहते थे कि 'उन्हें इस बात का पता नहीं है', पर उन्हें की जगह उसे कहने में नेताजी को तनिक भी संकोच नहीं हो रहा था। दूसरी तरफ भाजपा के एक सांसद कांग्रेस के इन बड़े नेताजी के संदर्भ में कह रहे थे कि प्रधानमंत्री की तुलना में वह नाली के कीड़े के समान है। यह एक उदाहरण ही इस बात को समझने के लिए पर्याप्त है कि हमारे नेताओं की एक-दूसरे के प्रति सोच कैसी है और हमारी राजनीति का स्तर कितना छोटा होता जा रहा है! यह हमारे नेताओं के बौने होते जाने का उदाहरण भी है और हमारी

राजनीति के घटिया स्तर का भी। अपने राजनीतिक विरोधी की आलोचना करना कतई गलत नहीं है, पर आलोचना और गाली-गलौज में अंतर होता है। लगता है इस अंतर को हमारे नेताओं ने भुला दिया है या फिर याद रखना नहीं चाहते। आज घटिया भाषा हमारी राजनीति का 'नया सामान्य' बन चुकी है। इन नेताओं में प्रतियोगिता इस बात की चल रही है कि लोकलाज की दृष्टि से कौन कितना घटिया है। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे 'संघर्ष' (युद्ध ही कहना चाहिए इसे) के दौरान हमारी सेनाओं ने जनता को इसकी जानकारी देने के लिए सेना की दो महिला अफसरों को नियुक्त किया था। इनमें से एक महिला मुसलमान थी और यह अनायास नहीं हुआ था। बहुत सोच-समझकर इस महिला सैन्य-अधिकारी को यह काम सौंपा गया था। एक अच्छा उदाहरण था यह इस बात का इस देश का हर नागरिक चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो, आतंकवाद के, और विदेशी हमले के खिलाफ, पहले भारतीय है। लेकिन मध्य प्रदेश के एक मंत्री ऐसा नहीं मानते, इस महिला अधिकारी के लिए उन्होंने जिन शब्दों का उपयोग किया वह कोई भी सभ्य व्यक्ति नहीं करना चाहेगा। लेकिन हमने देखा कि संसद में भी हमारे सांसदों को एक-दूसरे के प्रति घटिया भाषा का इस्तेमाल करने में कोई संकोच नहीं होता। हैरानी की बात तो यह है कि जब एक सांसद महोदय सदन में घटिया भाषा में बोल रहे थे तो वहां उपस्थित पार्टी के बड़े नेताओं में से किसी ने भी उन्हें रोकने की आवश्यकता अनुभव नहीं की! और सेना की महिला-प्रवक्ता के संदर्भ में भी घटिया भाषा और घटिया सोच वाले यह मंत्री जी अभी तक अपने पद पर बने हुए हैं। न उन्होंने इस्तीफा दिया है, न उनसे इस्तीफा मांगा गया है। भाजपा के नेतृत्व ने यह कहकर इस शर्मनाक कांड से पल्ला झाड़ लिया है कि अब मामला न्यायालय में है, इसलिए इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहिए! हैरानी की बात तो यह है कि देशभर में इस मंत्री महोदय की थू-थू हो रही है, पर फिर भी भाजपा का नेतृत्व इस आवाज़ को सुन नहीं रहा! टी.वी. के विभिन्न चैनलों पर प्रतिदिन बहस होती है। इन बहसों का स्तर भी इतना घटिया हो गया है कि हैरानी होती है इनमें भाग लेने वाले अधिसंख्य प्रतिनिधियों की बुद्धि पर। अपने दल की रीति-नीति का समर्थन करना स्वाभाविक है। कुछ ग़लत भी नहीं है इसमें। लेकिन, अक्सर जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल राजनीतिक-दलों के प्रवक्ता करते हैं उसे किसी भी दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता। दूसरे की लकीर को छोटा करने के लिए अपनी लकीर लंबी करनी होती है, पर हमारे राजनेता और राजनीतिक दलों के प्रवक्ता दूसरे की लकीर को मिटाने की नीति में विश्वास करते हैं, और इस कोशिश में सारी मर्यादाएं लांघ जाते हैं। अमर्यादित भाषा घटिया सोच और बीमार मानसिकता की परिचायक होती है। इस बात को हमारे राजनेता समझना नहीं चाहते। एक बात और भी है। घटिया अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने पर जब उंगली उठती है तो वे 'मुझे ग़लत समझ गया' अथवा 'मेरे कहने का यह मतलब नहीं था' जैसे वाक्यांशों से अपना बचाव करते हैं। जब टी.वी. नहीं था और रिकॉर्डिंग करने की कोई व्यवस्था नहीं थी तो हमारे राजनेता 'मैंने ऐसा नहीं कहा' का सहारा लेते थे। अब यह नहीं कहा जा सकता, इसलिए वे कहते हैं, 'मेरे कहने का यह अर्थ नहीं था'। इन नेताओं को बताना होगा कि भाषा की मर्यादा का उल्लंघन किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता। अमर्यादित भाषा अराजकता का संकेत देती है। हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी डॉ. अंबेडकर ने कहा था, 'अराजकता का व्याकरण लोकतंत्र को मज़बूत होने से ही नहीं रोकता, उसे कमज़ोर भी बनाता है।' आज हम भाषा की अराजकता के शिकार हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि हमारी राजनीति में यह अराजकता अचानक उभर आयी है। पहले भी भाषा की मर्यादा भुलाने के उदाहरण मिलते थे, पर सीमित हुआ करती थी यह प्रवृत्ति। आज जिस गति और मात्रा में यह मर्यादा-हीनता उजागर हो रही है, वह डराने वाली है। संयम और शालीनता दोनों हमारी राजनीति के लिए जैसे कोई बाहरी वस्तु बन गये हैं। कड़वाहट और द्वेष का छलक-छलक पड़ना हमारे नेताओं की अमर्यादित भाषा का उदाहरण प्रस्तुत करता है। अपने प्रतिद्वंद्वी को नाली का कीड़ा समझना या कहना घटिया राजनीति है।

बशीर बद्र का एक शे'र है: 'दुश्मनी जम कर करो, लेकिन यह गुंजाइश रहे/ फिर कभी हम दोस्त बन जायें तो शर्मिंदा न हों।' यहां सवाल फिर से दोस्त बनने का नहीं है। राजनीतिक विरोध का मतलब दुश्मनी नहीं होता। मतभेद स्वाभाविक हैं। राजनीतिक दलों के अस्तित्व का आधार ही भिन्न मतों का होना है। लेकिन इस भिन्नता का अर्थ आपस में गाली-गलौज हो जाए, यह मतलब तो नहीं होता जनतंत्र का। कई बार ऐसा लगता है कि एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने वाले राजनेता क्या सचमुच में एक-दूसरे के दुश्मन होते हैं? ऐसा नहीं है। ऐसा नहीं होना चाहिए। शालीनता और भद्रता से रहित राजनीति जनतंत्र को बदशक्ल ही बनाती है। जनतंत्र विभिन्न फूलों वाला प्यारा-सा गुलदस्ता है, अमर्यादित आचरण से इस गुलदस्ते की खूबसूरती को नष्ट करने का अवसर और अधिकार किसी को नहीं मिलना चाहिए। किसी भी कीमत पर नहीं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

समय के साक्षी कछुए: टिकाऊ प्रकृति की टूटती कड़ी

प्रो. आरके जैन

निःशब्द, धीमी चाल और सदियों का साक्षी - जब कोई प्राणी हमारी धरती पर प्रकृति का सबसे शांत, लेकिन सबसे मज़बूत प्रहरी बनकर खड़ा हो, तो उसका महत्व केवल जैवविविधता तक सीमित नहीं रह जाता, वह हमारी संस्कृति, चेतना और पर्यावरण की आत्मा बन जाता है। कछुआ, जो समय की रेत पर अपने धैर्य और दीर्घायु के पदचिह्न छोड़ता आया है, आज ख़तरे में है। 23 मई को मनाया जाने वाला विश्व कछुआ दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि एक पुकार है - उस मौन जीवन के लिए, जिसे हमने वर्षों तक नज़रअंदाज़ किया, और जो आज हमसे बचाव की गुहार कर रहा है। विश्व कछुआ दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में "अमेरिकन टॉरटॉयस रेस्क्यू" नामक एक गैर-लाभकारी संगठन द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य था कछुओं और कछुए की विविध प्रजातियों के संरक्षण और उनके महत्व को वैश्विक स्तर पर जागरूकता के साथ जोड़ना। यह प्रयास अब अंतरराष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है, जिसमें विभिन्न देशों के वैज्ञानिक, संरक्षणकर्मी, विद्यार्थी, शिक्षक और आम नागरिक मिलकर भागीदारी निभा रहे हैं।

कछुए धरती पर लगभग 22 करोड़ वर्षों से अस्तित्व में हैं - यानी वे डायनासोर से भी पहले आए और आज भी जीवित हैं। उन्होंने बर्फीले युगों, महाविनाशों और भूगर्भीय परिवर्तनों को झेला है। उनके अस्तित्व की स्थिरता उनकी "धीमे लेकिन स्थायी" जीवनशैली का प्रमाण है। लेकिन यह दुखद है कि आज, जिन संकटों से वे जूझ रहे हैं, वे किसी प्राकृतिक आपदा के नहीं, बल्कि मानवीय लालच और लापरवाही के परिणाम हैं। कछुए की भूमिका केवल पारिस्थितिकी तंत्र तक सीमित नहीं है; वे लोककथाओं, संस्कृति और आध्यात्मिक मान्यताओं में भी महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। भारत, चीन, अफ्रीका और अमेरिका की पुरानी कथाओं में कछुए को पृथ्वी का वाहक, दीर्घायु और ज्ञान का प्रतीक माना गया है। भारतीय पुराणों में कूर्म अवतार को विष्णु के रूप में पूजा जाता है, जो समुद्र मंथन के समय मंदराचल पर्वत को अपने पीठ पर टिकाकर सृष्टि के संतुलन में सहायक बना। लेकिन आज, उसी कछुए को जल स्रोतों से उठाकर बाजारों में बेचा जा रहा है - कभी खाने के लिए, कभी सजावट के लिए, तो कभी औषधि के नाम पर। विश्व में ज्ञात 350 से अधिक कछुआ प्रजातियों में से लगभग 60% संकटग्रस्त या विलुप्ति की कगार पर

हैं। भारत में इंडियन स्टार टर्टल, रेड क्राउन रूफ टर्टल, और नॉरदर्न रिवर टेरपिन" जैसी दुर्लभ प्रजातियाँ गंभीर खतरे में हैं। समुद्री कछुए जैसे ऑलिव रिडली जो हजारों किलोमीटर तैरकर अंडे देने भारत के ओडिशा तट पर आते हैं, उन्हें मछली पकड़ने के जाल, रोशनी के प्रदूषण और मानव हस्तक्षेप से भारी खतरा है। इन मूक प्राणियों के लिए संकट के प्रमुख कारणों में हैं झ प्लास्टिक प्रदूषण (अक्सर वे प्लास्टिक को जेलीफिश समझकर खा जाते हैं), समुद्र तटों का अतिक्रमण, अवैध व्यापार, सड़क दुर्घटनाएं, अंधविश्वास आधारित शिकार, और जलवायु परिवर्तन। अंडे सेने की प्रक्रिया तापमान पर निर्भर होती है, जिससे मादा और नर कछुओं का अनुपात बिगड़ रहा है, जो भविष्य की संतति के लिए खतरा है। कछुए पारिस्थितिकी के संतुलन में अदृश्य लेकिन अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे मरे हुए जीवों को खाकर जल स्रोतों की सफाई करते हैं, समुद्री घास को नियंत्रित रूप से चरकर समुद्री पारिस्थितिकी को टिकाऊ बनाए रखते हैं, और उनके द्वारा खुदी गई मिट्टी की बिलों में अनेक छोटे जीवों को सुरक्षा मिलती है। वे पारिस्थितिकी के "की-स्टोन स्पीशीज़" माने जाते हैं, जिनके लुप्त होने से पूरी पारिस्थितिकी प्रणाली असंतुलित हो सकती है। आज विश्व भर में कछुओं के संरक्षण के लिए अनेक उपाय किए जा रहे हैं। भारत में ओडिशा का गाहिरमाथा तट ऑलिव रिडली समुद्री कछुओं के लिए विश्व का सबसे बड़ा घोंसला स्थल है, जहाँ हज़ारों स्वयंसेवी और वन अधिकारी मिलकर हर वर्ष कछुओं के अंडों की रक्षा करते हैं। तकनीक का उपयोग बढ़ा है - सैटेलाइट ट्रैकिंग से उनके प्रवास को समझा जा रहा है, कृत्रिम हैचरी में अंडों को सुरक्षित इनक्यूबेट किया जा रहा है, और बच्चों को जागरूक करने के लिए स्कूलों में "टर्टल क्लब" बनाए जा रहे हैं। लेकिन केवल संगठनों के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। आम नागरिक की भूमिका सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है। हम यदि समुद्र तटों पर कूड़ा-कचरा न फैलाएँ, कछुओं को छेड़ें नहीं, उनके घोंसलों को नष्ट न करें, ऑनलाइन कछुओं की खरीद-बिक्री की शिकायत दर्ज कराएँ, और स्थानीय स्तर पर जागरूकता फैलाएँ - तो यह छोटा सा योगदान भी एक बड़े परिवर्तन की शुरुआत बन सकता है। कछुआ हमें यह सिखाता है कि दौड़ना जरूरी नहीं, टिके रहना ज़्यादा जरूरी है। यह भी कि मौन, शक्ति की एक अलग भाषा है - जो शब्दों से नहीं, बल्कि कर्मों से बोलती है। उनकी धीमी चाल में हमें भविष्य की गूंज सुनाई देती है - यदि हम उन्हें बचा पाए, तो खुद को भी बचा पाएंगे। इसलिए आज विश्व कछुआ दिवस केवल एक पर्यावरण दिवस नहीं, बल्कि एक आत्मचिंतन का क्षण है - हम किस ओर बढ़ रहे हैं, और हम क्या खो रहे हैं? यह वह समय है जब हमें प्रकृति के साथ पुनः जुड़ने की आवश्यकता है - न केवल जंगलों या पहाड़ों के साथ, बल्कि उन छोटे, अदृश्य जीवों के साथ जो इस ग्रह की आत्मा हैं। कछुओं के संरक्षण को एक अभियान, एक आदत, और एक सामाजिक जिम्मेदारी बनाएं। अपने बच्चों को सिखाएँ कि प्रकृति केवल देखने की वस्तु नहीं, जीने की शैली है। जब अगली बार हम किसी समुद्र तट पर जाएँ, किसी तालाब के किनारे बैठें, या किसी दुकान में कछुए के खोल से बनी वस्तु देखें - तो एक बार रुकें, सोचें और चुनें झ कि हम इस धरती के संरक्षक बनना चाहते हैं या शोषक? क्योंकि यह सिर्फ एक जीव की लड़ाई नहीं है - यह धरती की आत्मा को बचाने का संघर्ष है। और इस संघर्ष में, हमें मूक कछुए की तरह नहीं, जागरूक मानव की तरह आगे बढ़ना होगा - समझदारी से, साहस से, और सामूहिक संकल्प से।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

गंगा पुल निर्माण कार्य पीलर में सेगमेंट लगाने का कार्य शुरू

साहिबगंज : साहिबगंज मनिहारी निमार्णाधीन गंगा पुल के मुख्य गंगा के पीलर में सेगमेंट लगाने का कार्य शुरू हो गया है। वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से पूजन करके सेगमेंट को लगाने के लिए गंगा में उतारा गया। वही पिलर के पास सेगमेंट लेकर पहुंचा और सेगमेंट लगाने का कार्य किया जा रहा है। निमार्णाधीन गंगा पुल को बनते जिलेवासी के साथ साथ आस पास के लोग प्रतिदिन देख रहे है और आनंदित हो रहे है। पुल के माध्यम से जल्द ही मनिहारी कटिहार पूर्णिया के साथ साहिबगंज जुड़ेगा।

रेलमंत्री के आगमन से पूर्व जमालपुर में पुलिस प्रशासन की व्यवस्था चुस्त

जमालपुर। शुक्रवार को जमालपुर रेल नगरी में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के आगमन से ठीक पहले पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद बनाने की दिशा में पूरी तरह से तटस्थ दिख रही है। जमालपुर शहर में जगह-जगह चेक पोस्ट बनाए गए हैं। शहर के विभिन्न चौक चौराहों पर खासकर रेलवे कॉलोनी में पुलिस बल तैनात कर शहर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मुंगेर से जमालपुर प्रवेश के लिए जुबली वेल चौराहा पर विशेष पुलिस चेक पोस्ट बनाया गया है। वहीं, जमालपुर स्टेशन में अनधिकृत रूप से प्रवेश पर रोक लगाने के लिए स्टेशन के दोनों ही प्रवेश द्वार पर रेल थाना जमालपुर की ओर से चेक पोस्ट बनाकर प्राइवेट वाहनों को रोका जा रहा है। उधर, शहर में प्रवेश कर रहे सभी वाहनों की तलाशी के लिए यातायात थाना की ओर से गुरुवार देर शाम जुबली वेल चौराहा पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। मुंगेर से जमालपुर आने वाली सभी वाहनों की सख्ती से तलाशी ली जा रही है। मुंगेर पुलिस प्रशासन रेल मंत्री के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा मामले में कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। स्टेशन परिसर में रेलवे सुरक्षा बल की ओर से भी विशेष तौर पर सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं।

मृतक के परिजन को चेक देते अंचल अधिकारी सीओ ने वज्रपात से मौत के बाद परिजनों को दिया चार लाख का चेक।

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

प्रखंड क्षेत्र के दुगार्पुर पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 13 में बुधवार की संध्या हुए वज्रपात में दुगार्पुर निवासी शंभू यादव के 14 वर्षीय पुत्र गोकुल कुमार की दर्दनाक मौत हो गई । घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। गुरुवार को अंचल अधिकारी निश्चित नंदन ने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा 24 घंटे के अंदर राज्य आपदा राहत कोष से चार लाख रुपये का आर्थिक सहायता का चेक सौपा। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि बारिश होने पर वज्रपात की घटना आम होती जा रही है ऐसे में सभी को सतर्क रहने की जरूरत है वज्रपात से बचाव को अपना करगी अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। वहीं घटना से लेकर मुआवजे की राशि दिलवाने तक समाजसेवी मृत्युंजय यादव की अहम भूमिका रही। मौके पर मृतक के माता-पिता के साथ-साथ समाजसेवी मृत्युंजय यादव भी मौजूद थे ।

श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब सुदामा चरित्र और कंस वध की कथा से गुंजायमान हुआ वातावरण

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

रतनपुरा गांव स्थित काली मंदिर के प्रांगण में 9 दिवसीय श्री विष्णु महायज्ञ के अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का भव्य समापन गुरुवार को श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ। समापन अवसर पर अयोध्या से पधारीं सुप्रसिद्ध कथा वाचिका वंदना किशोरी जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रभु श्रीकृष्ण की लीलाओं और दिव्य प्रसंगों से भाव-विभोर कर दिया।वंदना किशोरी जी ने कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की 16,108 शादियों का प्रसंग, सुदामा चरित्र, कंस वध तथा राजा परीक्षित के मोक्ष की गाथाएं विस्तारपूर्वक सुनाईं। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से जीव का कल्याण होता है और इसे करवाने वाले भी पुण्य के भागी बनते हैं।सुदामा प्रसंग पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सुदामा जी के पास भले ही भौतिक संपदा न थी, लेकिन कृष्ण नाम का अमूल्य धन उनके पास था। उन्होंने कभी किसी से कुछ नहीं मांगा। पत्नी सुशीला के आग्रह पर जब वे अपने मित्र कृष्ण से मिलने द्वारका पहुंचे, तब भी उन्होंने कुछ नहीं मांगा, लेकिन भगवान ने उन्हें समृद्धि से नवाजा। यह प्रसंग भक्ति, मित्रता और समानता का अनुपम उदाहरण है।कथा के अगले चरण में कंस वध का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने कहा कि मथुरा में आतंक फैलाने वाले कंस का अंत करने के लिए श्रीकृष्ण अपने भ्राता बलराम के साथ मथुरा पहुंचे। मल्ल युद्ध के उपरांत श्रीकृष्ण ने कंस का वध किया और मथुरा को आतंक से मुक्त कराया। उनके जयघोष से वातावरण गूंज उठा।कथा के समापन पर वंदना किशोरी जी ने राजा परीक्षित के मोक्ष की कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि ऋषि श्रृंगी के श्राप के अनुसार सातवें दिन तक्षक नाग ने परीक्षित को डसा, लेकिन श्रीमद्भागवत कथा के प्रभाव से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई।कार्यक्रम की सफलता में ग्रामीणों की भूमिका उल्लेखनीय रही। बलवीर सिंह, शिव मूर्ति सिंह, रोहित कुमार, संतोष कुमार, अमरजीत मंडल, संजीव कुमार, गब्बर कुमार, नेपाली मंडल, राजकुमार मंडल, धर्मेंद्र कुमार, मारखंडे कुमार, अजित कुमार, सुभाष कुमार, बमभोला सिंह, बबलू सिंह समेत समस्त ग्रामवासियों ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

पुनर्विकसित शंकरपुर रेलवे स्टेशन का किया गया उद्घाटन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

पीएम नरेंद्र मोदी के द्वारा अमृत भारत योजना के तहत 103 स्टेशनों का एक साथ ऑनलाइन उद्घाटन किया गया। इस अवसर पुनर्विकसित शंकरपुर रेलवे स्टेशन का उद्घाटन के लिए एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जहां रेलवे के कई वरीय अधिकारी की मौजूदगी में कार्यक्रम सफल रहा। सैकड़ों लोगों ने लाइव कास्ट देखे। आसपास के लोगों में काफी खुशी देखा गया। इस अवसर पर गोड्डा सांसद निशीकांत दुबे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह शंकरपुर रेलवे स्टेशन जब मैं 2009 में आया था। तब लोहड़ी खरकुंआ आदि गांवों में उस वक्त दो प्रॉब्लम था। देवघर से जुड़ने के लिए रोहिणी के सिवाय कोई कनेक्टिविटी नहीं था। यहां लोहे का बहुत बड़ा कारोबार होता है। जबकि यह निर्जन सा जगह था, जो रात में अकेले कभी भी लूटा जा सकता था। जब यहां एम्स और प्लास्टिक पार्क आया। तब मैं डीआरएम साहब को कहा कि शंकरपुर होल्ट को स्टेशन बनाए। जब डीआरएम साहब पहली बार यहां आए तब देखा कि एक छोटा सा गांव है। यहां कोई साधन नहीं हैं, न ही कहीं कुछ नहीं है। लेकिन जिस तरह से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी ने ग्राम सड़क योजना से गांव-गांव को जोड़ा। तब से आज कोई ऐसा गांव नहीं है जहां की रोड की कनेक्टिविटी नहीं है। वैसे ही वर्तवान में माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी हैं। उन्होंने हजारों काम किए। पाकिस्तान को घुस के मारे वह अलग चीज है। यहां पहले दोआब क्षेत्र का आंदोलन चलता था। कोई सोचा था शंकरपुर स्टेशन बनेगा। यह एम्स आ जाएगा। यहां प्लास्टिक आ जाएगा। इस शंकरपुर स्टेशन 10 करोड रुपए खर्च होगा। ये मोदी है तो मुमकिन है। आज यहां आए और पहले से फोटो देखकर काफी खुशी हुई। हमने जो वादा किया था ओ पूरा हुआ। गांव में भी शहर की स्थिति पैदा होगी। गांव में भी वही सुविधा मिलेगी जो शहर को मिलती है और आज हम बड़े फक्र के साथ कह सकते हैं। जसीडीह व मधुपुर स्टेशन बनेगा तो बनेगा ओ अलग बात है। लेकिन शंकरपुर में जो सुविधा है ओ सुविधा जसीडीह और मधुपुर से ज्यादा सुविधा है। यही विकास है। कहा कि 2009 से पहले भी यहां सांसद हुआ करता था। आज भी विधायक है, कोई मंत्री है कोई संत्री है। किसी का सरकार है। यह आप बता सकते हैं कि शंकरपुर के आसपास इंडी गठबंधन या दूसरे सरकार ने कुछ किया हो ! जिसको यहां के लोगों ने जिताया है। यह प्लास्टिक पार्क भारत सरकार की योजना है। यह भारत सरकार ने दिया है। पिछले 3 साल से मैं लगातार प्रयास कर रहा हूं। यहां फंड आ जाए। जिससे यहां के लोगों का रोजगार मिल जाए। जिस दिन प्लास्टिक पार्क चालू हो जाएगा। उस दिन 10000 नौकरी मिलेगा। एम्स मोदी जी ने दिया है। फिर प्लास्टिक पार्क चालू होगा। यहां कॉलेज बनेगा। केमिकल व टेक्निकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई होगी। लेकिन 3 साल से जिसका अलॉटमेंट नहीं हो रहा है। क्यों नहीं हुआ! पहले ये कहा कहा कि निशीकांत दुबे का सब आदमी है। जब जांच हुआ, तब पता चला कि संबंध की बात छोड़ो। जो अप्लाई किया है उसमें एक भी ब्राह्मण नहीं है। तब आत्मा फूल गया। एससी, एसटी, ओबीसी है कोई दूसरा है। यहां के सभी गांव के बेरोजगार को रोजगार मिलेगा। आप समझे कि यह भारत सरकार की योजना है। इलाके में जितना एरिया है, वह डेवलपमेंट हो जाएगा। लेकिन चुनाव के समय में कोई जात देखेगा, कोई पात दे। कोई गोतिया देखता है। आप लोगों को पूछना चाहिए कि किसने क्या किया है! उन्होंने कहा कि एम्स अस्पताल निदेशक डॉ सौरव वार्ष्णेय को बधाई देते हैं कि आगामी 21 जून योग दिवस के अवसर पर एम्स अस्पताल के इमरजेंसी सेवा उद्घाटन होने वाला है। यहां के लोगों को इलाज के लिए दिल्ली मुंबई कोलकाता जाना पड़ता था। क्या इलाज नहीं हो रहा है! जो बचा है वो भी पूरी तरह से व्यवस्था किया जाएगा। पांच छः महीने में यह एम्स दिल्ली एम्स से अधिक सुविधा मिलेगी। यह हमारा और एम्स निदेशक का वादा है। कहा कि और जो विशेष रूप से आदिवासी बात करते हैं। आदिवासी के बच्चों में सीकर सेल है। जो खून की बीमारी है। उसे यहां जांच कर उसका यहां इलाज किया जाएगा। उसे रिसर्च करेंगे। राज्य सरकार से मांग कर रहे हैं कि हंसडीहा में अस्पताल जो है मेरा बनाया हुआ है। वह मैने बनवाया है। जिसके लिए मैंने अर्जुन मुंडा की सरकार गिरा दी। हम लोग सभी प्रधानमंत्री को सुनने के लिए यहां आया हूं। शंकरपुर स्टेश इतना बड़ा होगा। यहां लूप लाइनें होगी। 18 गाड़ियां खड़ी रहेगी। भगवान ने चाहा और बाबा बैजनाथ की कृपा रही तो यह इतना स्टेशन बनेगा कि उधर जो लोहड़ी गांव है और दूसरे तरफ जो बाउंड्री है। यहां पर कोचिंग कंपलेक्स बनेगा। 18 गाड़ी से 20 गाड़ी खड़ी रहेगी और स्टेशन से हजारों को रोजगार मिलेगा। जिस दिन हमारे बच्चे बाहर कमाने छोड़ यहां कमाए और बाहर के बच्चे यहां काम करने के लिए आवे। उस दिन शुक्रियदा करूंगा। आप लोगों के हम शुक्रगुजार हूं जो मेरे जैसे आदमी को चार-चार बार को सांसद बनाए हैं। जो किसी छठीयारी में नहीं आता है, जो सांसद निधि खर्च नहीं करता है। एक अच्छे बढ़िया काम करने के लिए रखे है। उसे भी आपलोग स्वीकार कर लगातार मोदी जी को सपोर्ट करते हैं और मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाते हैं। जो विकास के साथ साथ देश को मजबूत बनाए हैं। बिना घुसे पहली बार देश के सेना ने पाकिस्तान को तबाह कर दिया। पाकिस्तान के अंदर जाकर पहली बार ऐसा हुआ बिना घुसे हुए पाकिस्तान के पूरे सिस्टम को 23 मिनट तक हिला रख दिया। जिससे आतंकवादी मौलाना मसूद मजहर उसके परिवार के 14 लोगों को यहीं से मिसाइल मार कर गिराया। यह मुमकिन मोदी की सरकार से है। आगे मधुपुर में कोचिंग कंपलेक्स का फॉर्मल उद्घाटन करना है। डीआरएम का 2 महीना में समय पूरा हो रहा है। मैं कोशिश करूंगा कि 2 महीने के अंदर हमारे यहां त्रिकूट, जसीडीह , मधुपुर में शिलान्यस कर दूं। उन्होंने कहा कि मुझे भारत सरकार कल से मका मदीना भेज रही है। जहां दुनिया 70 मुस्लिम देश का हेड क्वार्टर है। इस मौके पर एम्स अस्पताल निदेशक डॉ सौरव वार्ष्णेय, डीआरएम आसनसोल डिविजन चेतना नन्द सिंह, रेल अधिकारी में से आसनसोल डिवीजन के वंदना सिंहा सीनियर डीइएन 2, रेलवे विभाग के आसनसोल डिविजन के पीआरओ बिप्लब बाउरी, वाणिज्य यातायात निरीक्षक ऋषि देव कुमार, एसएसइ टेली संतोष साह, सीनियर पब्लिसिटी आशीष कुमार सिंह अन्य रेलवे कर्मचारी और रेलवे सुरक्षा बल मौजूद थे।

मुंगेर : रस्ता निर्माण में लगे दबंगों की दंबगई अब भी बरकरार, प्रशासन खामोश और पुलिस लाचार

मुंगेर : रस्ता निर्माण में लगे दबंगों की दंबगई अब भी बरकरार, प्रशासन खामोश और पुलिस लाचार

रंजीत कुमार विद्यार्थी

बरियारपुर (मुंगेर) : काली मंदिर के रास्ता निर्माण के लिए दबंगों द्वारा विद्या के मंदिर को जेसीबी मशीन से ध्वस्त किए जाने के बाद भी जिला प्रशासन खामोश है और पुलिस लाचार दिख रही है. पुलिस के रोक के बावजूद भी दबंगों द्वारा रास्ता का निर्माण कराया जा रहा है, जो की जिला प्रशासन और पुलिस के कार्य शैली पर सवाल उठा शुरू हो गया है. ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब पुलिस ने निर्माण पर रोक लगा दिया तो फिर दबंग के द्वारा किसके संरक्षण में यह कार्य कराया जा रहा है. बरियारपुर में चर्चा सरेआम है कि यह कार्य सत्ता संरक्षित नेताओं के मेहरबानी से हो रही है.क्षेत्र के लोगों का कहना है कि क्षेत्रीय विधायक प्रणव कुमार और राजद के पूर्व प्रत्याशी रहे अविनाश कुमार विद्यार्थी उर्फ मुकेश यादव तथा बरियारपुर के जिला परिषद सदस्य दुर्गेश सिंह भी इस मामले में खामोश हैं. जिसको लेकर क्षेत्र के लोगों में जनप्रतिनिधियों के प्रति भारी आक्रोश देखा जा रहा है. जिसका खामियाजा आगामी विधानसभा चुनाव में भुगतना पड़ सकता है. बताते चले की मुंगेर जिला अंतर्गत बरियारपुर प्रखंड के मध्य विद्यालय फुलकिया का चहारदीवारी और कीचन का भवन तोड़ने की को घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी अब तक शिक्षा विभाग के कोई वरीय अधिकारी घटना की जानकारी लेने तक नहीं पहुंचे हैं । घटना की सूचना प्रधानाध्यापिका आरती विश्वकर्मा द्वारा प्रखंड से लेकर जिला तक के शिक्षा विभाग के अधिकारी को दे चुकी हैं । वहीं बरियारपुर पुलिस ने मामले की प्राथमिकी दर्ज कर घटना स्थल पर कोई नया कार्य करने पर रोक लगा दिया है। वावजूद कुछ दबंगों द्वारा बीती रात में काली स्थान जाने वाली सड़क को बनाने के लिए गंगा का बालू गिराया हैं। सुबह होने पर काम को बंद कर दिया गया हैं। हालांकि पुलिस का दावा है कि विद्यालय को तोड़ने वाले असमाजिक तत्वों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी किया जा रहा है। हालांकि घटना के बाद से यह भी चर्चा होने लगा है सत्ता के संरक्षण में विद्यालय के भवन को तोड़ा गया है। जिसका परिणाम है कि घटना के कई दिनों बाद भी जिला प्रशासन द्वारा कोई कारगर करवाई नहीं किया गया हैं। मध्य विद्यालय फुलकिया के कीचन के दो कमरा और चहारदीवारी को तोड़ने को घटना रविवार को रात्रि में घटी हैं। सोमवार को बरियारपुर थाना में लिखित शिकाकत देकर प्राथमिकी दर्ज कराया गया। इसकी सूचना भी शिक्षा विभाग के सभी वरीय पदाधिकारी को दिया गया । लेकिन घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी शिक्षा विभाग कोई अधिकारी अब तक विद्यालय की वर्तमान स्थिति को देखने नहीं पहुंचे हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारी सिर्फ मोबाइल से घटना की जानकारी लेने में लगे है। विद्यालय का कीचन भवन और चहारदीवारी तोड़ने की घटना के बाद से विद्यालय में मध्याह्न भोजन बंद था। लेकिन बुधवार को मध्याह्न भोजन शुरू हुआ। विद्यालय में कुल 197 बच्चे है। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका आरती विश्वकर्मा ने कहा कि विद्यालय में खाना बनाने के जगह नहीं है। लेकिन बुधवार को बरामद पर ही मध्याह्न भोजन बनाकर बच्चों को बरामदा पर ही खाना खिलाया गया। उन्होंने कहा कि विद्यालय का चहारदीवारी टूटने से काफी दिक्कत हो रहा है। कीचन का भवन टूटने से खाना बनाने में परेशानी हो रहा है। घटना की प्राथमिकी दर्ज करने के बाद काफी असहज महसूस कर रहे हैं । विद्यालय में कार्यरत अन्य लोगों में भी भय का माहौल हैं।

दबंगों द्वारा मलवा हटाया

मध्य विद्यालय फुलकिया के भवन को तोड़ने के बाद मंगलवार की रात्रि में दबंगों ने मलवा को ट्रैक्टर से हटाया। आसपास के लोगों ने बताया कि कुछ लोग दंबगई पूर्वक ऐसा कार्य कर रहा है। लोगो ने बताया बीती रात में तीन चार की संख्या में ट्रैक्टर और दर्जनों मजदूरों के सहयोग से विद्यालय के भवन और चहारदीवारी का मलवा को लाद कर बाहर फेंका गया। यह कार्य करीब 2 बजे तक चलता रहा। इनलोगों के भय से कोई लोग किसी से शिकायत तक नहीं करते हैं।

बालू भरने का काम शुरू

विद्यालय परिसर से काली मंदिर जाने के लिए बनाया जा रहा सड़क पर देर रात्रि से गंगा का बालू गिराने का काम शुरू हो गया हैं। जगह जगह बालू गिराया गया हैं। एनएच 80 से लेकर काली स्थान मंदिर तक सड़क तथा समतल करने का काम रात्रि में किया जा रहा है।

पक्की कार्य पर पुलिस ने लगाया है रोक

विद्यालय परिसर में पक्की कार्य पर बरियारपुर पुलिस ने रोक लगा रखा है। पुलिस ने कीचन भवन निर्माण स्थल के समीप भी कोई कार्य नहीं करने का आदेश दिया है। पुलिस के निर्देश के बाद पक्की पिलर देने का काम बंद कर दिया गया हैं। बरियारपुर पुलिस ने घटना में शामिल किसी भी असामाजिक तत्वों को अब तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है। बोले डीपीओ

शिक्षा विभाग के डीपीओ आनंद वर्मा ने कहा कि वे आज मीटिंग में हैं । इसकी जानकारी डीएम सर को दिया गया है। मध्य विद्यालय फुलकिया घटना की जांच के लिए पहुंचेंगे।

बोले थानाध्यक्ष

बरियारपुर थानाध्यक्ष वीरभद्र सिंह ने बताया कि विद्यालय के जमीन पर कोई भी पक्की कार्य नहीं होगा। विद्यालय को तोड़ने की घटना में शामिल लोगों पहचान के लिए जांच किया जा रहा है। जो लोग शामिल होगे उसे जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

केंद्रीय रेलमंत्री के समक्ष रेलवे छोटी पुल और न्यू जमालपुर स्टेशन का उठाया जाएगा मुद्दा

जमालपुर रेल कारखाना में मेट्रो रेल निर्माण और मेमू कोच निर्माण शुरू करने के लिए रेल मंत्री से लगाएंगे गुहार

जमालपुर में रेलवे के ऐतिहासिक धरोहर को सहेजने रखने के लिए बने रेलवे संग्रहालय : सचिव

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

जमालपुर। एशिया प्रसिद्ध रेल इंजन कारखाना को विकसित कर निर्माण कारखाना का दर्जा दिए जाने के साथ-साथ कारखाना में वर्कलोड बधाई जाने की मांग को लेकर ऑल इंडिया रेलवे पैसेंजर्स एसोशिएशन की ओर से केंद्रीय रेल मंत्री को 11 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा। जानकारी देते हुए संगठन के सचिव सह जमालपुर नगर राजद अध्यक्ष सुनील कुमार उर्फ बमबम यादव ने कहा कि अंग्रेज शासन काल में एशिया का सबसे बड़ा रेल कारखाना जमालपुर में स्थापित किया गया था। जहां उसे वक्त वाष्प इंजन के निर्माण के साथ-साथ मालगाड़ी के वैगन निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण वर्कलोड दिए गए थे। जमालपुर के कुशल कारीगरों के दम पर जमालपुर रेल कारखाना ने टावर कार, जमालपुर जैक, 140 टन क्रेन सहित कई अन्य रेल से संबंधित उपकरणों के निर्माण में महारथ हासिल किया। समय के अनुरूप आधिकारिक उदासीनता के कारण जमालपुर रेल कारखाना के वर्कलोड को घटाने के साथ-साथ यहां से मजदूरों की संख्या भी काफी कम कर दी गई। जिसका सीधा प्रभाव जमालपुर शहर के व्यवसाय पर भी पड़ रहा है। जमालपुर में अंग्रेज शासन काल में भारतीय रेलवे यांत्रिक एवं विद्युत अभियंत्रण संस्थान (ईरिमी) के अधीन संचालित हो रहे स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस की पढ़ाई समाप्त कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जमालपुर में रेलवे विश्वविद्यालय निर्माण को लेकर जो वायदा किया गया था उसे भी अब तक पूरा नहीं किया गया है। बमबम यादव ने आगे कहा कि जमालपुर में अंग्रेज जमाने में जमालपुर के पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्र को जोड़ने के लिए दो रेल ओवर ब्रिज का निर्माण किया गया था। जुबली वेल से नेशनल इंस्टिट्यूट के बीच बड़ी पुल जिसपर से पैदल यात्रियों के साथ-साथ वाहनों का आवागमन होता था। जबकि जमालपुर स्टेशन से सटे छोटी पुल से होकर रेलवे कर्मचारी रेल यात्री तथा स्थानीय आम जनता पैदल आवागमन करते थे। मगर रेलवे प्रशासन द्वारा छोटी पुल के मरम्मत के नाम पर धोखे से इस ऐतिहासिक छोटी पुल को एक साजिश के तहत ध्वस्त कर दिया गया। जिससे

रेल यात्रियों के साथ-साथ रेलकर्मियों और स्थानीय आम जनता को आने-जाने में काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। रेल मंत्री को इस पर ध्यान देते हुए जमालपुर की आम जनता के लिए रेलवे स्टेशन के निकट ईस्ट कॉलोनी क्षेत्र को फिर से जोड़ने के लिए नए रेल ओवर ब्रिज का निर्माण कराया जाना चाहिए। एसोसिएशन की अध्यक्ष सह बिहार प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रदेश सचिव मानसी कुमारी ने कहा कि रेल नगरी जमालपुर से रेलवे के कई यूनिट को जमालपुर से हटा लिया गया है। इसके अलावा रेल इंजन कारखाना अंतर्गत रेल मंडल स्तरीय कई पदों को मालदा शिफ्ट कर दिया गया है। जिससे रेलवे के विकास में काफी बाधा उत्पन्न हो रही है। रेलवे मुख्य अस्पताल को विकसित करने के बजाय रेलवे अस्पताल से चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या घटा दी गई है। इसको ध्यान में रखते हुए जमालपुर से समाप्त किए गए सभी पदों को फिर से बहस करते हुए रेलवे मुख्य अस्पताल को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से संबद्धता देते हुए इसे सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इसके अलावा जमालपुर में मेट्रो रेल और मेमू ट्रेन के निर्माण को लेकर वर्कलोड किया जाना चाहिए। वही, जमालपुर जंक्शन से पूरब की ओर वाई-लेग पर न्यू जमालपुर रेलवे स्टेशन का निर्माण कर भागलपुर-मुंगेर रेल लाइन से होकर गुजरने वाली ट्रेनों का ठहराव न्यू जमालपुर रेलवे स्टेशन पर सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा जमालपुर से सीतापुर और लखीमपुर के लिए एक्सप्रेस ट्रेन, जमालपुर से मुंगेर होते हुए जयनगर के लिए एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेन, जमालपुर से खगड़िया होते हुए कटिहार और पूर्णिया के लिए एक्सप्रेस तथा पैसेंजर ट्रेन की व्यवस्था किया जाए। एसोसिएशन की ओर से इन मांगों पर रेल मंत्री से बातचीत कर इसे पूरा करने के लिए गुहार लगाया जाएगा।

एनएचआरसी ने अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर की गिरफ्तारी का लिया संज्ञान

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने हरियाणा के अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी और हिरासत के संबंध हरियाणा के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के अंदर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने कहा है कि प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि प्रोफेसर पर लगे आरोप मानवाधिकारों और स्वतंत्रता का उल्लंघन है। आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इसपर नोटिस जारी किया है। आयोग ने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के अंदर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। प्रोफेसर महमूदाबाद पर एक लेख के जरिए धार्मिक विद्वेष फैलाने और सेना की महिला अधिकारियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। प्रोफेसर महमूदाबाद को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विवादित टिप्पणी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज अंतरिम जमानत दी। कोर्ट ने उन्हें जांच में सहयोग करने और संबंधित पोस्ट पर आगे कोई बयान न देने का निर्देश दिया।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए ड्रॉ प्रक्रिया पूरी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय की ओर से आयोजित की जा रही कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए यात्रियों का चयन आज एक कंप्यूटरीकृत ड्रॉ के माध्यम से किया गया। यात्रा का आयोजन जून से अगस्त तक किया जाएगा। विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने आज ड्रॉ किया। मंत्रालय ने कहा कि चयन प्रक्रिया में निष्पक्षता और लैंगिक संतुलन को सुनिश्चित किया गया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार चयनित यात्रियों को उनके चयन की सूचना एसएमएस और ई-मेल के जरिए दी गई है। यात्री यात्रा की वेबसाइट पर जाकर अपने चयन की स्थिति देख सकते हैं। इसके अलावा हेल्पलाइन नंबर 011-23088133 पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस वर्ष 5561 आवेदकों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया। इनमें 4024 पुरुष और 1537 महिलाएं थीं। कुल 750 यात्रियों का चयन किया गया है। इनमें प्रति बैच 2 स्थानीय अधिकारी भी होंगे। यात्रा में 5 बैच 50 यात्रियों के साथ लिपुलेख मार्ग से और 10 बैच 50 यात्रियों के साथ नाथू ला मार्ग से यात्रा करेंगे। दोनों मार्ग अब पूरी तरह से मोटर योग्य हैं और इनमें बहुत कम ट्रैकिंग करनी होगी। मार्ग और बैच के विवरण यात्रा की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।मंत्री सिंह ने अपने संबोधन में यात्रा को अधिक सुलभ बनाने और प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यात्रियों से यात्रा को जिम्मेदारी, विनम्रता और सजगता के साथ करने की अपील की। उन्होंने पर्यावरण की पवित्रता को बनाए रखने का भी आग्रह किया।

दिल्ली को प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में डीटीयू का जागरूकता कार्यक्रम

नई दिल्ली । दिल्ली को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए शासन और प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली के शाहबाद दौलतपुर स्थित दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) ने 'प्लास्टिक मुक्त सार्वजनिक स्थान' अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के उपमहापौर जयभगवान यादव, निगम आयुक्त अश्विनी कुमार और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिल्ली को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए लोगों में जागरूकता फैलाना था। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा, 'स्वच्छ दिल्ली का सपना तभी साकार होगा, जब हम सभी मिलकर प्लास्टिक के उपयोग को कम करें। इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मैं दिल्ली नगर निगम, दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी और इस आयोजन से जुड़ी सभी संस्थाओं को बधाई देता हूं।' उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे एकल-उपयोग प्लास्टिक से परहेज करें और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाएं।

प्रोफेसर अली खान मामले में मैंने कोई पत्र नहीं लिखा : प्रियांक कानूनगो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने हरियाणा की अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी और हिरासत को लेकर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को पत्र लिखकर इस पूरे मामले पर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। प्रोफेसर महमूदाबाद की गिरफ्तारी को लेकर विभिन्न मानवाधिकार संगठनों और शिक्षाविदों द्वारा चिंता जताई गई थी, जिसके बाद एनएचआरसी ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया।

इस बीच एनएचआरसी के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने इस पर पत्र नहीं लिखा है। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह पत्र उनके संस्थान की ओर से भेजा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मानवाधिकार कानून की धारा 36 के अनुसार यदि किसी राज्य में पहले से ही राज्य मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लिया हो, तो फिर राष्ट्रीय आयोग उसी मामले में दोबारा संज्ञान नहीं ले सकता। इस दौरान प्रियांक कानूनगो आईएएनएस से दूरी बनाते हुए नजर आए और सार्वजनिक रूप से कोई विस्तृत बयान नहीं दिया।

पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद का केंद्र, ध्यान भटकाने के लिए ले रहा भारत का नाम : विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बलूचिस्तान की घटनाओं के संबंध में पाकिस्तान के तमाम आरोपों को खारिज कर दिया। मंत्रालय द्वारा जारी संक्षिप्त बयान में कहा गया है, 'खुजदार में हुई घटना में पाकिस्तान भारत पर आरोप लगा रहा है। भारत सरकार इस आधारहीन आरोप का खंडन करती है और इस घटना में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करती है। पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र है, इसे छुपाने के लिए वह अक्सर भारत पर आरोप लगाता रहता है। दुनिया को धोखा देने वाला यह प्रयास असफल होने वाला है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार जिले में एक स्कूल बस को निशाना बनाकर विस्फोट किया गया। इस घटना में तीन बच्चे और दो वयस्क मारे गए हैं और 38 से अधिक घायल हैं। पाकिस्तान ने इस

हमले के लिए भारत को दोषी ठहराया है। भारत ने पाकिस्तान के इस आधारहीन आरोप को खारिज कर दिया है। इस घटना की जिम्मेदारी फिलहाल किसी संगठन ने नहीं ली है लेकिन शक बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) पर है, जो पूर्व में भी ऐसी घटनाओं को अंजाम देता रहा है। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में जवाबी कार्रवाई की थी और आतंकवादियों के नौ ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तानी सेना द्वारा भारत के सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन और मिसाइलों से हमले के जवाब में भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम और 11 एयरबेस तबाह कर दिए। पाकिस्तान अपने बड़े नुकसान को स्वीकार करने की बजाय भारत के मिसाइलों और राफेल विमानों को गिराने की झूठी कहानी अपने लोगों और दुनिया को सुना रहा है। पाकिस्तान की इसी झूठ का पर्दाफाश करने के लिए भारत सरकार ने सांसदों का एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल बनाया है जो विदेशों में जाकर सबूत सहित पाकिस्तान को हुए नुकसान को बताएगा और उसकी पोल खोलेगा।

प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में सुरक्षा बलों द्वारा 27 माओवादियों को मार गिराने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हमें अपने सुरक्षा बलों पर गर्व है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह के एक एक्स पोस्ट पर कहा कि उनकी सरकार माओवाद से जुड़ी अराजकता को पूरी तरह से समाप्त करने और अपने लोगों की शांति और प्रगति की चाह पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है। गृहमंत्री अमित शाह ने बताया है कि तीन दशकों में यह पहली बार है कि सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में महासचिव स्तर के नक्सली नेता को मार गिराने में सफलता हासिल की है। शाह ने कहा, नक्सलवाद को खत्म करने की लड़ाई में एक ऐतिहासिक उपलब्धि। आज, छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में एक ऑपरेशन में हमारे सुरक्षा बलों ने 27 खूंखार माओवादियों को ढेर कर दिया है, जिनमें सीपीआई-माओवादी का महासचिव, शीर्ष नेता और नक्सल आंदोलन की रीढ़ नंबाला

केशव राव उर्फ बसवराजू भी शामिल है। गृहमंत्री ने खुशी जाहिर की कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने एक बार फिर अपनी सरकार के उसे संकल्प को दोहराया जिसमें देश को 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद से मुक्त करने का वादा किया गया है।

कांग्रेस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'छिटपुट युद्ध' कहकर सेना की शहादत और साहस का मजाक उड़ाया : तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश और मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाए गए सवालों पर कहा कि कांग्रेस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'छिटपुट युद्ध' कहकर देश की सेना की शहादत और साहस का मजाक उड़ाया है। यह न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि राष्ट्रविरोधी मानसिकता का प्रमाण भी है। तरुण चुघ ने कहा, 'आज यह स्पष्ट हो गया है कि हाफिज सईद जैसे आतंकवादी राहुल गांधी को क्यों पसंद करते हैं। क्योंकि कांग्रेस का पूरा नेतृत्व पाकिस्तान की नैरेटिव फैक्ट्री का मुफ्त प्रवक्ता बन गया है। जिस पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 निर्दोष लोगों को मारा है, उनके खिलाफ कार्रवाई होने पर आपको दिक्कत क्या हो रही है? उन्होंने कहा कि खड़गे 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'छोटा युद्ध' कहकर हमारे वीर जवानों की शौर्यगाथा पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, जबकि सेना ने पाकिस्तान में

घुसकर नौ आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त किया और 100 से अधिक आतंकियों का खात्मा किया। पाकिस्तान के 11 एयरबेस नेस्तनाबूद हुए, क्या इसे छोटा युद्ध कहेंगे? भाजपा नेता ने कहा कि जब पाकिस्तान खुद तबाही के सुबूत दिखा रहा है, तब राहुल गांधी 'सबूत' की रट लगाकर सेना की बहादुरी का उपहास उड़ा रहे हैं। यही वजह है कि पाकिस्तान में वह 'पोस्टर बॉय' की तरह पूजे जा रहे हैं। तरुण चुघ ने मुर्शिदाबाद हिंसा के मामले में पश्चिम बंगाल में हाई कोर्ट द्वारा तृणमूल कांग्रेस के नेता पर आए फैसले पर कहा है कि जब राज्य की पुलिस पीड़ितों के फोन उठाने से इनकार कर दे और हत्यारे सत्ता की छाया में पनपें, तब वह राज्य संविधान नहीं, 'शरिया तंत्र' से चलाया जा रहा होता है। उन्होंने कहा कि यह बंगाल नहीं, 'मॉडर्न जिन्ना' ममता बनर्जी के राज में बनता हुआ तालिबान है। तृणमूल कांग्रेस पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के बंगाल में अब हिन्दू होना ही सबसे बड़ा अपराध बन गया है। तृणमूल पार्षद की अगुवाई में हुई बर्बर हिंसा और पुलिस की शर्मनाक चुप्पी इस सरकार की आतंकपरस्ती और हिन्दू विरोधी मानसिकता का खुला प्रमाण है।

पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत एक पाकिस्तानी अधिकारी को 'अपने आधिकारिक दर्जे के प्रतिकूल' गतिविधियों में शामिल होने के कारण 'अवांछित व्यक्ति' घोषित कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी 'चार्ज डी'अफेयर्स' को इस आशय का एक डिमार्श जारी किया गया। इसमें उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि भारत में कोई भी पाकिस्तानी राजनयिक या अधिकारी किसी भी तरह से अपने विशेषाधिकारों और स्थिति का दुरुपयोग न करें। यह निष्कासन यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा और कई अन्य लोगों की पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तारी के बाद हुआ है। यह गिरफ्तारी भारतीय सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर और भारतीय शहरों और सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाकिस्तान के हमलों के प्रयास के जवाब में देश में जासूसी

नेटवर्क पर कार्रवाई के दौरान की गई थी। इससे पहले 13 मई को भी एक पाकिस्तानी राजनयिक को देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर 'पर्सोना नॉन ग्रेटा' (अवांछित व्यक्ति) घोषित कर देश छोड़ने के लिए कहा गया था। विदेश मंत्रालय ने बताया था कि यह अधिकारी नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत था और उसकी गतिविधियां उसकी आधिकारिक स्थिति के अनुरूप नहीं थीं। सरकार ने उसे 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया था। इससे पहले, पंजाब पुलिस को भी जासूसी गतिविधियों से जुड़े एक महत्वपूर्ण नेटवर्क को उजागर करने में बड़ी सफलता मिली थी। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने जानकारी साझा करते हुए बताया था कि एक महत्वपूर्ण सफलता में मलेरकोटला पुलिस ने नई दिल्ली स्थित उच्चायोग में तैनात एक पाकिस्तानी अधिकारी से जुड़ी जासूसी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

'पाकिस्तान के यूट्यूब कंटेंट क्रिएटर की तरह कर रहे बात', शहजाद पूनावाला का खड़गे पर तंज

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के 'ऑपरेशन सिंदूर' को 'छिटपुट युद्ध' 'कहने पर भारतीय जनता पार्टी हमलावर है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने उन पर सेना का अपमान और 'पाकिस्तान के यूट्यूब कंटेंट क्रिएटर की तरह' बात करने का आरोप लगाया। शहजाद पूनावाला ने समाचार एजेंसी से कहा, 'नौ आतंकी कैंप, 11 मिलिट्री बेस तबाह कर दिए गए, 100 से ज्यादा आतंकी और 70 से अधिक पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। पहली बार न्यूक्लियर पावर देश में भारतीय सेना ने इस प्रकार का पराक्रम दिखाते हुए कार्रवाई की। लेकिन उनके लिए यह छिटपुट घटना और थोड़ी सी एक्टिविटी है। वे सेना का अपमान और पाकिस्तान के यूट्यूब कंटेंट क्रिएटर की तरह बात कर रहे हैं।

कांग्रेस और पाकिस्तान दोनों एक ही जुबान बोल रहे हैं। पाकिस्तान में युद्ध हारने के बाद फील्ड मार्शल बनाए जा रहे हैं और यहां पर कांग्रेस पार्टी में बैठे हुए फेल मार्शल पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा को बढ़ावा दे रहे हैं। पूनावाला ने कहा, कांग्रेस ने पहली बार सेना का अपमान नहीं किया है। सड़क का गुंडा बोलना, सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयर स्ट्राइक का प्रमाण मांगना। जिस प्रकार भारतीय सैन्य शक्ति का अजय राय समेत कई कांग्रेस नेताओं ने अपमान किया। कांग्रेस की प्रवृत्ति यह है कि सेना का अपमान करो, पाकिस्तान को बोलो भाई जान। जयराम रमेश के दुनियाभर में पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारत की ऑल पार्टी डेलिगेशन को ध्यान भटकाने वाला बताए जाने पर पूनावाला ने जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा, पहले सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया और अब डिप्लोमैटिक एक्सरसाइज की जा रही है, जिससे पाकिस्तान बेनकाब होगा। पता नहीं जयराम रमेश क्यों इतने खफा हैं कि इसे ध्यान भटकाने वाला बता रहे हैं। वे इसे पीआर एक्सरसाइज बता रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान की पीआर एक्सरसाइज तो कांग्रेस लगातार कर रही है। कांग्रेस नेताओं के बयान पाकिस्तानी मीडिया में दिखाए जा रहे हैं। पाक को क्लीन चिट देना कांग्रेस की पुरानी आदत है। उन्होंने पहले भी ऐसा किया है।

खुजदार हमले पर भारत ने पाकिस्तान के आरोप किए खारिज, जनहानि पर जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने बलूचिस्तान के खुजदार में हुए हमले में पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज किया है। साथ ही भारत ने जनहानि पर शोक व्यक्त किया है और कहा है कि पाकिस्तान का दुनिया को धोखा देने का यह प्रयास असफल होने वाला है। पाकिस्तान के आरोपों के संबंध में मीडिया के प्रश्नों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत आज खुजदार में हुई घटना में भारत की संलिप्तता के बारे में पाकिस्तान द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों को खारिज करता है। भारत ऐसी सभी घटनाओं में हुई जानमाल की हानि पर शोक व्यक्त करता है। प्रवक्ता के मुताबिक पाकिस्तान ने अपने सभी आंतरिक मुद्दों के लिए भारत को दोष देने की आदत बना ली है। इसका मकसद आतंकवाद के वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी प्रतिष्ठा से ध्यान हटाना और अपनी घोर विफलताओं को छिपाना है। उल्लेखनीय है कि आज 21 मई को बलूचिस्तान के खुजदार में एक आर्मी स्कूल बस में हुए विस्फोटक में तीन बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई और 38 से अधिक बच्चे घायल हो गए।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर दी बधाई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी नेप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की बधाई दी। मुख्यमंत्री ने सेना का आभार जताया। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह नई दिल्ली में स्थित हरियाणा भवन में पत्रकारों को संबोधित किया।मुख्यमंत्री सैनी ने पत्रकारों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के जांबाज सैनिकों ने आतंकी ठिकानों को उनकी सर जमीन पर ही मिट्टी में मिला का काम किया है। ऐसा ऐतिहासिक निर्णय प्रधानमंत्री ही ले सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने कायराना हरकत कर निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतारा। इस घटना से देश के लोग आहत थे और उनमें रोष था। देश के नागरिक आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाते हुए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और हमारे सैनिकों ने आतंकियों को उन्हीं की सर जमीन पर जाकर धूल में मिलाने का काम किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले आतंकवादी देश में घुसकर

घटनाओं को अंजाम देते थे। पूरे देश में भय का माहौल था, कोई भी सुरक्षित नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने का काम किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है, आतंकवाद की बची हुई जमीन को मिट्टी में मिलाने का। जहां से आतंकवादी जन्म लेते थे और पाक उन्हें संरक्षण देता था, उसी पाक की भूमि पर जाकर हमारे सैनिकों ने आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। प्रधानमंत्री ने ऐसी कार्रवाई करके देश को मजबूत, सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में काम किया है। अब देश में संतुष्टि का भाव है और आतंकियों में भय का माहौल बना है।

बांद्रा-बीकानेर के बीच नई ट्रेन सेवा

एजेंसी

नई दिल्ली। । भारतीय रेल ने बांद्रा टर्मिनस और बीकानेर के बीच नई साप्ताहिक रेलगाड़ी प्रारंभ करने का फैसला किया है। इस संबंध में अधिसूचना रेलवे बोर्ड द्वारा जारी कर दी गई है। 22 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान के देशनोक स्टेशन से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उसके बाद इस ट्रेन की नियमित सेवा प्रारंभ होगी। रेलगाड़ी संख्या 21903 प्रत्येक सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से रात्रि 23:25 बजे रवाना होगी और मंगलवार को रात्रि 20:40 पर बीकानेर पहुंचेगी। रेलगाड़ी संख्या 21904 बीकानेर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस प्रत्येक सुबह 8:50 बजे बीकानेर स्टेशन से खुलेगी और बृहस्पतिवार को सुबह 6:45 बजे बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पहुंचेगी। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना एवं प्रचार) दिलीप कुमार ने बताया कि इस रेलगाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, बड़ोदरा, आनंद नडियाद, साबरमती, मेहसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, पाली मारवाड़, जोधपुर, मेड़ता रोड, नागौर, नोखा और देशनोक स्टेशनों पर दिया गया है। इस गाड़ी में तृतीय वातानुकूलित इकोनामी श्रेणी के 18 और द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के दो कोच होंगे। दो कोच लगेज और जनरल ब्रेकवान वाले होंगे। पूरी ट्रेन में कुल मिलाकर 22 कोच रहेंगे।

पाकिस्तान में प्रमोशन का तमाशा, राजा की हताशा :मुख्तार अब्बास नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर के प्रमोशन से लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में सामने आए घटनाक्रम और ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस पार्टी के नेताओं की बयानबाजी पर अपनी राय रखी। मुनीर के प्रमोशन पर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, हमारी सेना के जांबाजों ने पाकिस्तान और वहां मौजूद आतंकवाद की फैक्ट्री का जो जोरदार सफाया किया है, उससे पाकिस्तान की सरकार और सेना बुरी तरह बौखला गई है। इस हताशा में वहां 'प्रमोशन का तमाशा' किया जा रहा है। यह उस 'राजा की हताशा'को दर्शाता है, जहां असफलता छिपाने के लिए दिखावटी पदोन्नतियां की जा रही हैं। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में सामने आए घटनाक्रम और उस पर हाईकोर्ट के फैसले को लेकर नकवी ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, «हमारा देश ऐसा नहीं हो सकता, जहां बहुसंख्यक समुदाय को सांप्रदायिक असहिष्णुता का शिकार होना पड़े। इसका मुख्य कारण है कि क्रूर और आपराधिक मानसिकता वाले तत्वों को सियासी संरक्षण और

सुरक्षा दी जाती है। ऐसे संरक्षण के कारण ही इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं। इस प्रकार की राजकाज की क्रूरता के लिए वे लोग जिम्मेदार हैं, जो इन अपराधियों को बढ़ावा देते हैं। कांग्रेस पार्टी के नेताओं द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर की गई आलोचना को लेकर नकवी ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज कार्टून प्रतियोगिता में खुद कार्टून बनती जा रही है। जो पार्टी देश की सेना के पराक्रम और सरकार के फैसलों पर सवाल उठाती है, वह देश की जनता के दिल और दिमाग में अपना सम्मान खो चुकी है।उन्होंने आगे कहा कि आज जब हमारी सेना ने आतंकवादियों को करारा जवाब दिया है, पूरा देश गर्व से भर उठा है, लेकिन कांग्रेस पार्टी इसमें भी राजनीतिक अवसर ढूंढ रही है। कांग्रेस कभी भी न सेना के कार्यों की सराहना कर सकती है, न ही सरकार के किसी राष्ट्रहित के फैसले की प्रशंसा कर सकती है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस को घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुर्शिदाबाद हिंसा पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट पर पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने इसकी तुलना पहलगाम हमले से की है और कहा है कि मुर्शिदाबाद में सुनियोजित तरीके से हिन्दू घरों, संपत्तियों और लोगों को निशाना बनाया गया। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को पत्रकार वार्ता कर कहा कि एसआईटी की टीम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के रजिस्ट्रार और पश्चिम बंगाल न्यायिक सेवा के दो अधिकारी शामिल थे। इन स्वतंत्र अधिकारियों की रिपोर्ट से यह साबित हो गया है कि ममता सरकार के कार्यकाल में हिन्दुओं पर क्रूर अत्याचार किए गए। त्रिवेदी ने बताया कि हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त समिति की रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि 11 अप्रैल को दोपहर 2 बजे से हमले शुरू हुए और ये स्थानीय तृणमूल नेता महबूब आलम के निर्देश पर हुए।

पुलिस और प्रशासन मूकदर्शक बने रहे और कोई कार्रवाई नहीं की गई।उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में बताया गया कि कुल 113 घरों को नुकसान पहुंचाया गया और लोग जान बचाकर मालदा की ओर पलायन करने को मजबूर हुए। यह घटना दर्शाती है कि हिंसा कितनी गंभीर थी। इसके बावजूद कुछ टीएमसी नेता कह रहे थे कि कुछ खास नहीं हुआ। विपक्ष की हिंसा पर लगातार चुप्पी पर त्रिवेदी ने निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हमले को लेकर सवाल उठाने वाले हिन्दुओं की हत्या पर कुछ नहीं कह रहे। हरगोविंद दास और चंदन दास की हत्या पर चुप्पी और पाकिस्तान के लिए सहानुभूति दिखाना विपक्ष की दोहरी नीति को उजागर करता है।

ईपीएफओ ने मार्च 2025 के दौरान 14.58 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मार्च महीने के दौरान कुल 14.58 लाख सदस्य जोड़े हैं। यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 1.15 फीसदी अधिक है। ईपीएफओ ने इस साल मार्च में करीब 7.54 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। यह फरवरी, 2025 की तुलना में यह आंकड़ा 2.03 फीसदी और मार्च 2024 की तुलना में 0.98 फीसदी अधिक है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि नए सदस्यों की संख्या में वृद्धि रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभ के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल जागरूकता कार्यक्रमों के कारण है। मंत्रालय ने बताया कि इससे पता चलता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले ज्यादातर व्यक्ति युवा हैं। आंकड़ों के मुताबिक नए सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग के 4.45 लाख सदस्य थे, जिससे नए सदस्यों में इनकी हिस्सेदारी 58.94 फीसदी रही। इसके अलावा मार्च 2025 में 18-25 आयु वर्ग के कुल सदस्यों की संख्या में मासिक आधार पर 4.21 फीसदी और सालाना आधार पर 4.73 फीसदी की वृद्धि हुई। इससे पता चलता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले ज्यादातर व्यक्ति युवा हैं।कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मार्च 2025 में करीब 7.54 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। फरवरी, 2025 की तुलना में यह आंकड़ा 2.03 फीसदी और मार्च 2024 की तुलना में 0.98 फीसदी अधिक है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.18 प्रतिशत बढ़कर 61.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.08 प्रतिशत की तेजी लेकर 64.96 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

बीएलएस ई-सर्विसेज की 2027 तक 60000 बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट का नेटवर्क बनाने की योजना

नई दिल्ली। तकनीक सक्षम डिजिटल सेवा प्रदाता कंपनी बीएलएस ई-सर्विसेज लिमिटेड ने भारत के ग्रामीण, अर्ध-शहरी और कम सेवा वाले क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से वित्त वर्ष 2027 तक अपने बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) नेटवर्क को 60 हजार एजेंटों तक विस्तार करने की योजना की घोषणा की है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि वर्तमान में कंपनी 44 हजार 800 से अधिक सक्रिय बीसी के साथ 700 जिलों में कार्यरत है और वित्त वर्ष 2025 में 87 हजार करोड़ रुपये से अधिक के एक करोड़ 40 लाख से अधिक लेनदेन दर्ज कर चुकी है। कंपनी अब तक 12 लाख से अधिक बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खाते खोल चुकी है और एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की डीबीटी राशि वितरण में सहभागी रही है। बीएलएस की 300 से अधिक सेवाओं में एईपीएस, खाता खोलना, बिल भुगतान, माइक्रो-लोन और बीमा जैसी सेवाएं शामिल हैं। कंपनी के अध्यक्ष शिखर अग्रवाल ने बताया, कंपनी का लक्ष्य हर आउटलेट को एक 'वन-स्टॉप डिजिटल एक्सेस पॉइंट' बनाना है ताकि प्रत्येक घर को औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच मिल सके।

इंडसइंड बैंक को 2328.9 करोड़ का नुकसान

मुंबई। निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक को 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 2328.9 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ है जबकि इसके पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में उसे 2349.2 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ था।

बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि इसे वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 2328.9 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ है। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 की अंतिम तिमाही में उसका सकल शुद्ध मुनाफा 2349.2 करोड़ रुपये रहा था। इस अवधि में उसकी कुल आय 14706.7 करोड़ रुपये के मुकाबले 22.9 प्रतिशत घटकर 11342.7 करोड़ रुपये पर आ गई। वहीं, उसका कुल व्यय 10625.1 करोड़ रुपये से 11.4 प्रतिशत बढ़कर 11833.6 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आलोच्य अवधि में बैंक का सकल गैर निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) 1.92 प्रतिशत से बढ़कर 3.13 प्रतिशत हो गया। इसी तरह शुद्ध एनपीए 0.57 प्रतिशत से बढ़कर 0.95 प्रतिशत पर पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,430 रुपये से लेकर 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,310 रुपये से लेकर 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,00,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है दिल्ली में 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,430 रुपये प्रति 10 ग्राम

और 22 कैरेट सोना 89,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,430 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर, जबकि 22 कैरेट सोना 89,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भारत ने 2025-26 के लिए एशियाई उत्पादकता संगठन की अध्यक्षता संभाली

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने औपचारिक रूप से एशियन प्रोडक्टिविटी ऑर्गनाइजेशन (एपीओ) की वित्त वर्ष 2025-26 कार्यकाल के लिए अध्यक्षता संभाल ली है। यह घोषणा 20 से 22 मई तक इंडोनेशिया के जकार्ता में आयोजित एपीओ की 67वीं गवर्निंग बॉडी मीटिंग (जीबीएम) के दौरान की गई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव तथा भारत के लिए एपीओ निदेशक आईएएस अधिकारी अमरदीप सिंह भाटिया कर रहे हैं। एपीओ एक क्षेत्रीय अंतर सरकारी संगठन है, जो 1961 में स्थापित हुआ था। यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने के लिए सहयोग को बढ़ावा देता है। मंत्रालय ने कहा कि अध्यक्ष के रूप में भारत ने एपीओ विजन 2030 और ग्रीन उत्पादकता 2.0 ढांचे को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। इसने डिजिटल परिवर्तन,

स्थिरता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में क्षेत्रीय सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया और समावेशी उत्तरदायी तथा परिणाम-उन्मुख एपीओ पहलों के लिए समर्थन का वचन दिया।

केएफसी ने नई किफायती 'एपिक सेवर्स' रेंज पेश की, अब 299 रुपये में मिलेगा बेहतरीन स्वाद

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के सबसे पसंदीदा क्विक सर्विस रेस्टोरेंट्स में से एक केएफसी इंडिया ने अपने ग्राहकों के लिए एपिक सेवर्स नामक एक नया प्रमोशनल ऑफर पेश किया है। इस ऑफर के तहत सिर्फ 299 रुपये में आप 7 बोनलेस चिकन स्ट्रिप्स और 2 हॉट एंड क्रिस्पी चिकन पीसेज का मजा ले सकते हैं। ब्रांड ने इसके साथ एक नया कैंपेन फिल्म भी लॉन्च किया है जिसमें बॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर और एंटरटेनमेंट की दुनिया के जाने-माने नाम दानिश सैत नजर आ रहे हैं। दोनों अपने खास अंदाज में केएफसी की इस ऑफर को लेकर एक्साइटमेंट और चिकन लवर्स वाली मस्ती दिखाते हैं और यही बताते हैं कि यह नया ऑफर ग्राहकों को भी तुरंत जोड़ लेती है। कंपनी नेएक बयान में कहा कि यह ऑफर देशभर के 1300 से ज्यादा केएफसी रेस्टोरेंट्स में उपलब्ध है, लेकिन सिर्फ डाइन-इन ऑर्डर के लिए वैध है। यह खासकर उन लोगों के लिए हिट है जो कम खर्च करके बेहतरीन स्वाद का आनंद

लेना चाहते हैं। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए है। केएफसी इंडिया और पार्टनर कंट्रीज की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अपर्णा भवाल ने कहा, "एपिक सेवर्स के जरिए हम उपभोक्ताओं को एक बेहद प्रतिस्पर्धी कीमत पर वैल्यू और स्वाद दोनों दे रहे हैं। 299 रुपये में केएफसी के 9 सिग्नेचर पीस-यह हमारे अब तक के सबसे प्रभावशाली वैल्यू ऑफर्स में से एक है। उन्होंने बताया कि इस रेंज को खासतौर पर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जो स्वाद के साथ-साथ किफायत को भी अहमियत देते हैं। यह ऑफर केवल डाइन-इन के लिए उपलब्ध है, और यही इसे आउटलेट विजिट के लिए एक उपयुक्त विकल्प बनाता है।

तीन दिनों की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटे खरीदार, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार तीनों दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार में आज खरीदार लौटते नजर आए। आज के कारोबार में सेंसेक्स एक बार फिर 82 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल हुआ। इसी तरह निफ्टी भी 24,900 अंक के स्तर को पार कर गया। हालांकि बाद में हुई बिकवाली के कारण दोनों सूचकांक ऊपरी स्तर से नीचे फिसल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.51 प्रतिशत और निफ्टी 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज पूरे दिन के कारोबार के दौरान रियल्टी, डिफेंस और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स आज गिरावट का शिकार हो गया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर मजबूती बनी रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 441.06 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 438.03 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.03 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,115 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,301 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,678 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 136 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,558 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,630 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 928 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर बढ़त के साथ और 6 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 141.17 अंक की बढ़त के साथ 81,327.61 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही खरीदारों के सपोर्ट से इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के कारण सुबह 10:30 बजे तक ये सूचकांक 835.20 अंक उछल कर 82,021.64 अंक तक पहुंच गया।

फ्लिपकार्ट फैशन के एथनिक वियर कैटेगरी ने एक साल में जोड़े 60 लाख से ज्यादा ग्राहक, 90 फीसदी लोगों ने की बार-बार खरीदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट पर पिछले एक साल में 60 लाख से ज्यादा लोगों ने एथनिक वियर की खरीदारी की है। इनमें से करीब 90 फीसदी ग्राहक ऐसे हैं जिन्होंने बार-बार शॉपिंग की। इस प्लेटफॉर्म पर आधे से ज्यादा एथनिक वियर खरीदार 25 से 35 साल के बीच हैं। यह दिखाता है कि ई-कॉमर्स का दायरा खासकर के युवाओं में कैसे तेजी से बढ़ रहा है।

फ्लिपकार्ट ने अपने महिलाओं के एथनिक वियर सेगमेंट की वृद्धि से जुड़े बड़े ट्रेंड्स सामने रखे। इन जानकारियों में क्षेत्रीय रुझानों, बदलते कस्टमर बिहेवियर और उन डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स की चर्चा की गई है, जो पारंपरिक पहनावे को आधुनिक रिटेल परिवेश में नए रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। 'हर रोज पहनने वाले' एथनिक वियर की देशभर में

मांग तेजी से बढ़ रही है, जिनमें बेंगलुरु, नई दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद, पटना, लखनऊ, चेन्नई, पुणे, मुंबई और गुवाहाटी जैसे शहर खास हैं। खरीदारी के व्यवहार की यदि बात करें तो महिलाओं के एथनिक वियर में 65 फीसदी खरीदारी खुद महिलाएं करती हैं, जबकि पुरुषों के एथनिक वियर में 88 फीसदी शॉपिंग पुरुष खुद करना पसंद करते हैं। यह कैटेगरी छोटे शहरों में भी तेजी से पॉपुलर हो रही है। देश के टियर-3 और छोटे कस्बों से अब 55 फीसदी ग्राहक जुड़ रहे हैं, जो दिखाता है कि फैशन अब सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहा। आज के एथनिक फैशन में ट्रेडिशन और ट्रेंड का सुंदर मेल देखने को मिल रहा है। इंडो-वेस्टर्न आउटफिट्स भी युवाओं में काफी पसंद किए जा रहे हैं। फ्लिपकार्ट फैशन के वाइस प्रेसिडेंट कुनाल गुप्ता ने कहा, "फ्लिपकार्ट पर हम एथनिक वियर कैटेगरी, खासतौर पर साड़ी और कुर्ता में जबरदस्त वृद्धि देख रहे हैं, जो पूरे देश में ग्राहकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। एथनिक फैशन आज टियर-2 और टियर-3 शहरों के नए खरीदारों के लिए एक अहम प्रवेश द्वार बनकर उभरा है, जहां पारंपरिक पहनावे की जरूरतें अब ऑनलाइन खरीदारी की सुविधा से पूरी हो रही हैं। यह सेगमेंट न केवल नए ग्राहकों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, बल्कि हमारे विविध उपभोक्ता वर्ग की गहरी सांस्कृतिक पसंद को भी दर्शा रहा है।

कुमारस्वामी ने देश में ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने एक अंतर-मंत्रालयी बैठक में देशभर में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार की समीक्षा की। बैठक में भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही 10,900 करोड़ रुपये की पीएम ई-ड्राइव योजना में देशभर में 72,000 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का परिव्यय तय किया गया। केन्द्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने देशभर में ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे की समीक्षा करने तथा उसमें तेजी लाने के लिए पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा भारी उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। मंत्रालय ने बताया कि 2,000 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ पीएम ई-ड्राइव योजना देशभर में करीब 72,000 ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना का समर्थन करेगी। इन स्टेशनों को 50 राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारों के साथ-साथ मेट्रो शहरों, टोल प्लाजा, रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों, ईंधन आउटलेट और राज्य राजमार्गों जैसे उच्च-यातायात स्थलों पर रणनीतिक रूप से तैनात किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे के कार्यान्वयन की समीक्षा करने और इसमें तेजी लाने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समन्वय बैठक में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और हरित परिवहन के जरिए नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए एक मजबूत, सुलभ एवं भविष्य के लिए तैयार ईवी परिवेश के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

इरेडा को डीपीई से मिली 'उत्कृष्ट' रेटिंग, शीर्ष 4 सीपीएसई में स्थान मिला और पावर एवं एनबीएफसी क्षेत्र में नंबर 1

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी, पूर्ण रूप से हरित वित्तपोषित, गैर बैंकिंग वित्त कंपनी (एनबीएफसी), भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) को सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) से 'उत्कृष्ट' रेटिंग मिली है। कंपनी ने शीर्ष 4 सीपीएसई में स्थान और पावर एवं एनबीएफसी क्षेत्र में प्रथम स्थान हासिल किया है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (आईआरईडीए) को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कंपनी द्वारा हस्ताक्षरित वार्षिक प्रदर्शन समझौता ज्ञापन के लिए सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा विद्युत और एनबीएफसी क्षेत्र के सीपीएसई के बीच शीर्ष प्रदर्शनकर्ता के रूप में मान्यता दी गई है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए

डीपीई द्वारा जारी सूची में 84 सीपीएसई की रेटिंग शामिल है। इसमें इरेडा देश के शीर्ष 4 सीपीएसई में शामिल है, जिसने 98 और उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इरेडा को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए लगातार चौथे वर्ष 7 जनवरी 2025 को एमओयू 'उत्कृष्ट' रेटिंग प्राप्त हुई। डीपीई द्वारा अब 84 सीपीएसई की समेकित सूची जारी की गई है। इरेडा के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, एनबीएफसी और पावर सेक्टर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सीपीएसई के रूप में पहचाने जाने और 98 और उससे अधिक स्कोर के साथ देश के शीर्ष 4 सीपीएसई में शामिल होने पर हमें बेहद खुशी है। यह उपलब्धि भारत के नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन में तेजी लाने के लिए हमारी टीम के सामूहिक समर्पण और रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाती है। यह रेटिंग ग्रीन फाइनेंसिंग में इरेडा के नेतृत्व और अभिनव और टिकाऊ ऊर्जा समाधानों से राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

इंडिगो जुलाई में मुंबई से मैनचेस्टर, एम्स्टर्डम के लिए शुरू करेगी उड़ानें

एजेंसी

नई दिल्ली। बजट एयरलाइन कंपनी इंडिगो जुलाई में मुंबई से पट्टे पर लिए गए बोइंग 787-9 विमानों के साथ मैनचेस्टर और एम्स्टर्डम के लिए अपनी सीधी उड़ानें शुरू करेगी। ब्रिटेन के इस शहर के लिए उड़ान सेवा की शुरुआत के साथ एयरलाइन की लंबी दूरी की उड़ानों की भी शुरुआत होगी। इंडिगो ने जारी बयान में बताया कि वो अपने बेड़े के साथ-साथ विदेशी संपर्क का विस्तार कर रही एयरलाइन 01 जुलाई से मुंबई-मैनचेस्टर (ब्रिटेन) उड़ान और 02 जुलाई से मुंबई-एम्स्टर्डम (नीदरलैंड) सेवा शुरू करेगी। एयरलाइन की दोनों सेवाएं हफ्ते में तीन बार संचालित की जाएंगी और इन मार्गों पर यात्रियों को निःशुल्क गर्म भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इंडिगो ने कहा कि यह मैनचेस्टर की उड़ान के साथ भारत और उत्तरी यूके के बीच सीधी कनेक्टिविटी

प्रदान करने वाली एकमात्र एयरलाइन होगी। एयरलाइन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने कहा कि लंबी दूरी की उड़ानों में इसकी शुरुआत वैश्विक विस्तार की यात्रा में महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा, हम मुंबई को मैनचेस्टर से जोड़ने वाली अपनी पहली लंबी दूरी की सेवा की बिक्री शुरू करने पर बहुत गर्व और उत्साहित हैं, जो कई मायनों में बहुत ही खास मार्ग है। उल्लेखनीय है कि बजट एयरलाइन कंपनी इंडिगो वर्तमान में 400 से अधिक विमानों के बेड़े के साथ 90 से अधिक घरेलू और 40 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ने वाली 2,200 से अधिक दैनिक उड़ानें संचालित करता है।

खाद्य तेलों में टिकाव, अरहर दाल महंगी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि मांग निकालने से अरहर दाल महंगी हो गई वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 25 रिंगिट की गिरावट के साथ 3895 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.52 सेंट चढ़कर 50.02 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और पिछले स्तर पर पड़े रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में अरहर दाल में 100 रुपये प्रति क्विंटल तक की तेजी को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति में जमीनी स्तर पर भागीदारी शामिल होनी चाहिए : डीपीआईआईटी

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने प्रस्तावित 'राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति' के निर्धारण में छोटे खुदरा व्यापारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया है। डीपीआईआईटी ने कहा कि राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति में जमीनी स्तर पर भागीदारी शामिल होनी चाहिए।वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के मुताबिक राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (एनटीडब्ल्यूबी) की छठी बैठक मंगलवार को नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में हुई। इस बैठक का मुख्य फोकस 'वोकल फॉर लोकल' पहल पर था, जिसका उद्देश्य स्वदेशी उद्योगों और स्थानीय रूप से निर्मित वस्तुओं को बढ़ावा देना है। मंत्रालय के मुताबिक बैठक के दौरान उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के संयुक्त सचिव संजीव ने भारतीय अर्थव्यवस्था में खुदरा व्यापार क्षेत्र के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने बोर्ड के सदस्यों से राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति के निर्माण के लिए रचनात्मक और समावेशी सुझाव देने का आह्वान किया, जिसमें जमीनी स्तर से भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (एनटीडब्ल्यूबी) के अध्यक्ष सुनील जे. सिंघी ने इस बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने केंद्रीय बजट 2025-26 से व्यापारी और एमएसएमई केंद्रित कई घोषणाओं को रेखांकित किया, जिसमें नियामक प्रक्रियाओं के सरलीकरण, वित्तीय सहायता और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से एक अनुकूल व्यापार इको-सिस्टम बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड की यात्रा नामक एक

सिंघी ने सभी बोर्ड सदस्यों से अपने-अपने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस पहल की सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह किया।

विशेष पत्रिका का विमोचन किया गया, जिसमें बोर्ड की स्थापना के बाद से अब तक की उपलब्धियों, पहलों और उपलब्धियों का विवरण दिया गया है। सिंघी ने देश के छोटे व्यापारियों को सशक्त बनाने में डिजिटल परिवर्तन की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल छोटे खुदरा विक्रेताओं के लिए बाजार तक पहुंच और आय के अवसरों को काफी हद तक बढ़ा सकती है। सदस्यों से आग्रह किया गया कि वे स्थानीय व्यापारियों को ऐसे प्लेटफॉर्म पर लाने का सहयोग करें, ताकि डिजिटल अर्थव्यवस्था में उनका एकीकरण सुनिश्चित हो सके। चेयरमैन ने बताया कि व्यापार संघों और बोर्ड के सदस्यों की ओर से प्राप्त विभिन्न अभ्यावेदन उचित कार्रवाई के लिए संबंधित मंत्रालयों और विभागों को भेज दिए गए हैं। उन्होंने खुदरा क्षेत्र के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता और पहुंच बढ़ाने के लिए और सुझाव आमंत्रित किए। इस बैठक में केंद्र सरकार द्वारा नामित गैर-सरकारी सदस्यों ने भाग लिया, जो व्यापार संघों और विभिन्न राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करते थे, साथ ही भारत सरकार के नौ प्रमुख मंत्रालयों और विभागों के पदेन सदस्य भी बैठक में शामिल हुए। मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक का मुख्य फोकस 'वोकल फॉर लोकल' पहल पर था, जिसका उद्देश्य स्वदेशी उद्योगों और स्थानीय रूप से निर्मित वस्तुओं को बढ़ावा देना है। सिंघी ने सभी बोर्ड सदस्यों से अपने-अपने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस पहल की सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने इस आंदोलन के राजदूत के रूप में कार्य करने की प्रतीकात्मक शपथ ली, जिससे देश भर में इसकी पहुंच और प्रभाव मजबूत हो।

यातायात पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को दी स्पेशल ट्रैफिक इंजीनियरिंग की ट्रेनिंग

गुरुग्राम। पुलिस उपायुक्त यातायात डा. राजेश मोहन के निर्देशानुसार में, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात मुख्यालय हाईवे सत्पाल यादव की देखरेख में ट्रैफिक टॉवर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ रोड ट्रैफिक एजुकेशन (आईआरटीई) सेंटर में एक विशेष ट्रैनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 15 यातायात पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को नवनिर्मित सेंटर में ट्रैनिंग दी गई। इस स्पेशल ट्रैनिंग में 01 यातायात निरिक्षक, 06 यातायात जोनल अधिकारी और 8 यातायात पुलिस सिपाहियों ने हिस्सा लियाढ़ इस सैंटर में ट्रेनिंग सेशन के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को ट्रैफिक इंजीनियरिंग ट्रैनिंग की बारीकियों, यातायात सम्बंधित समस्याओं, उनके समाधान, होने वाली सड़क दुर्घटनाओं, उनके रोकथाम, पैदल यात्रियों के सुरक्षित आवागमन और यातायात का सफल संचालन आदि बारे विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

अवैध कालोनियों को किया ध्वस्त

गुरुग्राम। पुलिस स्टेशन खेड़की दौला के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस बल की सहायता से शहरी क्षेत्र गुरुग्राम में अनधिकृत कॉलोनियों पर सफलतापूर्वक ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गाँव लखनौला की राजस्व संपदा में 3.39 एकड़ में फैली एक अनधिकृत कॉलोनी, जिसमें 12 डीपीसी, 08 चारदीवारी और 2 संरचना और संपूर्ण सड़क नेटवर्क तथा पिलर से किए गए सीमांकन को ध्वस्त कर दिया गया है। गाँव ककरोला की राजस्व संपदा में 13.19 एकड़ में फैली 01 अनधिकृत कॉलोनी, जिसमें 9 डीपीसी, 4 चारदीवारी और एक संरचना और संपूर्ण सड़क नेटवर्क तथा पिलर से किए गए सीमांकन को ध्वस्त कर दिया गया है।

निगम में रिक्त पड़े पदों के कारण विकास कार्यों की गति पड़ी धीमी

गुरुग्राम। प्रदेशवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रयासरत हैं, वहीं दूसरी ओर प्रदेश में सर्वाधिक रेवेन्यू देने के मामले में अग्रणी गुरुग्राम के नगर निगम में अधिकारियों की कमी के कारण शहरवासियों को न तो मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल रहा है और न ही शहरवासियों की समस्याओं का समाधान समय पर हो रहा है। विकास कार्य भी धीमी गति से चल रहे हैं। करीब 2 सप्ताह पूर्व शहर के कुछ एक्सईएन का तबादला किए जाने के बाद गुरुग्राम नगर निगम में अभी तक नए एक्सईएन की नियुक्ति नहीं की गई है। बताते दें कि गुरुग्राम नगर निगम में कुल 4 जोन व 8 डिविजन हैं। नियम के अनुसार एक डिविजन में एक एक्सईएन होना चाहिए। यदि सरकार के पास अधिकारियों की कमी है तो फिर एक जोन में एक्सईएन होना चाहिए। वर्तमान में नगर निगम में मात्र 2 एक्सईएन के कंधों पर शहर के कार्यों का भार सौंपा हुआ है। क्षेत्र का एरिया बड़ा होने के कारण न तो अधिकारी समय पर लोगों के फोन उठा पाते और न ही विकास कार्यों को बढ़ावा दे रहे हैं। जिसके चलते शहर के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि हाल ही में मानेसर नगर निगम बनाया गया है। वहां पर 3 एक्सईएन कार्य कर रहे हैं। क्षेत्रफल के मामले में गुरुग्राम से छोटा होने के बावजूद मानेसर में गुरुग्राम से अधिक एक्सईएन हैं।

जिला में बाढ़ बचाव संबंधी सभी प्रबंध प्रभावी ढंग से किए जाएं सुनिश्चित - आयुक्त

नूंह।फरीदाबाद मंडल आयुक्त संजय जून ने कहा कि जिला में संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित विभाग जरूरी बचाव प्रबंध व तैयारियां समन्वित व प्रभावी ढंग से करना सुनिश्चित करें। सभी विभाग फील्ड स्तर के कार्यों का भौतिक निरीक्षण व समीक्षा करें। इस दौरान जो भी कमियां पाई जाती हैं, उन्हें समय रहते दूर करें, ताकि बाढ़ जैसी स्थिति बनने पर राहत व बचाव कार्यों को तत्परता से पूरा कर जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मंडल आयुक्त लघु सचिवालय के सभागार में संबंधित विभागों के साथ बाढ़ बचाव प्रबंधों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम संवेदनशील क्षेत्रों का अद्यतन करें एवं उन स्थानों पर आवश्यक संसाधनों की तैनाती सुनिश्चित करें। सिंचाई विभाग खेतों में जमा होने वाले पानी की स्थिति का जायजा लेकर जरूरी कार्यवाही सुनिश्चित करे। जो भी ड्रेन, कैनाल, नाले या पुलिया आदि हैं, उन सभी की सफाई करवाई जाए, ताकि पानी की जल्द निकासी करना संभव हो। पानी निकासी के लिए मूवएबल अतिरिक्त पंप रखे जाएं। जहां पर स्थाई पंप लगे हुए हैं या लगाए जाने हैं, वहां पर बिजली का कनेक्शन लेकर इन्हें चालू हालत में रखा जाए।

शहर में क्राईम बरदास्त नहीं किया जाएगा : थाना प्रभारी राकेश कुमार

तावडू। शहर थाना प्रभारी के रूप में उपनिरीक्षक राकेश कुमार ने शहर थाने का कार्यभार संभाल लिया है। शहर में गस्त बढा दी गई है और यातायात व्यवस्था बाधित ने हो, इसके लिए विशेष अभियान चलाया हुआ है। थाना प्रभारी राकेश कुमार ने कहा कि शहर में क्राईम बरदास्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि या तो अपराधी शहर को छोडकर चले जाएं, अन्यथा अपराध करने पर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

धनखड़ परिवार से मिले पीएम मोदी

एजेंसी

झज्जर।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्नेहभाव के साथ अपने निवास पर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व मंत्री औमप्रकाश धनखड़ के परिवार से मुलाकात की। पीएम मोदी ने औमप्रकाश धनखड़ के पौत्र तेजस को स्नेह व नवविवाहित छोटे बेटे एडवोकेट आशुतोष व पुत्रवधु एडवोकेट रिया को शादी की शुभकामनाएं देते हुए धनखड़ व राठी परिवार को बधाई दी। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी ने पूरी आत्मीयता के साथ पूर्व मंत्री धनखड़ के पिताजी वैद्य मोहोबत सिंह और माता जी छोटो देवी से कुशलक्षेम पूछा। लम्बी गपशप की । उनके स्वस्थ रहने और दीर्घायु की कामना की। पुत्र वधु जीना व पुत्र आदित्य को जीवन परिश्रम व पुरुषार्थ के महत्त्व पर प्रेरित किया । इस अवसर पर पूर्व मंत्री की धर्म पत्नी निरूपा धनखड़ , समधी , जज सुरेंद्र राठी, समधन प्रो अंजू रतन राठी उनके सुपुत्र और पुत्र वधु, एडवोकेट दिव्यांश हनु राठी और एडवोकेट सुमेधा सिंधु राठी । धनखड़ ने कहा कि परिवार की खुशियों के पलों में देश के माननीय प्रधानमंत्री जी का आशीर्वाद प्राप्त होना हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है। यह अविस्मरणीय क्षण ताउम्र हमारी स्मृतियों में अंकित रहेंगे । प्रधानमंत्री जी ने तेजस को अत्यंत स्नेह और आशीर्वाद से अभिभूत किया – इसके लिए हम हृदय से कृतज्ञ हैं ।

12 जिलों में 12 नए श्रम न्यायालय स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनुमति प्रदान कर दी गई- अनिल विज

हर जिला में श्रम न्यायालय स्थापित होने से श्रमिकों को मिलेगा शीघ्र न्याय- विज

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा में अब श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए औद्योगिक विवादों को शीघ्र अति शीघ्र निपटाने के लिए राज्य में कुल 26 श्रम न्यायालय संचालित होंगे। इस संबंध में 12 जिलों में 12 नए श्रम न्यायालय स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनुमति प्रदान कर दी गई हैं।

उल्लेखनीय है कि श्रम मंत्री ने श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए अन्य 12 जिलों नामतः पंचकूला, यमुनानगर, कुरूक्षेत्र, करनाल, कैथल, जींद, सिरसा, महेन्द्रगढ, भिवानी, चरखी-दादरी, फतेहाबाद एवं मेवात (नूंह) में श्रम न्यायालय स्थापित करने के लिए अपनी ओर से मुख्यमंत्री को एक प्रस्ताव बनवाकर भिजवाया था, जिस पर मुख्यमंत्री ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है।

श्री विज ने बताया कि इन 12 श्रम न्यायालयों की स्थापना हेतू बुनियादी ढांचा, फर्नीचर, वाहन,

पैट्रोल इत्यादि की व्यवस्था पर लगभग 12 करोड रूपए की राशि का खर्च आएगा।

वर्तमान में 6 जिलों में 9 श्रम न्यायालय संचालित, एक निर्माणाधीन, चार की मिली पहले ही मंजूरी

उन्होंने बताया कि वर्तमान में 6 जिलों (अंबाला में एक, पानीपत में एक, हिसार में एक, रोहतक में एक, गुरूग्राम में दो तथा फरीदाबाद में तीन) में 9 श्रम न्यायालय संचालित हैं, जबकि जिला रेवाडी के बावल में एक श्रम न्यायालय निर्माणधीन है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 के बजट भाषण के अनुरूप सोनीपत में एक, झज्जर में एक, पलवल में एक तथा रेवाडी में एक अर्थात चार अन्य श्रम न्यायालयों को पहले ही मंजूरी प्रदान कर दी गई थी। इस प्रकार से 10 जिलों में कुल 14 श्रम न्यायालय की संख्या हो गई थी।

राज्य के अन्य 12 जिलों में 12 नए श्रम न्यायालयों को स्थापित करने के लिए श्रम मंत्री श्री अनिल विज के प्रयासों से इस प्रक्रिया को सिरे चढा दिया गया है और आज उन्होंने इस बारे में बताया कि हरियाणा में अब कुल 26 श्रम न्यायालय होंगें। श्री विज ने कहा कि वे चाहते हैं कि श्रम विभाग से संबंधित औद्योगिक विवादों को जल्द से जल्द निपटाया जाना चाहिए ताकि श्रमिकों को समय पर न्याय मिल सकें, इसलिए प्रत्येक जिला में श्रम न्यायालय स्थापित किए जा रहे है।

अवैध रुप से रहने वाले बांग्लादेशियों को किया जाएगा डिपोर्ट, सरकार पूरी तरह से अलर्ट : डॉ अरविंद शर्मा

तीस मई को गांव पहरावर में होने वाला भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम होगा ऐतिहासिक

एजेंसी

रोहतक। प्रदेश के सहकारिता, कारागार एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि नायब सरकार प्रदेश में कोई की कोर कसर नहीं रहने देगी और नायब सरकार की नीतियों के चलते हरियाणा विकास के मामले में नंबर एक पर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने कई ऐसी योजनाओं की शुरुआत की है, जिन्हें देश के अन्य राज्य भी अनुसरण कर रहें है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि सबको पता है कि अब कांग्रेस के पास कुछ नहीं बचा है, कांग्रेस नेता तो सिर्फ सरकार के अच्छे कामों पर नुक्स ढूंढने में लगे हुए है, उन्हें जनता व विकास कार्यों से कोई लेना-देना नहीं है। बुधवार को कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने गांव पहरावर में 45 लाख रुपये की लागत से दादा लख्मीचंद पार्क के सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना की आत्मनिर्भरता उजागर हुई है और देश के दुश्मनों को भी पता चला गया कि

अगर कोई हरकत की तो उनका नामो-निशान मिट जाएगा। डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि आज हरियाणा के युवाओं को बिना पर्ची-बिना खर्ची सरकारी नौकरी, पारदर्शी तरीके से तमाम योजनाओं का लाभ मिल रहा है। पहले कांग्रेस के शासन में दलाल सिस्टम था, जिस पर भाजपा ने ताला लगाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से हर वर्ग पूरी तरह से खुश है और केन्द्र व प्रदेश सरकार ने पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने लोगों की समस्याएं भी सुनी और अधिकारियों को निर्देश दिये कि गंभीरता के साथ समस्याएं निपटाएं और पीने के पानी की शिकायत पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस तरह की शिकायत नहीं आनी चाहिए और इसका हल किया जाए।

संयुक्त स्वामित्व भूमि विभाजन प्रक्रिया हुई सरल- डॉ. सुमिता मिश्रा

साझा भूमि पर चल रहे अधिकांश विवादों का होगा शीघ्र समाधान

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने लंबे समय से लंबित भूमि विवादों के समाधान और संपत्ति विभाजन की प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से हरियाणा भूमि-राजस्व (संशोधन) अधिनियम, 2025 लागू किया है। इस अधिनियम में किया गया संशोधन विशेष रूप से संयुक्त भूमि जोत परिवार के सदस्यों के बीच उत्पन्न होने वाली जटिलताओं का समाधान करता है। वित्त आयुक्त एवं गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती सुमिता मिश्रा ने बताया कि यह नया कानून - हरियाणा भूमि-राजस्व (संशोधन) अधिनियम, 2025 - उन प्रमुख समस्याओं का समाधान करता है, जिनमें कई पारिवारिक सदस्य एक साथ किसी भूमि के स्वामी होते हैं। पहले की स्थिति में यदि भाई-बहन या अन्य रक्त संबंधी किसी भूमि के साझे मालिक होते थे, तो बिना सामूहिक सहमति के सरकार उस भूमि का विभाजन करने में अक्षम रहती थी। डॉ. मिश्रा ने बताया कि अब इस अधिनियम के माध्यम से धारा 111-ए का विस्तार करते हुए इसे लगभग सभी भूमि मालिकों पर लागू किया गया है, केवल पति-पत्नी को इस दायरे से बाहर रखा गया है। इसका अर्थ है कि अब रक्त संबंधियों के बीच साझा भूमि पर चल रहे अधिकांश विवादों का शीघ्र समाधान संभव हो सकेगा।

इन विवादों के निपटान की प्रक्रिया को और तेज करने के लिए, अब राजस्व अधिकारी स्वतः संज्ञान लेते हुए संयुक्त भूमि स्वामियों को नोटिस जारी कर सकेंगे। ये नोटिस सभी साझेदारों को छह महीने के भीतर आपसी सहमति से भूमि विभाजन के लिए प्रोत्साहित करेंगे, ताकि भूमि अभिलेखों का नियमितीकरण हो सके और प्रत्येक भूमि स्वामी को स्पष्ट अधिकार मिल सके। इससे भविष्य में विवादों की गुंजाइश कम होगी और न्यायालयों में मुकदमेबाजी से बचा जा सकेगा। उन्होंने बताया कि एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव के तहत अब धारा 114 को समाप्त कर दिया गया है। पहले इस धारा के अंतर्गत राजस्व अधिकारियों को यह जांच करनी होती थी कि क्या अन्य सह-स्वामी भी विभाजन चाहते हैं और उन्हें आवेदनकर्ता के रूप में शामिल करना होता था। अब किसी भी एक साझेदार द्वारा किए गए आवेदन पर उसका हिस्सा विभाजित किया जा सकेगा, भले ही अन्य सह-स्वामी सहमत हों या नहीं। इससे प्रक्रिया और अधिक तेज एवं सरल हो जाएगी और प्रत्येक स्वामी को अपनी भूमि का स्वतंत्र उपयोग करने का अधिकार मिलेगा। डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि ये संशोधन भूमि प्रशासन को तेज, सरल और नागरिक केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य विभाजन संबंधी मामलों में देरी और कानूनी विवादों को कम करना, प्रत्येक भूमि स्वामी को उनके हिस्से पर अधिकार और उपयोग का अवसर देना तथा राजस्व प्रक्रियाओं को सरल बनाना है।

सचिवालय में बम की सूचना निकली अफवाह

प्रशासन की सतर्कता और मॉक ड्रिल ने दिखाई तैयारी

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम सिविल सचिवालय में बुधवार एक संदिग्ध ईमेल मिलने से हलचल मच गई। ईमेल में परिसर में बम होने की बात कही गई थी। लेकिन प्रशासन ने स्थिति को बेहद संयम और तत्परता से संभालते हुए सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत सक्रिय किया। बम निरोधक दस्ते, पुलिस और अन्य विशेषज्ञ टीमों द्वारा सचिवालय परिसर की गहन तलाशी ली गई।

कई घंटे चली इस व्यापक जांच के बाद यह स्पष्ट हो गया कि यह महज एक अफवाह थी – परिसर में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई। हालांकि, सावधानी के तौर पर दोपहर 2 बजे सचिवालय भवन को अस्थायी रूप से खाली कराया गया और पूरे भवन की बम स्क्वाड ने स्कैनिंग की। उपायुक्त अजय कुमार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि प्राप्त ईमेल में जताई गई

बम की आशंका झूठी और निराधार साबित हुई है। यह एक अफवाह थी, लेकिन हम किसी भी स्थिति को हल्के में नहीं लेते। नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मामले की साइबर जांच की जा रही है और ईमेल भेजने वाले की पहचान के प्रयास तेज़ी से किए जा रहे हैं।लघु सचिवालय परिसर में बम स्क्वायड की जांच के उपरांत एसडीएम परमजीत चहल ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य भवन की जाँच के उपरांत किसी प्रकार की विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। स्कैनिंग के दौरान एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड व सिविल डिफेंस की टीम पूरी तरह मुस्तैद रही।

यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा सड़क पर गिरे पेड़ और टहनियों को हटाकर किया सराहनीय कार्य

एजेंसी

गुरुग्राम। यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा यातायात के व्यवस्थित, सुगम व सुचारू संचालन के लिए हर सम्भव प्रयास/कार्य किए जाते ह। इसी क्रम में सहायक पुलिस आयुक्त यातायात ईस्ट विरेन्द्र की देखरेख में यातायात पुलिस द्वारा सड़क पर गिरे पेड़ और टहनियों को रोड़ से हटाकर यातायात के संचालन को व्यवस्थित व सुचारू कराने का सराहनीय कार्य किया। अधिक बरसात होने पर या तेज आंधी आने पर काफी वर्षों पुराने पेड़ टूट कर सड़क पर गिर जाते हैं, जिसके कारण यातायात का सुचारू व व्यवस्थित संचालन को प्रभावित होता है। इस प्रकार की समस्याओं के तुरंत समाधान के लिए यातायात पुलिस गुरुग्राम ने अहम भूमिका निभाती। जब भी बरसात, आंधी, तूफान व अन्य किसी कारणों से सड़कों/रास्तों पर पेड़ व टहनियां गिर जाती है तो पुलिस द्वारा उन्हें वहां से हटवाकर यातायात का संचालन सुचारू रूप से कराया जाता है। खुशबु चौक पर अचानक एक पेड़ टूटकर सड़क पर गिर गया था, जिसको यातायात निरक्षक नीरज व अन्य यातायात पुलिस कर्मचारियों ने सड़क पर गिरे पड़े पेड़ को हटवाकर यातायात का संचलान सुचारू करवाया गया।

यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा आमजन सुरक्षा, सेवा तथा यातायात के सुचारू व व्यवस्थित संचलान के लिए भविष्य में भी सराहनीय कार्य किए जाते रहेंगे।

हम भाखड़ा का 9 हजार क्यूसेक से एक क्यूसेक भी कम पानी नहीं लेंगे: अभय सिंह चौटाला

25 मई को पंजाब हरियाणा बॉर्डर के रास्ते को बंद करके सांकेतिक बंद किया जाएगा : अभय चौटाला

पंजाब ने अगर फिर भी पानी नही दिया तो 1 जून से पंजाब बॉर्डर पर पक्के मोर्चे लगाएंगे

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब द्वारा भाखड़ा का पानी न देने पर इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला के नेतृत्व में 15 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने सुबह राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उसके बाद जाट भवन, चंडीगढ़ में इनेलो की राष्ट्रीय एवं राज्य कार्यकारिणी की बैठक में पहुंचे। प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में तीन प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक के बाद अभय सिंह चौटाला ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब सरकार ने 9 हजार की बजाय 5 हजार क्यूसेक पानी दिया है। प्रदेश में सिंचाई के लिए ही नहीं बल्कि लोगों और मवेशियों के लिए पीने का भी पानी नहीं हैं। 25

मई को पंजाब हरियाणा बॉर्डर के रास्ते को बंद करके सांकेतिक बंद किया जाएगा जिसमें पंजाब नम्बर के सभी वाहनों को रोका जाएगा। अंबाला जॉन में पंजाब के दो बॉर्डर है उनमें प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा के नेतृत्व में बंद करेंगे। सिरसा बॉर्डर पर अदित्य देवीलाल के नेतृत्व और नरवाना बॉर्डर पर वे स्वयं पंजाब के रास्ते को गुरुग्राम जॉन और जींद जिला मिलकर बंद करेंगे।अभय सिंह चौटाला ने कहा कि पानी के मुद्दे पर भाजपा राजनीति कर रही है। हम भाखड़ा का 9 हजार क्यूसेक से एक क्यूसेक भी कम पानी नहीं लेंगे। पंजाब ने अगर फिर भी पानी नही दिया तो 1 जून से पंजाब बॉर्डर पर पक्के मोर्चे लगाएंगे। हम कांग्रेस से भी आह्वान करते हैं कि पानी की इस लड़ाई में हमारे साथ शामिल हो। अगर कांग्रेस सही में पानी के मुद्दे पर गंभीर है तो इस लड़ाई में साथ आए। अभय चौटाला ने कहा कि पंजाब सीएम भगवंत मान रात को 8 बजे जीतकर सोते हैं। हरियाणा और पंजाब दोनों के सीएम डमी है। पंजाब सीएम को दिल्ली से केजरीवाल और हरियाणा के सीएम को दिल्ली से मनोहर लाल चलाते हैं। प्रदेश के अंदर शिक्षा के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त की है। सरकार शिक्षा क्षेत्र में निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। सरकारी स्कूलों में एडमिशन बढ़ाने की व्यवस्था करें। टीचर्स की भर्ती करें और एचकेआरएन से हटाए गए टीचर्स को पुन- नियुक्ति दे और पक्की भर्ती करें। इनेलो ने एक प्रस्ताव यह भी पारित किया है एसवाईएल की लड़ाई फिर से शुरू की जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा अध्यक्ष की चाची के निधन पर किया शोक व्यक्त

एजेंसी

करनाल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की चाची श्रीमती गुरूबचनी देवी के निधन पर उनके निवास स्थान कल्याण फार्म पहुंचकर शोक व्यक्त किया तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार में अपनो का जाना

बेहद दुखद होता है लेकिन संसार में जीवन और मृत्यु निश्चित है। उन्होंने पारिवारिक सदस्यों का ढांढस बंधाया। बता दें कि श्रीमती गुरूबचनी देवी का निधन 19 मई को हो गया था। इस अवसर पर प्रदेश के सहकारिता, जेल, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा , करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के विधायक योगेंद्र राणा, भाजपा के जिला अध्यक्ष प्रवीन लाठर भी उपस्थित थे।

फसली ऋण पर 07 फीसदी ब्याज वसूलना अन्नदाता किसानों के साथ क्रूर मज़ाक :कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि फसली ऋण पर 07 फीसदी ब्याज वसूलने का नया फरमान किसानों पर भाजपा सरकार का नया अत्याचार है। ये भाजपा सरकार अन्नदाताओं पर और कितना कहर ढाएगी। यह ताज़ा आदेश अन्नदाता किसानों के साथ क्रूर मज़ाक है। किसान पहले ही मौसम की मार, महंगी खेती, और मंडियों की अव्यवस्था से जूझ रहा है। ऐसे में उस पर ब्याज की तलवार चलाना न केवल अमानवीय है, बल्कि सरकार की किसान विरोधी सोच को उजागर करता है। अगर सरकार वाकई किसान हितेषी है तो उसे यह आदेश तत्काल प्रभाव से वापस लेना चाहिए। भाजपा सरकार को याद हो कि पूर्व कांग्रेस सरकार ने फसली ऋण पर ब्याज माफ किया था। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि शायद भाजपा सरकार को याद होगा अगर नहीं है तो याद करना होगा कि पूर्व में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में किसानों को राहत देते हुए फसली ऋण पर ब्याज माफ किया गया था। किसानों को सम्मान और सहारा देने का काम किया गया। पर भाजपा सरकार लगातार किसानों को कर्ज के बोझ तले दबा रही है। इतना ही नहीं, वर्तमान भाजपा सरकार में व्यापारियों को भी 10 से 12 प्रतिशत की भारी ब्याज दर पर ऋण दिया जा रहा है। इससे व्यापारियों की कमर टूट रही है। महंगाई और मंदी के इस दौर में जब व्यापार पहले ही संकट में है, तब सरकार का यह रवैया उन्हें आर्थिक रूप से और भी अधिक कुचल रहा है। प्रदेश में किसानों और व्यापारियों दोनों पर दोहरी मार पड़ रही है। एक ओर फसली ऋण पर 7 प्रतिशत ब्याज, दूसरी ओर व्यापारिक ऋण पर दो अंकीय ब्याज दरें।

एशिया कप जूडो प्रतियोगिता में कोंडागांव की रंजीता उज्बेकिस्तान में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

एजेंसी

जगदलपुर। अंतरराष्ट्रीय जूडो महासंघ के द्वारा उज्बेकिस्तान के तस्कीन में उज्बेकिस्तान जूडो संघ द्वारा एशिया कप जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 22 से 25 मई तक किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले की कुमारी रंजीता कुरेटी 52 किलो वजन वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। जिला जूडो संघ बस्तर के सचिव एवं प्रदेश जूडो संघ के संयुक्त सचिव अब्दुल मोईन ने प्रदेश संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी के हवाले से बताया कि दिल्ली पब्लिक स्कूल भिलाई की स्पोर्ट्स ऑफिसर, राष्ट्रीय जूडो चैंपियन, ब्लेक बेल्ट थर्ड डॉन और अंतरराष्ट्रीय निर्णायक किरण राव भी उक्त प्रतियोगिता में निर्णायक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने उज्बेकिस्तान रवाना हो गई हैं। रंजीता कुरेटी और किरण राव दोनों आज उज्बेकिस्तान पहुंच जायेंगी। इन दोनों की उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी, महासचिव शम्भू सोनी, संयुक्त सचिव अनीस मेमन, अंतरराष्ट्रीय निर्णायक शेख शरीफ, सरजीत सिंह बक्शी, परमजीत सिंह, राजकुमार जायसवाल सहित समस्त जिला संघो के पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

प्रधानमंत्री मोदी के 'खेलों की शक्ति' वाले संदेश से मिली प्रेरणा : कोच पुलेनो

दीव। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेलो इंडिया बीच गेम्स के पहले संस्करण के उद्घाटन पर एक वीडियो संदेश में खेलों की परिवर्तनकारी शक्ति की बात की और कहा कि यह आयोजन भारत के खेल इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। नगालैंड की महिला सेपक टकरॉ टीम की कोच पुलेनो नेइखा पूरी तरह से पीएम मोदी की इस सोच से सहमत हैं। पुलेनो के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में नगालैंड में खेलों का प्रभाव साफ दिखाई देने लगा है और भारत सरकार की यह अनूठी पहल राज्य की लड़कियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलने जा रही है। सेपक टकरॉ नगालैंड का सबसे लोकप्रिय खेल है। इसकी शुरुआत 1995 में शारीरिक शिक्षा अध्यापक होल्से खारियो द्वारा एक मनोरंजन गतिविधि के रूप में की गई थी, जिसे भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने तकनीकी सहायता प्रदान की थी। तब से यह खेल राज्य में लगातार विकसित हुआ है और अब बड़ी संख्या में लड़के और लड़कियां इसमें पंजीकृत हैं। वर्ष 2004 से राज्य सरकार ने दीमापुर में सेपक टकरॉ के लिए विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की। पुलेनो, जो खुद एक राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी और 2018 एशियन गेम्स में भारतीय टीम की कोच रह चुकी हैं, वर्तमान में इसी अकादमी में लड़कियों को प्रशिक्षित कर रही हैं।

मध्य प्रदेश लीग की शुरुआत 12 जून से, ग्वालियर करेगा मेजबानी

ग्वालियर। शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में 12 जून से मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) का नया सीज़न शुरू होने जा रहा है। पहले इसका आयोजन इंदौर में किया जाना था, लेकिन मौसम की परिस्थितियों और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के देर से समापन के कारण इस वर्ष एमपीएल को इंदौर से स्थानांतरित कर ग्वालियर में आयोजित किया जा रहा है। पिछले वर्ष एमपीएल के पहले संस्करण की मेज़बानी भी ग्वालियर ने ही की थी, जिससे यह स्थान खिलाड़ियों और आयोजकों दोनों के लिए परिचित है। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन (जीडीसीए) द्वारा मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित यह लीग मूल रूप से 27 मई से इंदौर में शुरू होने वाली थी, लेकिन आईपीएल के शेड्यूल में बदलाव के चलते निर्धारित कार्यक्रम से मेल खा रही थी। पिछले सीजन में पुरुषों की प्रतियोगिता में पांच टीमें शामिल थीं, लेकिन इस बार इसमें बुंदेलखंड और चंबल क्षेत्रों की दो नई टीमों को जोड़ा गया है। मध्य प्रदेश लीग को लेकर अध्यक्ष महानार्यमन सिंधिया ने एक आधिकारिक बयान में कहा,प्रथम संस्करण के आयोजन के चलते ग्वालियर हमारे खिलाड़ियों और प्रशंसकों के दिलों में एक विशेष स्थान रखता है और हम यहां दोबारा लौटकर बेहद उत्साहित हैं।

हरियाणा और दिल्ली ने मणिपुर को हराकर सेपक टकरा टीम वर्ग का स्वर्ण पदक जीता

दीव। हरियाणा और दिल्ली की महिला और पुरुष वर्ग की ट्रीयो टीम ने वर्षा बाधित फाइनल मुकाबले में पारंपरिक सेपक टकरा की मजबूत मणिपुर को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किये। आज यहां घोघला बीच पर खेले गये दोनों फाइनल में बारिश के कारण एक घंटे का ब्रेक रहा। महिलाओं के फाइनल में हरियाणा ने अनुभवी मणिपुर की टीम के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। मणिपुर को भारत में सेपक टकरा का गढ़ माना जाता है। कप्तान 20 वर्षीय मोनिका की अगुवाई में हरियाणा की महिला सेपक टकरा टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष सम्मान हासिल किया। मैच के बाद मोनिका ने कहा, टीम के लिए यह जीत हासिल करना और स्वर्ण पदक जीतना मुझे बहुत खुशी है। हमें पता था कि वे मजबूत हैं, लेकिन हमने अपना दबदबा नहीं खोया। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय चरखी दादरी, भिवानी और रोहतक जैसे शहरों में की गई कड़ी आउटडोर प्रैक्टिस को दिया। उन्होंने कहा, हम आउटडोर ग्राउंड पर ट्रेनिंग करते हैं, जिससे हमें बीच की सतह के हिसाब से ढलने में मदद मिली। यह मंच हमें काफी बढ़ावा देगा।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25: यूरोप दौरे के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत बने कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। यह चरण 7 से 22 जून 2025 तक नीदरलैंड्स के एम्सटेलवीन और बेल्जियम के एंटवर्प में खेला जाएगा। टीम की कमान एक बार फिर अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को सौंपी गई है जबकि मिडफील्ड के दमदार खिलाड़ी हार्दिक सिंह उपकप्तान बने रहेंगे। भारतीय टीम अपने यूरोपीय सफर की शुरुआत 7 और 9 जून को नीदरलैंड्स के खिलाफ दो मैचों से करेगी, इसके बाद 11 और 12 जून को अर्जेंटीना से भिड़ेगी। ये सभी मुकाबले एम्सटेलवीन के वागनर स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद टीम 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एंटवर्प में खेलेगी और अंत में 21 और 22 जून को बेल्जियम से मुकाबला होगा।

टीम में दो गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सुरज करकेरा को चुना गया है। डिफेंस में हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, नीलम संजीप ज़ेस, जर्मनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और यशदीप सिवाच शामिल हैं।मिडफील्ड की जिम्मेदारी राज कुमार पाल, नीलकांता शर्मा, राजिंदर सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद और शमशेर सिंह जैसे खिलाड़ियों को दी गई है। वहीं, फॉरवर्ड लाइन में गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह जैसे आक्रामक खिलाड़ी टीम में शामिल हैं। भारत ने इस साल की शुरुआत में भुवनेश्वर में खेले गए होम लेग में आठ मैचों में से पांच जीतकर 15 अंक जुटाए और वर्तमान में अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। इस लीग की टॉप टीम को 2026 एफआईएच वर्ल्ड कप में सीधी एंट्री मिलेगी, ऐसे में भारतीय टीम यूरोपीय लेग में अधिक से अधिक अंक बटोरना चाहेगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर कहा, हम इस बार टीम में थोड़ा और अनुभव चाहते थे और मुझे लगता है कि चयन एकदम सही है। टीम ने अच्छी ट्रेनिंग की है और हम इस बार प्रो लीग जीतने के लक्ष्य से जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा, अब तक हमने कोई मुकाबला ड्रॉ नहीं किया है, लेकिन आगे हमें कोशिश करनी होगी कि अगर जीत नहीं भी मिली तो कम से कम मुकाबले ड्रॉ करके शूटआउट में जाएं ताकि कुछ अंक मिल सकें। हमें पेनाल्टी कॉर्नर कन्वर्ज़न रेट में भी सुधार करना होगा।

यूपी प्री. स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप में ईगल आई अकादमी के निशानेबाजों ने जीते 36 पदक

एजेंसी

प्रयागराज। 25वीं यूपी प्री. स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप में ईगल आई शूटिंग स्पोर्ट्स अकादमी के निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 स्वर्ण, नौ रजत एवं 11 कांस्य पदक सहित 36 पदक जीते।यह जानकारी अकादमी के राइफल कोच फरीद उद्दीन एवं पिस्टल कोच विजय चंदेल ने दी। उन्होंने बताया कि सदर बाजार स्थित कैंट जूनियर हाईस्कूल में आयोजित इस चैम्पियनशिप में प्रदेश के 56 जिलों से लगभग 1260 निशानेबाजों ने प्रतिभाग किया। जिसमें ईगल आई अकादमी के पदक विजेता निशानेबाजों ने 30वीं राज्य चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाई कर लिया।प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि यूपी स्टेट राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सांसद श्याम सिंह यादव, विशिष्ट अतिथि एसीएल सीडीए पेंशन के आशीष यादव, छावनी परिषद के मुख्य अधिशाषी अधिकारी मो. समीर इस्लाम, यूपीएसआरए के महासचिव जीएस सिंह, उपाध्यक्ष रामेन्द्र शर्मा, छावनी परिषद के सदस्य विनोद कुमार वाल्मिकी, मोहम्मद दानिश ने विजेताओं को पदक एवं प्रमाण पत्र वितरित किया।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम घोषित

आयुष म्हात्रे कप्तान, वैभव सूर्यवंशी को मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर क्रिकेट समिति ने इंग्लैंड दौरे के लिए अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 24 जून से 23 जुलाई 2025 तक चलेगा, जिसमें भारत की युवा टीम एक महीने तक इंग्लैंड की धरती पर अपना दमखम दिखाएगी। दौरे में एक 50 ओवर का वॉर्म-अप मैच, पांच युवा वनडे और दो मल्टी-डे मुकाबले खेले जाएंगे।

आयुष म्हात्रे को सौंपी गई कप्तानी

टीम की कमान आयुष म्हात्रे को सौंपी गई है, जबकि अभिज्ञान कुंडू को उपकप्तान और विकेटकीपर की जिम्मेदारी दी गई है। वैभव सूर्यवंशी को मुख्य टीम में शामिल किया गया है, जो हाल के घरेलू प्रदर्शन के आधार पर चयनकर्ताओं की नजर में आए।

जूनियर खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका

यह इंग्लैंड दौरा युवा भारतीय खिलाड़ियों के लिए खुद को अंतरराष्ट्रीय मंच पर साबित करने का सुनहरा मौका होगा। खासकर कप्तान आयुष म्हात्रे और उपकप्तान अभिज्ञान कुंडू जैसे खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी।

ये खिलाड़ी करेंगे इंग्लैंड में

भारत का प्रतिनिधित्व

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उपकप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर एस अम्ब्रीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, हेनिल पटेल, युद्धाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, आदित्य राणा, अंमोलजीत सिंह।

स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची: नमन पुष्पक, डी दीपेश, वेदांत त्रिवेदी, विकल्प तिवारी और आलंक्रित रापोले (विकेटकीपर) को स्टैंडबाय खिलाड़ियों के रूप में रखा गया है।

रोरी मैक्लरॉय पहली बार भारत में खेलेंगे, डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में करेंगे शिरकत

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोरी मैक्लरॉय अक्टूबर में दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाले 4 मिलियन डॉलर इनामी डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। यह टूर्नामेंट 16 से 19 अक्टूबर तक आयोजित होगा। रोरी मैक्लरॉय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं हमेशा वैश्विक टूर्नामेंट खेलने का आनंद लेता हूं।

भारत में गोल्फ को आगे बढ़ाने की जबरदस्त संभावनाएं हैं। यह मेरे लिए एक शानदार अवसर है और मैं भारतीय गोल्फ प्रशंसकों के सामने खेलने को लेकर उत्साहित हूं। डीपी वर्ल्ड के मुख्य वित्तीय अधिकारी युवराज नारायण ने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हम दिल्ली को वैश्विक खेल मंच पर प्रदर्शित कर रहे हैं और युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करने के लिए एक मंच बना रहे हैं। रोरी मैक्लरॉय की भागीदारी से न सिर्फ वैश्विक ध्यान आकर्षित होगा, बल्कि भारत को एक प्रमुख गोल्फ गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

मैक्लरॉय ने इस साल अप्रैल में प्रतिष्ठित ग्रीन जैकेट जीतकर अपना करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया। इससे पहले वे 2011 में यूएस ओपन, 2012 और 2014 में यूएस पीजीए चैंपियनशिप और 2014 में द ओपन खिताब अपने नाम कर चुके हैं। डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप 2025 रेस टू दुबई के दूसरे चरण की नौ में से आठवीं प्रतियोगिता होगी। इस चरण के बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे और अंत में नवंबर में दुबई के जुमेराह गोल्फ एस्टेट्स में डीपी वर्ल्ड टूर चैंपियनशिप का आयोजन होगा।

मुंबई ने दिल्ली को 59 रन से हराया, आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बनी

एजेंसी

वानखेड़े। आईपीएल 2025 के 63वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 59 रनों से हरा दिया। इसी जीत के साथ मुंबई आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंचने वाली चौथी टीम बन गई। इससे पहले गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया था। इस मैच में सूर्यकुमार यादव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने सूर्यकुमार यादव की अर्धशतकीय पारी के दम पर पांच विकेट खोकर 180 रन बनाए। जवाब में दिल्ली 18.2 ओवर में सिर्फ 121 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली को उसके बल्लेबाजों ने निराश किया। उनके लिए समीर रिजवी ने सर्वाधिक 39 रनों की पारी खेली। इसके अलावा सिर्फ तीन बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू पाए। इनमें केएल राहुल (11), विप्रज निगम (20) और आशुतोष शर्मा (18) शामिल हैं। मुंबई के खिलाफ मैच में टीम के नियमित कप्तान अक्षर पटेल तबीयत खराब होने की वजह से नहीं खेलने उतरे। उनकी जगह फाफ डुप्लेसिस ने दिल्ली का नेतृत्व किया। वह सिर्फ छह रन बना पाए। इसके अलावा अभिषेक पोरेल ने छह, ट्रिस्टन स्टब्स ने दो, माधव तिवारी ने तीन, कुलदीप यादव ने सात रन बनाए। वहीं, मुस्तफिजुर रहमान खाता भी नहीं खोल पाए जबकि दुष्मंथा चमीरा आठ रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह और मिचेल सैंटनर ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, विल जैक्स और कर्ण शर्मा ने एक-एक सफलता अपने नाम की। इससे पहले, मुंबई की शुरुआत खराब हुई थी। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा सिर्फ पांच रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विल जैक्स और रेयान रिकेल्टन ने मोर्चा संभालने की कोशिश की, लेकिन जैक्स 13 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हो गए जबकि रिकेल्टन 25 रन बना पाए। तिलक वर्मा ने 27 और हार्दिक पांड्या ने तीन रन बनाए। वहीं, सूर्यकुमार यादव ने 43 गेंदों में सात चौके और छह गगनचुंबी छक्कों की मदद से 73 रनों की नाबाद पारी खेली।

इसके अलावा नमन धीर ने आठ गेंदों में दो चौके और इतने ही छक्के की मदद से 24 रन बनाए और नाबाद रहे। आखिरी 12 गेंदों में सूर्यकुमार यादव और नमन धीर ने 48 रन झटके। दिल्ली के लिए मुकेश कुमार ने दो विकेट लिए, जबकि दुष्मंथा चमीरा, मुस्तफिजुर रहमान और कुलदीप यादव को एक-एक सफलता मिली।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025: हरियाणा और दिल्ली ने मणिपुर को हराकर सेपक टकरा टीम वर्ग का जीता स्वर्ण

एजेंसी

दीव। हरियाणा और दिल्ली ने खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में क्रमशः महिला और पुरुष ट्रीयो टीम फाइनल में पारंपरिक सेपक टकरा की ताकतवर मणिपुर को हराकर स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं के फाइनल में हरियाणा ने अनुभवी मणिपुर की टीम के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। मणिपुर को भारत में सेपक टकरा का गढ़ माना जाता है। कप्तान 20 वर्षीय मोनिका की अगुवाई में हरियाणा की महिला सेपक टकरा टीम ने शीर्ष सम्मान हासिल करने के लिए उत्साह और युवा जोश से भरपूर प्रदर्शन किया। मैच के बाद मोनिका ने कहा, टीम के लिए यह जीत हासिल करना और स्वर्ण पदक जीतना मुझे बहुत खुशी है। हमें पता था कि वे मजबूत हैं, लेकिन हमने अपना दबदबा नहीं खोया। उन्होंने अपनी जीत का श्रेय चरखी दादरी, भिवानी और रोहतक जैसे शहरों में की गई कड़ी आउटडोर प्रैक्टिस को दिया। उन्होंने कहा, हम आउटडोर ग्राउंड पर ट्रेनिंग करते हैं, जिससे हमें बीच की सतह के हिसाब से ढलने में मदद मिली। यह प्लेटफॉर्म हमें काफी बढ़ावा देगा। पुरुष वर्ग में दिल्ली ने रोमांचक फाइनल में मणिपुर को 2-1 से हराया। दिल्ली टीम के कप्तान 35 वर्षीय संदीप कुमार ने बताया कि अचानक परिस्थितियों में आए बदलाव ने कैसे अहम भूमिका निभाई। राष्ट्रीय राजधानी में यमुना नदी के किनारे मजनू का टीला के पास टीम के साथ अभ्यास करने वाले संदीप ने कहा, बारिश से पहले हम पहला रेगुलेशन हार गए थे, लेकिन मौसम हमारे पक्ष में हो गया।

सऊदी प्रो लीग 2024-25: रोनाल्डो और ड्यूरान के गोल से अल नासर ने अल खलीज को 2-0 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। सऊदी प्रो लीग 2024-25 में खेले गए मुकाबले में अल नासर ने अल खलीज को 2-0 से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम 33 मैचों में 67 अंकों के साथ अंकतालिका में चौथे स्थान पर बनी हुई है। अल नासर के लिए यह गोल क्रिस्टियानो रोनाल्डो और जॉन ड्यूरान ने किए।

पहले हाफ में अल नासर ने आक्रामक शुरुआत की, लेकिन अंतिम क्षणों में फिनिशिंग की कमी के चलते स्कोर खाता नहीं खुल सका। रोनाल्डो को दो बार गोल करने का मौका मिला, लेकिन वह गेंद को जाल में नहीं पहुंचा सके। कोच स्टेफानो पियोली की टीम आक्रमण में थोड़ी धीमी नजर आई।

दूसरे हाफ में बदला खेल का रुख: दूसरे हाफ में अल नासर ने पूरी आक्रामकता के साथ शुरुआत की। 47वें मिनट में रोनाल्डो को कटबैक पर गोल करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन उनका शॉट बार के ऊपर चला गया। इसके बाद 63वें मिनट में अल नासर को पेनल्टी मिली, लेकिन रोनाल्डो ने वह मौका भी चूक दिया।

ड्यूरान ने दिलाई बढ़त

लगातार मौके गंवाने के बाद आखिरकार 75वें मिनट में जॉन ड्यूरान ने सादियो माने के क्रॉस पर बेहतरीन हेडर के जरिए गोल कर अल नासर को 1-0 की बढ़त दिला दी।

स्टॉपेज टाइम में रोनाल्डो ने खोला खाता: मैच के अंतिम क्षणों में ऐसा लग रहा था कि रोनाल्डो बिना गोल किए ही मैच समाप्त करेंगे, लेकिन स्टॉपेज टाइम में उन्हें एक और पेनल्टी मिली जब खलीज के गोलकीपर ओजैबी राएद ने उन्हें बॉक्स में गिरा दिया। वीएआर पुष्टि के बाद रोनाल्डो ने इस बार कोई गलती नहीं की और पेनल्टी को गोल में बदलकर अल नासर को 2-0 से जीत दिला दी। यह जीत अल नासर के लिए सीजन के अंतिम चरण में मनोबल बढ़ाने वाली रही, जबकि रोनाल्डो ने भी आखिरकार गोल के साथ मैच खत्म किया।

आयरलैंड ने वेस्टइंडीज को 124 रनों से हराया

डबलिन। एंडी बैलबर्नी (112) की शतकीय , कप्तान पॉल स्टर्लिंग (54) और हैरी टेक्टर (56) की अर्धशतकीय पारियों के बाद बैरी मक्कार्थी (चार विकेट) और जॉर्ज डॉकरेल (तीन) विकेट के शानदार प्रदर्शन की बदौलत आयरलैंड ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 34.1 ओवर में 179 रन पर ढ़ेर कर मैच को 124 रनों से जीत लिया। आयरलैंड की वेस्टइंडीज पर यह जीत एक बड़ी उपलब्धि है। 304 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 9.4 ओवर में 31 रन पर अपने पांच विकेट गवां दिये। आलम यह था कि आयरलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज नौसिखए की तरह एक-एक कर पवेलियन लौटते चले गये। वेस्टइंडीज का पहला विकेट एविन लुइस (दो) रनआउट के रूप में गिरा।

हांसी फ्लिक ने बढ़ाया बार्सिलोना के साथ करार, 2027 तक बने रहेंगे कोच

एजेंसी

बार्सिलोना। स्पेनिश फुटबॉल क्लब एफसी बार्सिलोना ने अपने कोच हांसी फ्लिक के साथ करार को जून 2027 तक बढ़ा दिया है। क्लब ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। जर्मन कोच हांसी फ्लिक ने बार्सिलोना के साथ अपने पहले ही सीजन में ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप जीतकर घरेलू ट्रेबल हासिल किया। उनके इस प्रदर्शन ने प्रशंसकों और क्लब प्रबंधन दोनों को प्रभावित किया है।

फ्लिक ने जावी हर्नांडेज़ की जगह बार्सिलोना की कमान संभाली थी, जब टीम पिछले सीजन एक भी ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही थी। शुरुआती करार 2026 तक का था, जिसे अब एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। फ्लिक की कोचिंग में बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग में भी शानदार प्रदर्शन किया और सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, जहां टीम को इंटर मिलान से कड़े मुकाबले में हार मिली। ला लीगा में बार्सिलोना अब तक 37 मैचों में 99 गोल कर चुका है और खिताब पहले ही अपने नाम कर चुका है। टीम रविवार को सीजन का अंतिम मुकाबला एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ खेलेगी। बार्सिलोना के बयान में कहा गया ,बार्सिलोना और हांसी फ्लिक के बीच करार का नवीनीकरण हो गया है, जो अब उन्हें 30 जून 2027 तक क्लब से जोड़े रखेगा। फ्लिक की यह सफलता बार्सिलोना के लिए एक नई उम्मीद और स्थिरता का संकेत है, जो आने वाले सीजनों में यूरोपीय फुटबॉल पर दबदबा कायम करने की ओर इशारा करती है।

यूरोपा लीग 2024-25: टोटनहैम हॉटस्पर ने 17 साल बाद जीता खिताब, चैंपियंस लीग में भी मिली जगह

एजेंसी

बिलबाओ। टोटनहैम हॉटस्पर ने रात यूरोपा लीग 2024-25 के फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराकर 17 साल के खिताबी सूखे को समाप्त कर दिया। ब्रेनन जॉनसन के पहले हाफ में किए गए गोल की बदौलत टोटनहैम ने यह मुकाबला जीता और साथ ही अगले सीजन की चैंपियंस लीग में भी अपनी जगह पक्की कर ली। यह टोटनहैम का 2008 लीग कप के बाद पहला खिताब है और 1984 के बाद पहली यूरोपीय ट्रॉफी। खास बात यह रही कि इस सीजन में टोटनहैम ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को चार बार हराया है और यह इतिहास में पहली बार हुआ जब उसने एक ही सीजन में यूनाइटेड के खिलाफ चारों मुकाबले जीते हों।

जॉनसन का गोल बना निर्णायक, डिफेंस में चूक से मिला मौका

42वें मिनट में टोटनहैम को वह मौका मिला जिसने मुकाबले की दिशा तय कर दी। पेपे सार के क्रॉस पर यूनाइटेड का डिफेंस बिखर गया, वहीं गोलकीपर आंद्रे ओनाना गोललाइन पर जमे रह गए। जॉनसन और ल्यूक शॉ दोनों गेंद तक पहुंचे और गेंद दोनों से लगकर नेट में चली गई।

यूनाइटेड को बराबरी का मौका नहीं मिला, वैन डी वेन की शानदार क्लियरेंस

दूसरे हाफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड के पास बराबरी का शानदार मौका था, जब रस्मुस होयलुंड का हेडर गोल की ओर जा रहा था, लेकिन मिकी वैन डी वेन ने लाइन पर शानदार क्लियरेंस कर दी। अंतिम क्षणों में भी ल्यूक शॉ का हेडर गोलकीपर विकारियो ने डाइव लगाकर बचा लिया।

जॉनसन बोले - 17 साल का इंतजार खत्म, अब कोई शिकायत नहीं

मैच के बाद ब्रेनन जॉनसन ने कहा, इस सीजन में कुछ खास नहीं रहा, लेकिन आज कोई फर्क नहीं पड़ता। क्लब ने 17 साल से कोई ट्रॉफी नहीं जीती थी। यह जीत बहुत मायने रखती है। फैन्स हमें और टीम को ताने देते हैं, लेकिन हमें यह पहला कदम लेना था। बहुत खुश हूं।

कोच पोस्टेकोग्लू को मिली राहत, क्लब के भविष्य पर टिकी निगाहें: इस जीत के साथ ही टोटनहैम के कोच एंज पोस्टेकोग्लू के लिए यह एक बड़ी राहत लेकर आई है। खराब प्रीमियर लीग सीजन के बावजूद यह जीत उनके भविष्य को सुरक्षित करने में मदद कर सकती है। लीग में 21 हार झेल चुकी टीम के लिए यह खिताब उम्मीद की नई किरण साबित हुआ है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए निराशाजनक सीजन, यूरोपीय फुटबॉल से बाहर होने का खतरा

दूसरी ओर, मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए यह हार इस सीजन की गहरी निराशा का हिस्सा बन गई है। प्रीमियर लीग में भी टीम 16वें स्थान पर है और अब अगले सीजन में यूरोपीय फुटबॉल से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। कोच रूबेन अमोरिम के सामने टीम को फिर से खड़ा करने की बड़ी चुनौती होगी।

टोटनहैम की ऐतिहासिक जीत, 41 साल बाद यूरोप में चखा जीत का स्वाद: बिलबाओ की गर्म रात में जब टोटनहैम के खिलाड़ी और फैंस जश्न मना रहे थे, तो यह सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं थी, बल्कि 41 साल की यूरोपीय प्रतीक्षा का अंत था। क्लब और उसके समर्थकों के लिए यह जीत एक नई शुरुआत की तरह है।

19 दिन में खड़ी कर दी 57 मंजिला इमारत

57 मंजिला इमारत जिसमें 4000 ऑफिस और 800 अवासीय परिसर हैं, मात्र 19 दिनों में खड़ी कर दी गई। यानी हर रोज बिल्डिंग के 3 मंजिलों का निर्माण। है न हैरतअंगेज!

चीन के चांगशा शहर में बनी इस बिल्डिंग को प्रीफैब कंस्ट्रक्शन फर्म ने बनाया है। फर्म द्वारा जारी एक वीडियो में यह बताया गया है कि कैसे उसने इतनी कम अवधि में इस बिल्डिंग का निर्माण किया। वीडियो में बताया गया है चीन के हुनान प्रांत में स्टील और कांच से बनी इस इमारत को मात्र 19 कार्यकारी दिनों में खड़ा किया गया।

फर्म के एक अधिकारी जियोझांग जेंग ने बताया कि बिल्डिंग का निर्माण दो हिस्सों में किया गया। आधी इमारत का निर्माण सन 2014 में किया गया जबकि बाकी आधी इमारत का निर्माण इस साल के पहले दो महीनों में किया गया। जेंग ने बताया कि उनके फर्म की योजना 97 मंजिला इमारत बनाने की थी लेकिन हवाई अड्डे से निकटता के कारण इसे घटाकर 57 मंजिला कर दिया गया। बिल्डर द्वारा इस बिल्डिंग के निर्माण में केवल 19 दिन खर्च किए गए। फर्म अब 220 मंजिला इमारत बनाने की योजना बना रही है। इस योजना को शुरू करने के लिए उसे सरकार की अनुमति का इंतजार है।

हवा में तैरता रेस्त्रां

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में एक रेस्त्रां डिनर इन द स्काई थीम पर बनाया गया है। हवा में 150 फीट ऊपर तैरते हुए यहां मेहमानों को लजीज पकवान परोसा जाता है। इस रेस्त्रां को क्रेन से उठाया जाता है। इंटरनेशनल फोर्ब्स मैगजीन ने इसे दुनिया के 10 सबसे अनयूजुअल रेस्त्रां की सूची में शामिल किया है।

यहां शरीर पर परोसते हैं खाना

यहां खाना और स्वागत में होता है अपमान

ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ने बनाया सटीक विश्व का नक्शा

अमेरिका का यह 11 साल का बच्चा इंटरनेट जगत में सनसनी बना हुआ है। लोगों से ज्यादा न घुलने-मिलने वाला, अपने में खोया रहने वाला ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे ने अपने अध्यापकों और सहपाठियों को तब चकित कर दिया जब इसने अपने क्लास के व्हाइट बोर्ड पर कुछ ही मिनटों में विश्व का नक्शा बना डाला वह भी एकदम सटीक।

उसके सहपाठियों ने उसकी तस्वीर और नक्शा बनाते हुए उसकी वीडियो इंटरनेट पर शेयर की और यह पूरे विश्व में वायरल हो गई। 11 साल के इस बच्चे का पिता एक स्कूल में अध्यापक है और यह बच्चा ऑटिज्म की बीमारी से पीड़ित है। खास बात यह है कि इस बच्चे ने विश्व का न सिर्फ सटीक नक्शा बनाया बल्कि उसने

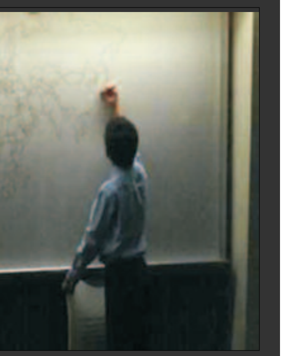

नक्शे में छोटे-छोटे देश और यहां तक कि उन छोटे आइलैंड को भी बनाया जिनपर नक्शा देखते वक्त अमूमन नजर भी नहीं जाती।

इस बच्चे की यह विलक्षण स्मरण शक्ति सचमुच हैरान करने वाली है। इससे पहले भी ऑटिज्म से पीड़ित एक ब्रिटिश कलाकार तब मशहूर हुआ था जब न्यूयॉर्क शहर के ऊपर से एक छोटे से हैलीकॉप्टर यात्रा के बाद उसने शहर की गगनचुंबी इमारतों की पैनारॉमिक व्यू वाली पेंटिंग बना डाली थी। स्टीफन विल्टशायर नामक इस कलाकार की पेंटिंग में गजब की सूक्ष्मता थी।

बचपन को बनाएं खुशहाल

बच्चों के तनाव को हल्के में न लें, क्योंकि उनकेमस्तिष्क पर इसका स्थायी प्रभाव पड़ता है। वॉशिंगटन स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कान्सिन-मैडिसन के शोधकर्ताओं के एक दल ने यह पाया कि उपेक्षा और शारीरिक उत्पीडऩ से पैदा होने वाले तनाव का बच्चे पर नकारात्मक और स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार ऐसे अनुभवों से बच्चे केमस्तिष्क का विकास प्रभावित होता है। इससे उनकी याद रखने की क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे बच्चों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संतुलन का भी अभाव देखने को मिलता है। यही नहीं युवा होने के बाद ऐसे बच्चों की सेहत, कॅरियर और दांपत्य जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव नजर आता है। इस अध्ययन में सौ से अधिक बच्चों को शामिल किया गया था, जिनकी उम्र बारह वर्ष थी और कई वजहों से उनका बचपन तनावग्रस्त था। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि आप चाहती हैं कि आपका बच्चा एक समझदार इंसान बने और वह अपनी पूरी जिंदगी हंसी-खुशी से व्यतीत करे तो आपको उसका बचपन खुशहाल बनाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए।

मेहनत से मिली जीत

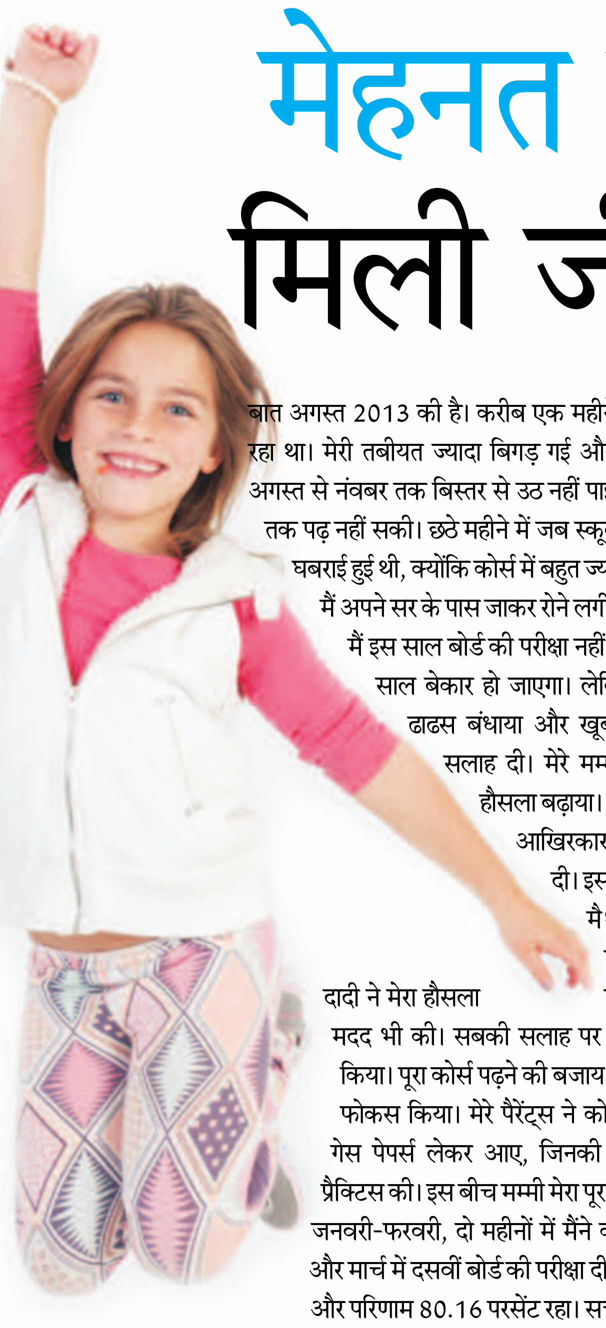

बात अगस्त 2013 की है। करीब एक महीने से मुझे बुखार आ रहा था। मेरी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई और करीब चार महीने अगस्त से नंवबर तक बिस्तर से उठ नहीं पाई। मैं पूरे पांच महीने तक पढ़ नहीं सकी। छठे महीने में जब स्कूल पहुंची तो मैं बहुत घबराई हुई थी, क्योंकि कोर्स में बहुत ज्यादा पिछड़ चुकी थी। मैं अपने सर के पास जाकर रोने लगी और कहने लगी कि मैं इस साल बोर्ड की परीक्षा नहीं दे पाऊंगी। मेरा एक साल बेकार हो जाएगा। लेकिन मेरे सर ने मुझे ढाढस बंधाया और खूब मेहनत करने की सलाह दी। मेरे मम्मी-पापा ने भी मेरा हौसला बढ़ाया।

आखिरकार मैंने पढ़ाई शुरू कर दी। इसमें मेरे प्रिंसिपल सर, मैथ्स टीचर, मेरे पैरेंट्स और मेरी दादी ने मेरा हौसला तो बढ़ाया ही, उन्होंने मदद भी की। सबकी सलाह पर मैंने हू-ब-हू अमल किया। पूरा कोर्स पढ़ने की बजाय मेन-मेन पॉइंट्स पर फोकस किया। मेरे पैरेंट्स ने कोचिंग लगा दी। पापा गेस पेपर्स लेकर आए, जिनकी मदद से मैंने खूब प्रैक्टिस की। इस बीच मम्मी मेरा पूरा ख्याल रखती थीं। जनवरी-फरवरी, दो महीनों में मैंने कठिन परिश्रम किया और मार्च में दसवीं बोर्ड की परीक्षा दी। मेरे पेपर अच्छे हुए और परिणाम 80.16 परसेंट रहा। सचमुच, मेहनत करना खाली कभी नहीं जाता।

मनोबल रहे ऊंचा

मैं हर साल प्रथम श्रेणी में पास हुआ। कक्षा दस की बोर्ड परीक्षा के लिए तो मैंने ठान लिया था कि मैं अपनी मेहनत और लगन से कॉलेज में टॉप करूंगा। जब मेरा रिजल्ट इंटरनेट पर घोषित हुआ, तो मैं यह देखकर बेहद खुश हुआ कि मैंने 90 परसेंट अंक पाकर कॉलेज टॉप किया है। अब मुझे 11वीं कक्षा में एडमिशन लेना था।

मैंने शुरू के पांच-छह दिन तो क्लास अटेंड की, इसके बाद क्लास ड्रॉप करने लगा। मुझे लगा जिस तरह हाईस्कूल में टॉप किया, उसी तरह 11वीं में भी कर लूंगा। 11वीं की परीक्षा का रिजल्ट आया, तो सभी बच्चे कॉलेज गए। प्रार्थना स्थल पर उन बच्चों के नाम घोषित किए जाते थे, जो कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आते थे। जब नाम घोषित हुए, तो कक्षा 11 में टॉप थ्री में मेरा नाम कहीं नहीं था। वहां सब हैरान थे। मैं चुपके से पंक्ति से बाहर निकला और घर आ गया। मैं समझ नहीं पा रहा था कि घर वालों से क्या कहूंगा। जो हमेशा प्रथम आता था, वह तीसरे स्थान पर भी नहीं था।

पर मैंने खुद को कमजोर नहीं पड़ने दिया। मेरे घर वालों ने मेरी हिम्मत बढ़ाई।

12वीं के लिए फिर से मैंने कठिन परिश्रम किया और खूब पढ़ाई की। मेरी मेहनत और लगन रंग लाई। इसलिए दोस्तो, कभी किसी काम को छोटा या आसान नहीं समझना चाहिए कि तुम उसे छोड़ दो। वहीं, किसी काम को इतना मुश्किल भी नहीं समझना चाहिए कि तुम कर ही न सको। मनोबल एक बहुत बड़ा गुण है। पूरी लगन और मेहनत से किसी चीज को पाने की सोचो, तो वह जरूर मिलती है।

मदद करने से मिलती है खुशी

यह तब की बात है जब मैं 13 साल का था और कक्षा 9 में पढ़ता था। अब मैं 14 साल का हो गया हूं। मेरे पिता जी कहते हैं कि लोगों की मदद करने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए।

%अगर तुम किसी की मदद करना चाहते हो तो तुम्हारे अंदर अपने आप हिम्मत आ जाएगी और एक अलग तरह की खुशी का भी अनुभव होगा।% एक बार हम सपरिवार घर के बाहर गये थे। हम लोग जी.टी. रोड के किनारे पैदल ही चल रहे थे। मैं पापा से पीछे था। तभी मैंने देखा कि सड़क के किनारे एक वृद्ध महिला खड़ी हैं। असल में वह रोड पार करना चाहती थीं, मगर सड़क पर बहुत तेज गाडिय़ा चल रही थीं, इसलिए यह संभव नहीं हो रहा था। कोई भी उनकी मदद करता नहीं दिख रहा था। तभी मुझे पापा कि बात याद आई और मैं दौड़ कर उन महिला के पास गया और कहा, आइए अम्मा मैं आप को रोड पार करा देता हूं।

उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा और चलने लगीं। सड़क पर काफी तेजी से वाहन आ-जा रहे थे। लेकिन मेरे अंदर पता नहीं कैसे हिम्मत आ गयी थी। मुझे थोड़ा सा भी डर नही लग रहा था। मैंने उनको आराम से रोड पार करा दिया।

उसके बाद उन्होंने मुझे खूब आशीर्वाद दिया और चली गयी। वास्तव में उस समय मदद करने के बाद मुझे बहुत खुशी महसूस हुई। उस दिन मुझे यह पता चला कि जब हम किसी कि मदद करते हैं तो भगवान भी हमारा साथ देता है और हमें हिम्मत देता है।

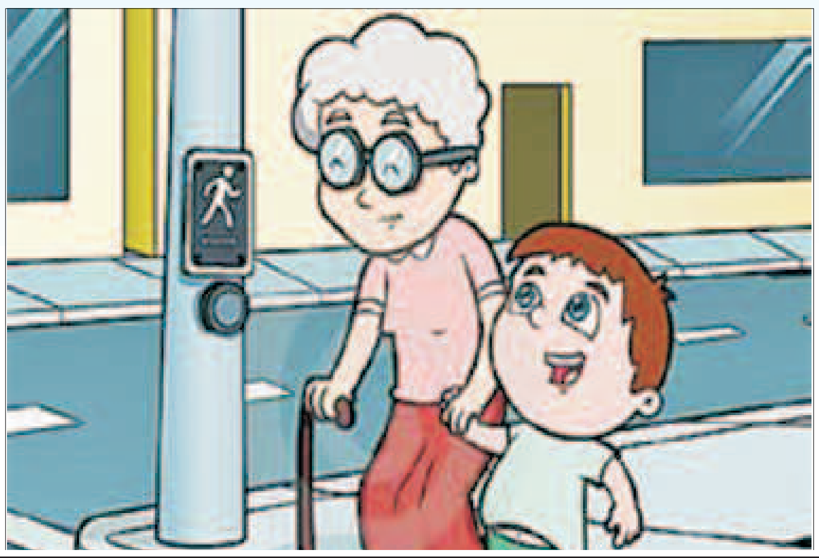

बच्चों के लिए ज्यादा डांट-फटकार ठीक नहीं

बचपन में जिन बच्चों को ज्यादा डराया तथा धमकाया जाता है, उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल असर पड़ता है और प्रौढ़ावस्था में इन बच्चों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

ब्रिटेन के मनोचिकित्सकों के अनुसार जिन बच्चों को बचपन में ज्यादा डांट-फटकार का सामना करना पड़ता है अथवा जिनके सहपाठी उन्हें पीटते हैं, तो ऐसे बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य न केवल प्रभावित होता है, बल्कि 50 वर्ष की आयु में इन्हें अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

ब्रिटेन के किंग्स कॉलेज लंदन के सायकिएट्री संस्थान के मनोचिकित्सक यू ताकीजावा की अगुवाई में किए गए इस अध्ययन की रिपोर्ट अमेरिकन जर्नल ऑफ सायकिएट्री में शुक्रवार को प्रकाशित हुई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि इस संबंध में 40 वर्ष पूर्व कराए गए अध्ययन आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।

इस अध्ययन में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में 1958 में एक हफ्ते में जन्में 7,771 बच्चों को शामिल किया गया था। इन बच्चों के माता-पिता से पूछा गया था कि बचपन में उनके साथ घर में क्या बर्ताव होता था और कक्षा में सहपाठी उनके साथ क्या व्यवहार करते थे।

माता-पिता से यह जानकारी भी ली गई कि सात से 11 वर्ष की उम्र में क्या बच्चों को ज्यादा डांट-फटकार का सामना करना पड़ा था। अब 50 वर्ष की उम्र में पहुंच चुके इन व्यक्तियों के अध्ययन से यह पता चला है कि उनमें अवसाद, तनाव और आत्महत्या करने जैसी प्रवृति अधिक देखने को मिली। ये सामाजिक रूप से भी अलग-थलग पाए गए हैं।

सायकिएट्री संस्थान की मनोचिकित्सक लुईस आर्सेनल्ट का कहना है कि अब आप अपने दिमाग से यह धारणा निकाल दीजिए कि बच्चों को बचपन में ज्यादा डांटना या फटकारना जरूरी होता है। शिक्षकों, माता-पिता और नीति निर्माताओं को इस बात से वाकिफ होना चाहिए कि बचपन में स्कूल अथवा घर में बच्चों के साथ जो व्यवहार होता है उसके परिणाम बहुत बाद में दिखाई देते हैं।